दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
दतिया ■ बुधवार 25 सितंबर 2024 ■ वर्ष -19 ■ अंक-329 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

सुविचार

भगवान के घर में गरीब-अमीर में कोई भेदभाव नहीं। भेदभाव होता तो भगवान गरीब केवट के साथ प्रेम नहीं करते।

ट्रक ने ऑटो को कुचला सात लोगों की मौत

दमोह में हादसा, तीन गंभीर, जबलपुर तक बनाया कॉरिडोर

सत्ता सुधार ■ दमोह

दमोह-कटनी स्टेट हाइवे के देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव में मंगलवार की दोपहर ट्रक और सवारी ऑटो की टक्कर हो गई, जिसमें ट्रक ने ऑटो को कुचल दिया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मृत और घायलों की किसी भी प्रकार की सिनाख्त नहीं हो पाई। दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी के द्वारा घायलों को इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जिसके लिए दमोह से जबलपुर तक एक कॉरिडोर बनाया गया। साथ ही पायलट और फॉलो वाहन उपलब्ध कराया गया, ताकि दमोह से जबलपुर तक के मार्ग में कोई बाधा न आए।

नशे में मिला ट्रक ड्राइवर

पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया है। छतरपुर जिले के बक्सवाहा का रहने वाला ड्राइवर नीरज सिंह लोधी (22) शराब के नशे में था। पुलिस मेडिकल जांच के लिए उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची। वह इतने नशे में था कि कुछ भी बोलने की हालत में नहीं था। केवल उसके नाम और उसके गांव की जानकारी मिल पाई।

तीन जबलपुर रेफर

जैसे ही हादसे की जानकारी लगी, तत्काल देहात थाना पुलिस के साथ कलेक्टर-एसपी और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से ऑटो को बाहर निकाला। साथ ही ट्रक के नीचे दबे लोगों को तत्काल ही इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पांच लोगों को मृत घोषित किया गया। तीन की स्थिति गंभीर होने पर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

स्थानीय था ऑटो

एक चर्चा के दौरान दमोह एसपी ने बताया कि ऑटो लोकल का ही रजिस्टर्ड है। इसलिए आसपास के ही लोग होंगे, जो आटो में सवार होकर कहीं जा रहे थे। सबसे पहले प्राथमिकता है कि घायलों का इलाज तत्काल शुरू किया जा सके, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। वहीं ऑटो चालक की सिनाख्त आलोक गुप्ता सिविल वार्ड-2 पुराना थाना के रूप में हुई है।

दो-दो लाख की आर्थिक सहायता

इधर, सीएम डॉ. मोहन यादव सड़क हादसे पर दु:ख व्यक्त करते हुए लापरवाहों पर अफसरों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजन को राज्य सरकार की ओर से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

मोहन कैबिनेट का फैसला: सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी, अब एमएसपी पर बिकेगा

विधायकों को मिलेगा नया बंगला, विस अध्यक्ष-नेता प्रतिपक्ष खुद भरेंगे टैक्स

सिंहस्थ-2028: रुके काम के लिए 919 करोड़ 94 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

नए विधायक विश्राम गृह के निर्माण के लिए 159 करोड़ 13 लाख की मंजूरी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में कई हम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी मिलने से प्रदेश में सोयाबीन की सरकार खरीदी का रास्ता साफ हो गया है। अब प्रदेश में किसानों एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी की होगी। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत मार्कफेड द्वारा किसानों से सोयाबीन खरीदी जाएगी। सरकार किसानों से सोयाबीन की खरीदी 4892 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करेगी। यह खरीदी 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चलेगी, जबकि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 25 सितंबर से शुरू होगी और अक्टूबर तक चलेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष अब अपना इनकम टैक्स खुद भरेंगे। अब तक विधानसभा के अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का टैक्स सरकार भर रही थी। अधिनियम में संशोधन करने संबंधी विधेयक पर मंत्रि-परिषद् ने अनुमोदन प्रदान किया है, जिसे विधानसभा के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा।

पांच अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक दमोह जिले के संग्रामपुर में होगी

पुराने ब्लॉक हटाकर 102 नए आवास बनाए जाएंगे

राज्य सरकार ने 159.13 करोड़ रुपए की लागत से विधायकों के लिए नए आवास बनाने की योजना को मंजूरी दी है। पुराने ब्लॉक हटाकर 102 नए आवास बनाए जाएंगे। राज्य के सभी 230 विधायकों के लिए आवास की सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की जा रही है। इसका निर्माण लोक निर्माण विभाग करेगा। प्रत्येक आवास का प्लिंथ एरिया 2615 वर्ग फीट होगा।

नीमच में फोरलेन को मंजूरी

नीमच जिले में सड़क बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फोरलेन सड़क निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। इस निर्णय से जिले में आवागमन में सुधार होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। भाटखेड़ा से डुंगलावदा तक 4-लेन सीमेंट कांक्रीट सड़क लंबाई 16 किमी के निर्माण के लिए 133 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गयी।

सिंहस्थ पर फोकस

मंत्रि-परिषद द्वारा अनुबंधित एजेंसी से सिंहस्थ-2028 के आयोजन के लिए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने की जरूरत को देखते हुए प्रो-रेटा आधार पर कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना लागत राशि 919 करोड़ 94लाख की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। उज्जैन जिले की कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 598 करोड़ 66 लाख रुपए की प्रदान की गई थी।

ब्रीफ न्यूज

राऊ विधायक को हार्ट अटैक, वेंटिलेटर पर रखा

इंदौर। राऊ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मधु वर्मा को मंगलवार सुबह हार्ट अटैक आ गया। परिजन तुरंत रिंग रोड स्थित विशेष जूपिटर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने सीपीआर दिया। विधायक वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें गंभीर अटैक आया है।

राजस्थान में भूकंप के झटके घरों से बाहर निकले लोग

बाड़मेर। राजस्थान के बालोतरा जिले में दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.2 थी। लोगों ने भूकंप की हलचल महसूस की गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार बालोतरा में दोपहर 1 बजकर 43 सेकेंड पर झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 3.2 रिएक्टर थी। भूकंप का केंद्र बिंदु भी बालोतरा था।

वित्त मंत्री उज्बेकिस्तान की बैठक में होंगी शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 28 सितंबर तक उज्बेकिस्तान की यात्रा पर हैं। इस दौरान वो 25-26 सितंबर को एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी।

मलयाली एक्टर सिद्दीकी के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट

नई दिल्ली। हेमा कमेटी कि रिपोर्ट आने के बाद मलयाली एक्ट्रेस रेवती संपत्त ने एक्टर सिद्दीकी पर शारीरिक शोषण के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। मंगलवार को केरल हाईकोर्ट ने सिद्दीकी को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है। एक्टर को कोर्ट में पेश होना था, लेकिन नहीं पहुंचे तो अरेस्ट वॉरंट जारी किया गया है।

सीएम सिद्धारमैया पर चलेगा जमीन घोटाले का मुकदमा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा कि याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है।

एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद बने लोकायुक्त डीजी

मध्यप्रदेश में 15 आईपीएस अफसरों का तबालदला, स्पेशल डीजी आलोक की जगह योगेश चौधरी पदस्थ

चर्चित लेडी सिंघम बेनीवाल को भी मिली नई पोस्टिंग

भोपाल में जोन-2 की डीसीपी श्रद्धा तिवारी का भी ट्रांसफर

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के पुलिस महकमे में बड़ी सर्जरी हुई है। एक बार फिर से प्रदेश में 15 आईपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। तबादले की सूची में कुछ चर्चित अधिकारियों के नाम भी हैं। इनमें यंग आईपीएस अधिकारी अनु बेनीवाल का भी नाम है। अनु बेनीवाल की पोस्टिंग अभी ग्वालियर में थी। अब उनका ट्रांसफर हो गया है। इसके साथ ही सीनियर आईपीएस अधिकारी जयदीप प्रसाद का भी तबादला हुआ है। वहीं आईपीएस अधिकारी सोनाक्षी सक्सेना का भी कद बढ़ा है। वह अभी एएसपी जबलपुर के पद पर तैनात थीं। अब वह भोपाल पुलिस कमिश्नरेट में आ गई हैं। एडीजी इंटेलीजेंस जयदीप प्रसाद को लोकायुक्त संगठन में प्रभारी महानिदेशक बनाया गया है। आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त संगठन योगेश चौधरी को पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रबंधन बनाया गया है। वहीं, भोपाल जोन-2 श्रद्धा तिवारी को पुलिस कमिश्नर ऑफिस में पदस्थ किया गया है। पुलिस कमिश्नर ऑफिस में इंटेलीजेंस सिक्योरिटी में पुलिस उपायुक्त संजय कुमार अग्रवाल को भोपाल उपायुक्त जोन-2 की कमान सौंपी गई है। जबलपुर एडिशनल एसपी सोनाक्षी सक्सेना को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। भोपाल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय में इंटेलीजेंस सिक्योरिटी की कमान सौंपी है।

जयदीप प्रसाद, संजय कुमार, योगेश चौधरी

कृष्ण ग्वालियर एएसपी

एएसपी ग्वालियर शियाज केएम को हॉकफोर्स बालाघाट, सहायक पुलिस आयुक्त हबीबगंज नगरीय पुलिस भोपाल मयूर खंडेवाल को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नगरीय पुलिस भोपाल, एसडीओपी बैरसिया भोपाल (देहात) आनंद कलादगी को एएसपी जिला जबलपुर, सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर नगरीय पुलिस इंदौर, कृष्ण लालचंदानी को एएसपी जिला ग्वालियर, सहायक पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश को एसडीओपी जिला रीवा तैनात किया गया है।

बेनीवाल एसडीओपी मनावर

इधर, सहायक पुलिस अधीक्षक भोपाल सर्वप्रिय सिन्हा को एसडीओपी बैरिया भोपाल (देहात), सहायक पुलिस अधीक्षक राहुल देशमुख को एसडीओपी उज्जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक जबलपुर आदित्य पटले को सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर नगरीय पुलिस इंदौर, सहायक पुलिस अधीक्षक इंदौर करनदीप को सहायक पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस इंदौर और सहायक पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अनु बेनीवाल को एसडीओपी मनावर जिला धार बनाया गया है।

देश के टॉप-30 में मध्यप्रदेश का एक भी स्कूल नहीं

ईडब्ल्यू इंडिया स्कूल रैंकिंग 2024-25 जारी

टॉप-10 में दिल्ली-एनसीआर के नौ स्कूल शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

एजुकेशन वर्ल्ड मैगजीन ने इंडिया स्कूल रैंकिंग 2024-25 की लिस्ट जारी की है। जिसमें देश के बेस्ट स्कूलों को शामिल किया गया है। इसमें पहले नंबर पर बेंगलुरु की इन्वेंचर एकेडमी, दूसरे नंबर पर दिल्ली का वसंत वैली और तीसरे नंबर पर ठाणे, महाराष्ट्र का स्कूल है। इधर,मध्य प्रदेश के किसी भी स्कूल को टॉप 10 स्कूलों में शामिल नहीं किया गया है। राज्य में पहला स्थान इंदौर के 'द शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल' को मिला है जिसे देश में 36वां स्थान हासिल हुआ है। वहीं राज्य में दूसरे नंबर पर डीपीएस भोपाल है जिसे देशभर में 45वां स्थान मिला है। वहीं राजस्थान में पहली रैंक जयपुर के महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय को मिली। इस स्कूल की ऑल इंडिया रैंक 50 है। इसके अलावा देशभर में 100वें पायदान पर अजमेर का मयूर स्कूल है।

जम्मू-कश्मीर में आज 26 सीटों पर होगा मतदान

विस चुनाव: 25.78 लाख वोटर उम्मीदवारों के भाग्य का करेंगे फैसला

दूसरे चरण का थमा प्रचार मैदान में 239 प्रत्याशी

एजेंसी ■ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं।

पंजाब में एनआरआई कोटा सिर्फ पैसा कमाने की मशीन

मेडिकल प्रवेश में एनआरआई कोटे का बढ़ा दायरा रद्द

पंजाब की भगवंत मान सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा झटका

एजेंसी ■ चंडीगढ़

मेडिकल क्षेत्र में दाखिले संबंधी एनआरआई कोटे के मामले में पंजाब सरकार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार की अपील को खारिज करते हुए पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब मेडिकल क्षेत्र में यह धोखाधड़ी समाप्त होनी चाहिए। इस तरह अदालत ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए एनआरआई कोटा बढ़ाने वाली पंजाब सरकार की अधिसूचना को रद्द कर दिया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह और कुछ नहीं, बल्कि पैसा कमाने की मशीन है। पीठ ने कहा कि हम इस तरह की सभी याचिकाएं खारिज कर देंगे। यह एनआरआई व्यवसाय एक धोखाधड़ी के अलावा और कुछ नहीं है।

15 प्रतिशत आरक्षण

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने 10 सितंबर को आप सरकार के 20 अगस्त के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें एनआरआई कोटे के दायरे को बढ़ाकर उनके दूर के रिश्तेदारों जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई को भी इसमें शामिल कर लिया गया था। एनआरआई कोटे के अंतर्गत 15 प्रतिशत का आरक्षण मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए तय किया गया है।

विश्वास सियासी हंगामे के बीच भक्तों की सोच जिम्मेदारों को दिखा रही आइना, लाखों लड्डू की बिक्री, सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा लड्डू विवाद

विवाद पर भारी आस्था! तिरुपति के भक्तों ने चार दिन में खरीदे 14 लाख लड्डू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू विवाद पर आंध्र प्रदेश समेत पूरे देश में सियासी घमासान मचा है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के दो दिग्गज प्रकाश राज और अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण भी इस मुद्दे पर आमने-सामने आ चुके हैं। यहां तक कि विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने एक स्वतंत्र समिति से जांच की मांग भी की। मगर इस विवाद का श्रद्धालुओं पर खास असर नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि लड्डू विवाद अब बीती बात हो गई है। तिरुपति मंदिर में लड्डू की बिक्री पहले की तरह जारी है। मंदिर में रोजाना औसतन 3.50 लाख लड्डू की बिक्री होती है। चार दिनों में 14 लाख से अधिक लड्डू बिक चुके हैं।

सनातन धर्म को लेकर डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने प्रकाश राज को दिया जवाब

तारीख	कितने लड्डू बिके
19 सितंबर	3.59 लाख
20 सितंबर	3.17 लाख
21 सितंबर	3.67 लाख
22 सितंबर	3.60 लाख

इस लिए खास 'प्रसादम'

आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में रोजाना देश-दुनिया से हजारों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश के दर्शन को आते हैं। यहां के प्रसादम का अपना धार्मिक महत्व है। भक्त अक्सर यहां से प्रसाद खरीद कर अपने साथ ले जाते हैं। लड्डू को बादाम, किशमिश, काजू, बंगाली चना, चीनी और गाय के घी से तैयार किया जाता है।

नायडू ने लगाया था पुश चर्बी होने का आरोप

तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में पशु चर्बी होने का आरोप आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लगाया था। उन्होंने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना भी साधा था। प्रदेश सरकार ने मामले की जांच कराई और लैब रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि होने की बात कही।

लड्डू विवाद पर भिड़े नेता-अभिनेता

डियर पवन कल्याण, ये उस राज्य में हुआ है जहां आप उपमुख्यमंत्री हैं। प्लीज जांच कीजिए। दोषियों को ढूंढिए और कड़ी कार्रवाई कीजिए। आप इस मुद्दे को सेंसेशनल क्यों बना रहे हैं और इसे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा क्यों बनाना चाहते हैं। देश में पहले ही बहुत सामुदायिक तनाव है। केंद्र में बैठे आपके दोस्तों की कृपा से।

प्रकाश राज, अभिनेता

मुझे इन मामलों में क्यों नहीं बोलना चाहिए। मैं आपका सम्मान करता हूं प्रकाश राज, और जब बात सेकुलरिज्म की आती है, तो ये म्यूचुअल होना चाहिए। मुझे नहीं समझ आता कि आप मेरी आलोचना क्यों कर रहे हैं। क्या मैं सनातन धर्म पर अटैक के बारे में नहीं बोल सकता। प्रकाश मैं सनातन धर्म को लेकर बहुत सीरियस हूं। **पवन कल्याण**, डिप्टी सीएम

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

जनजातीय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास की ओर सरकार के बढ़ते कदम

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की पहल पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं के जरिये जनजातीय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं कल्याण के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये जा रहे हैं। विभाग द्वारा जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, आवास किराया सहायता, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण एवं सिविल सेवाओं में भर्ती के लिये निःशुल्क कोचिंग सहित परीक्षा में सफल होने पर प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग की कक्षा पहली से आठवीं तक प्री-मेट्रिक राज्य छात्रवृत्ति योजना में वर्ष 2023-24 में 17 लाख 36 हजार 14 विद्यार्थियों को 56 करोड़ 59 लाख छात्रवृत्ति दी गई।

मप्र हाईकोर्ट के आदेश, थाने के सीसीटीवी कैमरे चालू रखें

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया है। सभी पुलिस थानों के सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू हालत में रहने चाहिए। जब भी कोई व्यक्ति थाने जाता है। यदि उसके साथ खराब व्यवहार होता है। सीसीटीवी कैमरे के कारण वस्तु स्थिति का पता आसानी से लगाया जा सकता है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है, शिकायत होने पर सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने पर यदि कोई थाना उपलब्ध नहीं करा पाता है। ऐसी स्थिति पर थाना प्रभारी की लापरवाही मानते हुए उस पर कार्रवाई करने के आदेश हाईकोर्ट ने दिए हैं।

कक्षा 5 और 8 की वार्षिक परीक्षा के दिशा-निर्देश जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं और डाईस कोड प्राप्त मदरसों में कक्षा 5वीं और 8वीं में अध्ययनरत बच्चों के लिये एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह निर्देश समस्त जिला कलेक्टर को भी जारी कर दिये गये हैं। जारी निर्देश में परीक्षा परिणाम के लिये अधिभार अंक निर्धारित किये गये हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिये अधिभार अंक 20, वार्षिक परीक्षा लिखित अधिभार अंक 60 और वार्षिक परीक्षा प्रोजेक्ट कार्य के लिये अधिभार अंक 20 निर्धारित किये गये है।

प्रदेश के 20 नगरीय निकायों में परिवहन कंपनियों का गठन

भोपाल। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिये 20 नगरीय निकायों में परिवहन कंपनियों का गठन किया गया है। इन नगरीय निकायों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे जेएनएनयूआरएम, एफएएमई-1 और अमृत 1.0 के अंतर्गत 1505 बसों का संचालन किया जा रहा है। 1196 शहरी और 309 अंतर्शहरी बसों का संचालन किया जा रहा है।

भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई राज्य सैनिक बोर्ड की 20वीं बैठक
- प्रत्येक शहीद सैनिक के परिवार को एक करोड़ अनुग्रह राशि का प्रावधान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र रक्षा के लिए शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को शासन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता निश्चित समय में प्रदान की जाएगी। सेना द्वारा गठित बोर्ड से सैनिकों के युद्ध या युद्ध के लिए जाते हुए और अन्य कारणों से हादसों में शहादत पर स्वीकृत प्रकरणों में प्रत्येक शहीद सैनिक के परिवार को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण, उनके परिवार के हितों का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस एक नवम्बर पर सेना द्वारा विशेष शो नो अवर आर्मी आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजधानी भोपाल में वायुसेना द्वारा एयर-शो के लिए भी तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री एवं राज्य सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में राज्य सैनिक बोर्ड की 20वीं बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह एसएन मिश्रा, मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ल सहित सामान्य प्रशासन और वित्त विभाग के अधिकारी, मध्य भारत क्षेत्र के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल जबलपुर पीएस शेखावत, ब्रिगेडियर एस.एन तिवारी

प्रतिनिधि कमांडिंग इन चीफ मध्य कमान लखनऊ, पदेन सचिव राज्य सैनिक बोर्ड ब्रिगेडियर (से.नि.) अरूण नायर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में सैनिकों और सैनिक परिवारों के हित में महत्वपूर्ण स्वीकृतियां प्रदान कीं। इनमें युद्ध या सैनिक कार्यवाही में दिव्यांग होने पर दी जाने वाली राशि 10 लाख से बढ़ाकर दिव्यांगता प्रतिशत के आधार पर एक करोड़ रूपए तक करने, शहीद के माता-पिता को मिलने वाले मासिक अनुदान को दोगुना करने, शहीद और दिव्यांग सैनिकों की बहन और बेटी के विवाह के लिए 10 हजार के स्थान पर 51 हजार की राशि देने, सैनिक परिवार के मध्यप्रदेश निवासी माता-पिता जिनकी पुत्री सशस्त्र सेना में उसे भी प्रतिवर्ष 10 हजार के स्थान पर दोगुनी सम्मान निधि देने के निर्णय शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद सैनिकों के आश्रितों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान करने का आवश्यक शासनादेश जारी करने, युद्ध/सैनिक कार्रवाई में सेना द्वारा घोषित बैटल कैज्युल्टी की मान्यता को आधार मानकर राज्य सहायता देने, गन लाइसेंस में समय-सीमा का अनिवार्यतः पालन सुनिश्चित करने तथा लाइसेंस नवीनीकरण निःशुल्क करने के लिए परीक्षण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने द्वितीय विश्व युद्ध के नान पेंशनर्स पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं की मासिक सहायता राशि आठ हजार से बढ़ाकर 15 हजार करने, शहडोल में जिला सैनिक विश्राम गृह एवं कल्याण कार्यालय निर्माण के संबंध में भी परीक्षण के उपरांत आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

शस्त्र पूजन के साथ मनाया जाएगा दशहरा

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं करेंगे महेश्वर में शस्त्र पूजन
- रीवा, नर्मदापुरम-शहडोल में भी होगी क्षेत्रीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव
- वंदे-मातरम् गान के साथ आरंभ हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस वर्ष दशहरा पर्व, शस्त्र पूजन के साथ मनाया जाएगा। सभी मंत्री अपने प्रभार के जिलों के पुलिस शस्त्रागार में शस्त्र पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं स्त्री शक्ति और सामर्थ्य को नमन के प्रतीक स्वरूप लोकमाता अहिल्या देवी की राजधानी महेश्वर में दशहरे पर शस्त्र पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 5 अक्टूबर की मंत्रि-परिषद की बैठक दमोह जिले के संग्रामपुर में होगी। यह रानी दुर्गावती के प्रति राज्य सरकार के सम्मान का प्रकृटीकरण है बैठक का

आयोजन। उल्लेखनीय है कि संग्रामपुर रानी दुर्गावती की राजधानी रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्री-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में वंदे-मातरम् के गान के साथ मंत्रालय में बैठक आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सोयाबीन उपार्जन के लिए नामांकन की प्रक्रिया आरंभ हो रही है। सभी मंत्री तथा जनप्रतिनिधि अधिक से अधिक कृषकों का नामांकन सुनिश्चित कराएं। समर्थन मूल्य पर गुणवत्ता पूर्ण सोयाबीन का उपार्जन करें।

परंपरागत उद्योगों को किया जाएगा प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 27 सितंबर को सागर में होगी। इसी क्रम में रीवा, नर्मदापुरम और शहडोल में भी दिसंबर 2024 तक क्षेत्रीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कोलकाता में हुए रोड शो और उद्योगपतियों व निवेशकों से चर्चा के सत्र का उत्साहवर्धक प्रतिसाद मिला है। कोलकाता के रोड शो और परिचर्चा सत्र में 700 से अधिक उद्योगपतियों और निवेशकों ने सहभागिता की तथा मध्यप्रदेश में निवेश करने में रुचि दिखाई। कोलकाता के सत्र में हुई चर्चा के परिणामस्वरूप प्रदेश में लगभग 20 हजार करोड़ रूपए का निवेश संभावित है, जिससे लगभग 10 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

ऊर्जा के क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रयास जारी : सीएम ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में पिछले 12 साल में प्रदेश में 14 गुना वृद्धि की है। इस दिशा में अगले दो वर्ष में 14 गुना वृद्धि की संभावना है। इसके लिए प्रदेश में तय कार्ययोजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्रामोन्नयन अभियान के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों के 51 जिलों के 259 विकासखंडों के 500 से कम जनसंख्या वाले गांवों में आयुष्मान, एलपीजी, मोबाइल मेडिकल यूनिट, कौशल विकास, होम-स्टे, ग्रामीण विद्युतीकरण, टेलीकॉम गतिविधि जैसे कार्यों को क्रियान्वित किया जा रहा है। विकास और जनकल्याण के लिए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के हितग्राहियों का ग्रामीणों से प्रत्यक्ष परिचय व संवाद कराया जाए।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मप्र में पेयजल आपूर्ति में ऐतिहासिक उपलब्धियां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, मध्यप्रदेश ने पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में पिछले 9 महीनों में कई अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल जीवन मिशन के सपनों को साकार करने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उइके की सतत् निगरानी में विभाग ने अनेक योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश के लाखों परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश में पिछले 9 महीनों में, प्रदेश में 6 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है, जिससे 'हर घर जल' के लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाए गए हैं। मध्यप्रदेश के जिन गांवों में कार्य पूर्ण हो गया है उन्हें 'हर घर जल' ग्राम घोषित किया गया है, जो ग्रामीण जल आपूर्ति में मील का पत्थर साबित हुआ है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 7,364.98 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। प्रदेश के सभी गांवों में जल गुणवत्ता की जांच के लिए फील्ड टेस्ट किट उपलब्ध कराए गए हैं, और प्रत्येक गांव में 5 ग्रामीणों को जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

रतलाम का सीएम राइज स्कूल विश्व में सर्वश्रेष्ठ

भोपाल में मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लंदन की टी-4 एजुकेशन संस्था द्वारा रतलाम के विनोबा सीएम राइज स्कूल को विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार-2024 के नवाचार श्रेणी में शीर्ष तीन फाइनलिस्ट में शामिल होने संबंधी प्रमाण पत्र सौंपते सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने सौंपा।

नई गढ़ी-1 और 2 माइक्रो इरिगेशन परियोजना का कार्य पूर्ण करें

- डिप्टल सीएम शुक्ल ने विंध्य में सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि आगामी रबी सीजन में सिंचाई व्यवस्था के लिए विंध्य क्षेत्र में जल संसाधन विभाग की सिंचाई परियोजना को पूर्ण करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक और तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाये। परियोजना का कार्य समय से पूर्ण हो, इसके लिए आवश्यक प्रयास किए जायें ताकि किसान भाइयों को असुविधा न हो। शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा की बहुती नहर परियोजना और नई गढ़ी-1 एवं 2 माइक्रो इरिगेशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा हो जाने से किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा। बहुती नहर के निर्माण से 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र और नई गढ़ी-1 एवं 2 के कार्य पूर्ण होने पर 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों के खेतों तक पानी पहुंच सकेगा। शुक्ल ने बहुती नहर परियोजना में हो रहे विलंब पर असंतोष व्यक्त किया और कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहुती कैनाल में एक्वा डक्ट निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्य अभियंता बोधी अनिल सिंह, मुख्य अभियंता रीवा एके देहरिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रीवा की बेटी दीप्ति का अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा की बेटी दीप्ति सिंह के मध्यप्रदेश महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयनित होने पर हार्दिक बधाई दी है। शुक्ल ने कहा कि यह उनके कठिन परिश्रम और दृढ़ निश्चय का परिणाम है, जिसके चलते आज उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि रीवा और पूरे विंध्य क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डिप्टी सीएम ने दीप्ति सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने दीप्ति के परिवारजनों को भी इस गौरवपूर्ण अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कामना की है कि वह भविष्य में और भी ऊंचाइयां प्राप्त करें।

अजय सिंह को जन्म दिवस की बधाई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र के पूर्व प्रतिपक्ष नेता एवं विधायक अजय सिंह के 70वें जन्म दिवस के अवसर पर सी-19 शिवाजी नगर, भोपाल में जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मप्र शासन के पूर्व मंत्री एवं मप्र कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष भगवान सिंह यादव एवं पूर्व विधायक प्रेम नारायण मिश्रा गुलदस्ता भेंट कर दी बधाई।

24 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर

भोपाल। खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राज्य शासन द्वारा 24 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 450 रुपए में रसोई गैस का सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत जुलाई 2023 से मई 2024 तक 2 करोड़ 57 लाख 56 हजार गैस सिलेंडर (रिफिल) के लिए 632 करोड़ 16 लाख रुपए का अनुदान लाड़ली बहनों के खाते में जमा कराया गया है। योजना का क्रियान्वयन सतत् रूप से किया जा रहा है। मंत्री राजपूत ने बताया है कि महिलाओं को परम्परागत ईंधन के साधनों से भोजन पकाने में स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोकने एवं पर्यावरण की सुरक्षा तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शनधारी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पंजीकृत बहनों को उनके द्वारा लिए गए गैस रिफिल को 450 रुपए में उपलब्ध कराने की योजना माह जुलाई, 2023 से लागू की गई है। उमरिया जिले की झिरिया मोहल्ला निवासी सीमा शर्मा ने बताया कि हम जैसे गरीब लोगों के लिये 450 रूपये में सिलेंडर मिलने से हमारे रसोई की आधी समस्या दूर हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह हमारे मुख्यमंत्री एवं लाड़ले भईया डॉ. मोहन यादव की लाड़ली बहनों के प्रति एक महत्वपूर्ण सौगात है।

मप्र की अर्थव्यवस्था को प्रतियोगी बनाने एशियाई विकास बैंक देगा पूरा सहयोग : मियो ओका

- एडीबी पिछले ढाई दशकों में प्रदेश के शानदार प्रदर्शन को देखते नये क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ायेगा आगे
- एडीबी-मध्यप्रदेश के परस्पर सहयोग की 25 वर्षों की साझेदारी की वर्षगांठ पर हुई कार्यशाला

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रभावी और प्रतियोगी बनाने के लिये एशियाई विकास बैंक (एडीबी) पूरा सहयोग करेगा। इंडिया रेसीडेंट मिशन का नेतृत्व कर रही एडीबी की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका ने कहा कि पिछले ढाई दशकों में मध्यप्रदेश के शानदार प्रदर्शन और बढ़ती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए विकास के नये क्षेत्रों में प्रदेश के साथ भागीदारी को और आगे ले जायेंगे। ओका एशियाई विकास बैंक और मध्यप्रदेश विकास के क्षेत्र में परस्पर सहयोग की 25 साल की साझेदारी की वर्षगांठ पर भोपाल में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। उल्लेखनीय है कि एडीबी के वित्तीय सहयोग से विकास परियोजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए मध्यप्रदेश और एशियाई विकास बैंक की 25 सालों की सहभागिता पूरी हुई है। इस अवसर पर पिछले 25 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में एडीबी के निवेश पर केन्द्रित पुस्तिका भी लॉन्च की गई।

भविष्य में जारी रखा जाएगा : एडीबी और मध्यप्रदेश ने विकास के लिये परस्पर सहयोग को रेखांकित करने और भविष्य की रणनीति तय करने एक दिवसीय कार्यशाला में एडीबी और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एडीबी की ओका ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एडीबी के वित्तीय सहयोग का विकास परियोजनाओं को क्रियान्वन में लोकहित के लिये सकारात्मक उपयोग किया।

भविष्य में इस सहयोग को जारी रखा जाएगा। सहयोग के नये क्षेत्र सामने आये हैं। एग्री-बिजनेस, स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, मानव संसाधन को कौशल सम्पन्न बनाने और सामाजिक अधो-संरचना एवं प्रबंधन को मजबूत करने जैसे नये क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता होगी।

140 शहरों के विकास में 800 मिलियन डालर का सहयोग

मध्यप्रदेश और एडीबी की पार्टनरशिप 1919 में शुरू हुई थी। आज ऊर्जा, परिवहन, शहरी विकास, कृषि, आजीविका निर्माण, जल प्रबंधन और सिंचाई प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एडीबी की 6 बिलियन यूएस डालर की मदद है। सड़क निर्माण एवं सुधार में 3 बिलियन यूएस डालर से 23 हजार किमी सड़कों का सुधार हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में 1.72 बिलियन यूएस डालर, 140 शहरों के विकास में 800 मिलियन डालर का सहयोग मिला। इससे जल आपूर्ति, सीवरेज, स्वच्छता, वर्षा जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार में मदद मिली। इसके अलावा 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर में सिंचाई के लिये 375 मिलियन यूएस डालर का सहयोग मिला। युवाओं को तकनीकी कौशल सम्पन्न बनाने में ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल के लिए एडीबी ने 150 मिलियन यूएस डालर का सहयोग दिया है। अब एडीबी ने नवकरणीय ऊर्जा संरक्षण और उपयोग एवं जलवायु परिवर्तन के खतरों में कमी लाने ग्रीन ईकानामी को बढ़ाने में भी सहयोग के लिए कदम बढ़ाया है। कार्यशाला में केन्द्रीय आर्थिक मामलों विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल और प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडीबी के निलय मितास ने किया।

नशा मुक्ति अभियान | उमरिया जिले के पठारीकला गांव के जनजातीय ग्रामीणों ने ली शपथ

न बनाएंगे-न पीएंगे शराब, पकड़े गए तो भरेंगे 10 हजार जुर्माना

सत्ता सुधार ■ भोपाल

आत्मशुचिता (स्वच्छता) सबके लिए बेहद जरूरी है। मानव तन-मन के विकास में ही समाज का विकास निहित है। भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा अभियान की तरह नशा मुक्ति अभियान की सफलता भी प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में साफ-साफ दिखाई देने लगी है। उमरिया जिले की करकेली जनपद पंचायत क्षेत्र के पठारीकला गांव में बीते रविवार को पूरे गांव ने नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिये एक बड़ा कदम उठाया है। गांव के सभी जनजातीय ग्रामीणों ने जुलूस निकालकर शराब न बनाने और इसका सेवन भी कतई न करने की शपथ ली। अभियान की सफलता के लिए ग्रामीणों ने कंधे से कंधा मिलाकर यह सामाजिक संकल्प लिया। सामाजिक संकल्प के साथ गांव के लोगों ने लिखित शपथ-पत्र भी दिया। शपथ-पत्र में साफ-साफ लिखा है कि 'हम आज से

न कभी शराब पियेंगे और न ही बनायेंगे और अगर ऐसा करते पाये गये, तो 10 हजार रुपए का अर्थदण्ड देंगे। इस मौके पर गांव के सरपंच गोविंद सिंह मरावी, जनपद सदस्य संतराम सिंह परस्ते, रामपाल सिंह बडकरे, रूपशाह मरकाम, बारेलाल सिंह बडकरे, लालशाह बैगा, देवीदीन बैगा, सुदामा सिंह, जगत प्रसाद बैगा, शीतल बैगा, बसंत बैगा, रामनारायण सिंह, मंगल सिंह, रघुनाथ सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, नत्थू बैगा, गीता बाई, ममता बाई, शकुंतला बाई, रामवती बाई, फूलबाई सहित अन्य जनजातीय ग्रामीणों ने यह शपथ ली।

नशामुक्त होकर स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण में भागीदार बनें

गांव के प्रबुद्धजनों एवं जागरूक लोगों ने इन ग्रामीणों को बताया कि कोई भी नशा या बुरी आदत समाज एवं परिवार को पतन की ओर ले जाता है। नशा और बुरी आदतें घर की सुख-समृद्धि एवं बच्चों की शिक्षा को पूरी तरह नष्ट कर देता है। हम सभी नशामुक्त होकर स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण में भागीदार बनें। साथ ही बच्चों की शिक्षा पर भी पूरे समर्पण से ध्यान दें, तभी हम अपने गांव, जिले, प्रदेश और देश को नशामुक्त बना पायेंगे। उल्लेखनीय है कि समाज में शराब का सेवन और दूसरे प्रकार के नशे की बढ़ती लत बेहद चिंतनीय है। कई आपराधिक घटनाओं, दुर्घटनाओं के पीछे शराबखोरी और नशे की लत बड़ी वजह के रूप में सामने आती हैं। नशा मुक्ति अभियान को लेकर जब हम सभी जागरूक होंगे, तभी आपराधिक घटनायें एवं दुर्घटनायें रुकेंगी।

ब्रीफ न्यूज

अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत

दतिया। दतिया रेलवे स्टेशन की थर्ड लाइन के यार्ड पर मंगलवार की दोपरह अज्ञात युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की उम्र 35 वर्ष के करीब बताई गई है। जानकारी मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को शिनाख्त के लिए जिला अस्पताल के पीएम हाऊस में रखवाया। जीआरपी चौकी प्रभारी रामकुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को दोपहर ढाई बजे सूचना मिली कि दतिया रेलवे स्टेशन के थर्ड लाइन के यार्ड पर एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक के दाहिने हाथ पर इकबाल सायरा लिखा हुआ है। जीआरपी ने शिनाख्ती के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

माता रतनगढ़ पर आयोजित मेले की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक आज

दतिया। अपर जिला मजिस्ट्रेट जिला दतिया विनोद भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में शारदीय नवरात्रि मेला 03 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक एवं दीपावली दौज मेला 02 एवं 03 नबम्वर 2024 को आयोजित होने वाले मेले की तैयारी की समीक्षा बैठक आज 25 सितम्बर 2024 को होगी। समीक्षा के दौरान ड्राय-रन मॉकड्रिल भी किये जायेगें। उल्लेखनीय है कि यह सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं ड्राय-रन मॉकड्रिल पूर्व में 20 सितम्बर 2024 को होनी थी किन्तु विगत दिवसों में हुई अतिवृष्टि के कारण दतिया जिले में हो रही आपदा को दृष्टिगत रखते हुए समीक्षा बैठक स्थगित की गई थी। अब यह समीक्षा आज प्रातः 11.00 बजे माता रतनगढ़ मंदिर परिसर में आयोजित होगी। जिसमें जिले के सभी कार्यालय प्रमुख अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

माय भारत के अंतर्गत सायबर सिक्युरिटी कार्यशाला का आयोजन 26 सितम्बर को

दतिया। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 26 सितम्बर को दोपहर 12.30 बजे से शासकीय पी.जी. कॉलेज में मेरा युवा भारत (माय भारत) के अंतर्गत युवा वर्ग में जागरूकता लाने के उद्देश्य से साइबर सिक्युरिटी कार्यशाला आयोजित की जायेगी। उक्त कार्यशाला के लिए प्राचार्य शासकीय पी.जी. कॉलेज को निर्देशित किया है कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करवाना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों ली बैठक

दतिया। कलेक्टर संदीप कुमार माकिन ने आज न्यू कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत् जिले में महा राजस्व अभियान के अंतर्गत किये गये कार्यो की राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। बैठक में उन्होंने बताया कि आगामी 5 अक्टूबर 2024 को पुनः प्रत्येक अधिकारी स्तर पर कार्यो की मॉनीटिरिंग की जायेगी। जिससे 7 अक्टूबर 2024 को होने वाली प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की वीडियों कॉन्फ्रेंस में जिले की समीक्षा हो सके।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में लगभग 110 आवेदनों पर की सुनवाई

अधिकारियों को शिकायतों के प्राथमिकता से निराकरण के दिये निर्देश

सत्ता सुधार ■ दतिया

कलेक्टर संदीप कुमार माकिन की अध्यक्षता में मंगलवार को सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई।जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव, एडीएम विनोद भार्गव, सहित एसडीएम दतिया ऋषि कुमार सिंघिई ,सीईओ जनपद, नगरीय निकाय एवं जिले के अधिकारी उपस्थित रहे।साथ ही जनसुनवाई में अधिकांश शिकायतें शिक्षा विभाग से संबंधित प्राप्त हुई जिसके लिए कलेक्टर ने शिक्षा अधिकारी को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम,सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए ।

जनसुनवाई में समस्त अतिथि शिक्षक शासकीय उ.मा. विद्यालय उदगंवा ने आवेदन दिया कि हम उदगंवा विद्यालय में कई वर्ष से अतिथि शिक्षक के पद पर कार्य कर रहे हैं परंतु सत्र 2023-24 कुछ मांह की वेतन अभी तक प्राप्त नहीं हुई है इसकी शिकायत हम लोग जिला शिक्षा अधिकारी को भी कर चुके हैं परंतु अभी तक हमारे वेतन का भुगतान नहीं हुआ हौ इसलिए हम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस प्रकरण को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए।

भाण्डेर तहसील ग्राम स्योरा निवासी मोहन एवं कल्याण वंशकार ने आवेदन दिया कि पूर्व में हुई अतिवृष्टि वर्ष के कारण हमारा मकान गिर गया था मकान में पूरी घर गृहस्ती का सामान दब गया था,जिससे मेरा

पूरा परिवार टूट गया है शासन द्वारा आर्थिक सहायता दिलाने की कृपा करें। कलेक्टर ने एसडीएम भाण्डेर को 7 दिन के अंदर जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

झिर का बाग निवासी गोविन्दी कुशवाहा ने आवेदन दिया कि अतिवृष्टि वर्षा के कारण फलदार फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है साथ ही मेरे खेत पर जो कुआ था वह पूरी तरह ओल गया है जिसके कारण अब हमारे पास सिंचाई का भी कोई साधन नहीं है इसी बागवानी फसल से हमारे परिवार का भरण पोषण होता था अतः शासन से आर्थिक सहायता दिलाने की कृपा करें। कलेक्टर ने एसडीएम दतिया को जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

ग्राम मसेरन निवासी सेवाराम ने आवेदन दिया कि सेवढ़ा में पदस्थ प्रमोद त्रिपाठी होमगार्ड सैनिक ग्राम में आए दिन उत्पाद मचता है और ग्रामीण जनों को परेशान करता है साथ ही ग्रामीणों को खेती किसानी के कामों में भी परेशान करता है। जिससे ग्रामीणों को अत्याधिक परेशान है। कलेक्टर ने जिला कमांडेंट होमगार्ड को शीघ्र ही निराकरण के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत चरवारा में ग्राम मंगलपुर के समस्त ग्राम वासियों ने आवेदन दिया कि ग्राम मंगलपुर जाने-आने वाले रास्ते पर रिपटा पड़ता है जिस पर होकर समस्त ग्रामवासी निकलते हैं लेकिन वर्षा होने के कारण उस रिपटा से पानी चलने लगता है और हम सभी ग्रामवासी आने-जाने में परेशानी होती है बारिश के समय भी प्रसव को लेकर भी बारिश के समय में चारपाई पर लेकर निकालना पड़ता है हम सभी का निवेदन है की लिपटा की जगह पर पुलिया का निर्माण कराया जाए। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को निराकरण के निर्देश दिए। ' प्रार्थी मुन्नी देवी ग्राम रिछार ने आवेदन दिया कि मेरे पति का देहांत हो गया था तो उनके हिस्सा की जमीन मेरे नाम से पटवारी द्वारा खतरा खतौनी में नहीं चढ़ाया जा रहा है और मेरे ससुर जमीन को बेचते जा रहे हैं। कलेक्टर ने एसडीएम दतिया को निराकरण के निर्देश दिए।

संगठित होकर समाज के विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए

दक्ष प्रजापति समाज की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ दतिया

दक्ष प्रजापति समाज की वृहद बैठक करन सागर स्थित समाज के सामुदायिक भवन परिसर में आयोजित की गई। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष चतुर्भुज प्रजापति माते द्वारा की गई। बैठक में संचालक मंडल द्वारा अनेक विषय समाज के सामने रखें। जिस पर समाज बंधुओ ने सर्वसम्मति से विकास कार्यो को पूर्ण करने की सहमति प्रदान करते हुए हर संभव सहयोग प्रदान करने की बात कही। सामुदायिक भवन परिसर में दो गेट व अधूरी पड़ी दीवार को पूर्ण करने व समाज के मंदिर परिसर के सामने रखी

राजा दक्ष प्रजापति महाराज की प्रतिमा की सुरक्षा हेतु प्रतिमा को कांच से चारों तरफ बंद करने व उनके सिर पर छत्र लगाने जैसे कार्य होना है। जिन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए। विकाश कार्यो के लिए धन संग्रह हेतु जनप्रतिनिधियों व समाज से सहयोग लिया जाए। समाज की पुस्तिका प्रकाशन कर प्रत्येक परिवार को एक-एक प्रति वितरित की जाए। पुस्तिका में समाज का इतिहास व समाज का नाम रोशन करने वालो को प्राथमिकता दी जाए। जिससे हमारे युवाओं को अपने सामाजिक इतिहास की जानकारी मिल सके। बैठक का संचालन उपाध्यक्ष हरकिशोर प्रजापति एवं आभार सचिव धर्मेंद्र प्रजापति द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर राधेश्याम बुलकिया, हरकिशुन बाबूजी कवि, भगवान सिंह प्रजापति, मानसिंह प्रजापति जिला पंचायत सदस्य, जितेंद्र प्रजापति पार्षद, कमलेश प्रजापति, नारायण मुखिया, गौरीशंकर प्रजापति मीडिया प्रभारी, रामस्वरूप प्रजापति पूर्व अध्यक्ष, हरि बुलकिया, दयाराम बुलकिया, विक्की माते, राकेश प्रजापति, श्रीराम माते, अनिल पोरिया सहित काफी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

मकान की पुताई करते समय सड़क पर गिरने से हुई थी मजदूर की मौत

भिण्ड। मेहगांव थाना क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र.सात मेहगांव में एक साल पूर्व मकान की पुताई करते समय गिरने हुई मजदूर की मौत के मामले में पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी मकान मालिक के विरुद्ध धारा 304ए भादंवि के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

जांच के उपरांत मकान मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज

मेहगांव थाने में पदस्थ सउनि अशोक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 21 सितंबर 2023 को मजदूर सुभाष कुमार शर्मा वार्ड क्र.सात हनुमान रोड मेहगांव निवासी जयपाल सिंह पुत्र सोबरन सिंह नरवरिया उम्र 42 साल के मकान में ड्रम पर खड़े होकर पुताई कर रहा था, तभी वह ड्रम से नीचे सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसे उपचार हेतु बिरला अस्पताल ग्वालियर में भर्ती कराया गया था, जहां तीन अक्टूबर 2023 को मृतक सुभाष कुमार शर्मा की मृत्यु हो गई थी।

स्वास्थ्य विभाग में विधायक प्रतिनिधि बने अतुल तिवारी

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मप्र विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष एवं अटेर विधायक हेमंत-सत्यदेव कटारे ने अतुल तिवारी ग्राम मिहोनी को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। कटारे ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उनके मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर योगेश कटारे, अरविन्द बघेल, राजा सिंह, राजेश दुबे, बड़े पुरोहित, सोमराज नरवरिया, थानसिंह यादव, चतुर सिंह नरवरिया, मुकेश शर्मा, दीपू दुबे, विजय शर्मा, मनीष पार्षद सहित तमाम लोगों ने बधाई दी है।

श्राद्ध भोज के लिए बनाई गई सब्जी में गिरने से दो वर्षीय बालक झुलसा

गोहद। गोहद जनपद के चंदाहरा गांव में दीपक खटीक के यहां मंगलवार को श्राद्ध (पटा) का कार्यक्रम था। जिसके लिए हलवाई ने सब्जी बनाकर बड़े भगोना में रख दी थी और अपने काम में लग गया। इस दौरान दो बच्चे भगोना के पास खेलते हुए पहुंचे और खेलते वक्त ही आयुष उर्फ प्रियांशु पुत्र दीपक खटीक उम्र दो वर्ष सब्जी के भगोना में गिर गया और बच्चा बुरी तरह झुलस गया। घटना का पता लगते ही काफी लोग एकत्रित हो गए और घायल अवस्था में बच्चे को गोहद अस्पताल में जाया गया। बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्वालियर रैफर कर दिया।

स्वामी विवेकानंद हैं महान जननायक : पुलिस अधीक्षक मिश्रा

घर घर विवेकानंद अभियान के तहत हुई राष्ट्रवादी वैचारिक संगोष्ठी

सत्ता सुधार ■ दतिया

स्वामी विवेकानंद ने अपने ज्ञान के अद्भुत कौशल और विचारों के उत्कृष्ट प्रस्तुति से भारत की सनातन धर्म ध्वजा का संपूर्ण विश्व में परचम फहराकर भारत का गौरव बढ़ाया। बहुत कम उम्र में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद में अपने उत्कृष्ट व्याख्यान से भारत का नाम बुलंदियों पर पहुंचाया। युवाओं को राष्ट्रवादी विचारक विवेकानन्द के विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। स्वामी विवेकानंद महान जननायक हैं। यह विचार पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार मिश्रा ने बतौर मुख्य अतिथि महाविद्या एजुकेशन दतिया के तत्वाधान में शासकीय नर्सिंग कालेज दतिया के परिसर में घर-घर विवेकानंद अभियान के तहत आयोजित, राष्ट्रवादी वैचारिक संगोष्ठी में व्यक्त किए। अध्यक्षता साहित्यकार जगत शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शांति इण्टरनेशनल पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती शैली अग्रवाल, उत्कृष्ट युवा समाजसेवी राहुल पुरोहित, शासकीय नर्सिंग कालेज दतिया की प्राचार्या लता शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन, संचालन महाविद्या एजुकेशन दतिया के डायरेक्टर राशिद अली ने किया। संगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर किया। सरस्वती वंदना अनुश्री शर्मा, सोनिया गुप्ता, तनुष्का श्रीवास्तव ने प्रस्तुति की। अतिथियों का स्वागत राममोहन त्रिपाठी, शाहरुख अली, शार्लेट मेम, अजय शास्त्री, अतहर अली, जितेन्द्र कुशवाहा खोड़न, विमला सिंह, चंद्रमुखी शाक्य, संगीता श्रीवास्तव, क्रिस्टीना एस्टर ने किया। इस अवसर पर शैली अग्रवाल ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर बोलते हुए कहा राष्ट्र के निर्माण में स्वामी विवेकानंद का महत्त्वपूर्ण रोल रहा है। युवाओं के रोल मोडल स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवा अंगीकार करें। राहुल पुरोहित ने कहा विवेकानंद के विचार आज बहुत प्रासंगिक हैं।

शा. महर्षि अरविन्द कॉलेज में हर्षोल्लास से मना रासेयो का स्थापना दिवस

सत्ता सुधार ■ गोहद

शा. महर्षि अरविन्द महाविद्यालय गोहद में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. लता धनेलिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस की जानकारी दी और इससे अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि जन भागीदारी अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह गुर्जर ने स्वच्छता, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जागृत करने के लिए उदबोधन दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत दी गई। अंत में डॉ. दीपिका गायके ने उपस्थित अतिथियों, समस्त स्टाफ एवं सभी छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. राकेश शर्मा, डॉ. विकास छारी, डॉ. प्रदीप यादव, जनभागीदारी सदस्य धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर, डॉ. कदीर खान, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. पूजा लखेरा, डॉ. संजय गुप्ता, रामपाल सिंह भदौरिया, केके थापक, केके गुप्ता, सुश्री नीरज मैडम उपस्थिति रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उपजेल लहार का किया औचक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड राजीव कुमार अयाची ने उपजेल लहार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया। उपजेल निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश राजीव कुमार अयाची ने बंदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, जल, बिस्तर, साफ-सफाई आदि का विधिवत रूप से जायजा लिया तथा विद्यमान कमियों को दूर करने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया। इसके साथ ही विधिक सहायता के संबंध में बंदियों से पूछताछ की गई तथा ऐसे बंदी जिन्होंने विधिक सहायता की मांग की उन्हें निःशुल्क अधिवक्ता प्रदाय किए जाने हेतु तहसील विधिक सेवा समिति लहार को निर्देशित भी किया गया एवं उपजेल लहार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया एवं क्लीनिक से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड हिमांशु कौशल, जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड सौरभ कुमार दुबे, उपजेल अधीक्षक लहार एवं जेल का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।

ट्राईथिलोन में भिण्ड के योगेश शर्मा को मिला गोल्ड मेडल

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

अहिल्याबाई स्टेडियम इंदौर में 21 और 22 जुलाई को संपन्न हुई राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भिण्ड के योगेश शर्मा ने अंडर-14 में खेलते हुए ट्राईथिलोन इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल करके भिण्ड का नाम रोशन किया और अपना चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए कराया है। यह जानकारी सॉरी पोस्ट क्लब संचालक एवं खेल प्रशिक्षक राधेगोपाल यादव ने दी।

उन्होंने बताया प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भिण्ड से बंदना राजावत 16 वर्ष में, निशांक ने 20 वर्ष में भी चौथा स्थान प्राप्त कर अपना चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए कराया है, उनके इस योगदान में खेल प्रशिक्षक बृजबाला यादव का

सराहनीय योगदान रहा है। सभी की सफलता पर भिण्ड विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव, एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुशवाह, राहुल मिश्रा, खेल अधिकारी आनंद द्विवेदी, अवध खेमरिया, एथलेटिक्स प्रशिक्षक बृजबाला यादव, रामबाबू कुशवाहा, विजय यादव सहित सभी खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में मनाया गया एनएसएस का 55 वां स्थापना दिवस

सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करता है एनएसएस: प्राचार्य

सत्ता सुधार ■ दतिया

युवाओं में नेतृत्व कौशल और समाज सेवा के माध्यम से उनका सर्वांगीण विकास प्रदान करती है राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस है। इसके माध्यम से आप कई कौशल विकसित कर सकते हैं जैसे समय प्रबन्धन, आत्मनिर्भरता, प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता यह विचार जवाहर नवोदय विद्यालय बीकर दतिया के प्राचार्य श्रीचंद सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को स्थापना दिवस पर सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। विद्यालय स्टॉफ सदस्य अर्चना सिंह पायक ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना देश के युवाओं में व्यक्तित्व विकास करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है। यह हर साल 24 सितंबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय

सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर, सन् 1969 ई. को की गई थी। इस संगठन की स्थापना की बात आजादी पूर्व से दिवगंत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समय से चल रही थी। जिसे अंतिम रूप 1969 में दिया गया। इस दिन आयोजित गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। जैसे साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई ,नशे के विरूद्ध जागरूकता, आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीडित लोगों की सहायता आदि। वहीं विद्यालय के शिक्षक अरविन्द कुमार सक्सेना ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के साथ-साथ राष्ट्र सेवा के लिए उन्हें जागरूक करना है। एम पी आर्या ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र निर्माण का अद्भुत मंच प्रदान करती है। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारी रवि कांत मिश्रा का शुभकामना संदेश पढकर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सुनाया। स्वच्छता में हमारी भागीदारी विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में विजयी स्वयंसेवकों को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। सलाहकार समिति द्वारा गोद लिए ग्राम बीकर में दो अक्टूबर तक बृहद स्वच्छ्ता जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर दिव्यांशी गुप्ता, जरा खान, दिव्यांका, सुव्यान्का, मानसी, युवराज, राज दांगी, रोहित, निशांत, मुस्कान, वैष्णवी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

माता बहनों को भी सदस्य बनाएं : चौधरी

ग्राम भागोर में आयोजित हुआ सदस्यता अभियान

सत्ता सुधार ■ दतिया

भाजपा सदस्य अभियान के अंतर्गत मंगलवार को दतिया विधानसभा क्षेत्र उदगुवा मंडल के ग्राम भागोर में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम ग्राम में चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला मंत्री अतुल भूरे चौधरी मौजूद रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम के नागरिकों को भाजपा सदस्यता टोल फ्री नंबर पर मिस कॉल दिलाकर सदस्य बनाया। इस मौके पर जिला मंत्री चौधरी ने कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार चाहे वह केंद्र की हो या राज्य की सरकार हो, दोनों की सोच हमेशा देश के और राज्य के विकास

की रहती हौ जब जब भारतीय जनता पार्टी मजबूत हुई है, तब-तब देश और राज्य मजबूत हुआ है। भारतीय जनता पार्टी सर्व समाज की पार्टी है, इसलिए आप सभी कार्यकर्ता बंधु ग्राम के नागरिकों को भाजपा का सदस्य बनाएं। साथ ही ग्राम में निवास रथ माता बहनों को भी भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाए। इस मौके पर ग्राम के सरपंच लला यादव, राजन यादव, रमेश यादव, जीतेद अहिरवार, अशोक आदिवासी, अजय आदिवासी, जीतू तिवारी, प्राणसिंह यादव, नत्थू यादव, नीरज पाल, संजू सेन, शिवराम अहिरवार, राकेश अहिरवार, रूपसिंह अहिरवार, दीपक यादव, ज्ञान प्रसाद अहिरवार, रामजी यादव, सागर प्रोहित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

स्टूडेंट्स बोले- प्रबंधन की मनमानी ने ली आदित्य की जान

एमीटी यूनिवर्सिटी के छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले एक छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। जिसके बाद उसके साहपाठी आक्रोशित हो गए। जिन्होंने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन की मनमानी के कारण ही उनके साथी आदित्य की जान गई है। छात्रों द्वारा हंगामा किए जाने की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जैसे- तैसे स्थिति को काबू किया, फिर शव को पीएम के लिए पहुंचाकर मर्ग कायम किया गया है।

जानकारी के मुताबिक मूलतः रायगढ़ (छत्तीसगढ़) निवासी आदित्य ग्वालियर की एमिटी यूनिवर्सिटी से बी-फार्मा कर रहा था, जो सातवें सेमेस्टर का छात्र था और डीडी नगर में किराए का रूप लेकर रहता था। कुछ दिनों से उसकी तबियत खराब थी, रविवार शाम हालत बिगड़ने पर उसके साथियों ने उसे हॉस्पिटल में एडमिट करवाया था, जहां करीब एक घंटे बाद उसकी मौत हो गई। चूंकि आदित्य काफी होनहार छात्र था, उसकी हुई इस आकस्मिक मौत से उसके साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स भड़क गए। जिन्होंने खासा हंगामा खड़ा कर दिया। आदित्य के साथियों का कहना है कि उसकी कुछ दिनों से तबियत खराब थी, लेकिन उसे मेडिकल लीव नहीं दी गई। समयाभाव के कारण वह अपने मन से दवा लेता रहा, जिससे रविवार को उसकी हालत बिगड़ गई। जब उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, तो कुछ देर में उसकी मौत हो गई। यदि एमिटी विवि प्रबंधन मनमाना रवैया छोड़ आदित्य को छुट्टी की परमीशन दे देता, तो संभवतः आज वह हमारे बीच होता।

भाई के नाम पर धमका रहा प्रबंधन

उधर एमिटी यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा मृत छात्र के परिजनों को उसके भाई के नाम पर धमकाया जा रहा है। बताया गया है कि आदित्य का भाई भी एमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर से बीटेक कर रहा है। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा उसका हवाला देते हुए परिजनों पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल प्रबंधन की मंशा है, कि वह परिजनों को इस तरह से प्रेशराइज्ड कर दें, कि उन्हें लगा कि अगर वह कोई एक्शन लेंगे, तो रायपुर में पढ़ने वाले उनके दूसरे बेटे का कॅरियर बर्बाद हो जाएगा।

डेंगू के लक्षण फिर भी नहीं दिया ध्यान

एमिटी यूनिवर्सिटी से बीफार्मा कर रहे आदित्य के सहपाठियों का कहना है, कि शहर में डेंगू महामारी के रूप में फैल रहा है, प्रशासन द्वारा भी इसे लेकर काफी ऐहतियात बरती जा रही है। आदित्य को विगत सात दिनों से डेंगू के लक्षण थे, उसके प्लेट्सलेट व पल्स लगातार कम हो रही थी। उसके बावजूद एमिटी विवि प्रबंधन ने मनमाना रवैया अपनाते हुए इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

परिजन भी पहुंचे ग्वालियर

आदित्य की मौत की सूचना पाकर उसके परिजन भी रायगढ़ से ग्वालियर आ गए हैं। जो इस पूरी घटना से काफी आहत बताए गए हैं। उधर पुलिस द्वारा मंगलवार को छात्र की बॉडी का पीएम करवाने के साथ ही मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

मामला रफा- दफा करवाने का प्रयास

छात्रों के आक्रोश व खुद पर लग रहे गंभीर आरोपों को देख एमिटी यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने मामले को रफा- दफा करवाने के प्रयास में जुट गया है। वहीं भीतर से आ रही खबरों के मुताबिक एमिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को फैकल्टी द्वारा यह हिदायत दी जा रही है, कि वह इस मामले में किसी को कुछ ना बताएं।

इनका कहना है

एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले एक स्टूडेंट की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने की सूचना मिली थी। हम मर्ग कायम कर शव का पीएम करवा रहे हैं। पीएम रिपोर्ट व विवेचना में जो भी तथ्य आएंगे, उनके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

धर्मेंद्र सिंह यादव
टीआई, महाराजपुरा

भाजपा के विकास कार्यों से सभी प्रभावित, स्वेच्छा से ले रहे सदस्यता

ग्रामीण जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर ने बनाए पांच सैकड़ा से अधिक नए सदस्य

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भाजपा के विकास कार्यों से हर वर्ग प्रभावित है। यही कारण है कि आज हर व्यक्ति स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता ले रहा है। यह बात भाजपा के ग्रामीण जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक- 66 में लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाते हुए कही। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर महासदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा के ग्रामीण जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर द्वारा ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक- 66 के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर बुजुर्गों, नौजवानों एवं महिलाओं से संपर्क करते हुए उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलवाई जा रही है। गिर्राज सिंह गुर्जर ने बताया कि भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में खासा उत्साह है, जो हमें अच्छा सदस्यता लक्ष्य खड़ा करने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि अभी तक मेरे नेतृत्व में 524 से अधिक सदस्यता पूर्ण हो चुकी हैं।

सोनिया जी कनागत में राहुल जी की त्रयम्बकेश्वर जाकर कालसर्प दोष की पूजा करा लें: पवैया

राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने के बयान को लेकर भाजपा अजा मोर्चा ने दिया धरना

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण विरोधी और आरक्षण समाप्त कर देने की वक्तव्य के विरोध में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से मंगलवार को फूललाग स्थित अंबेडकार पार्क के बाहर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं महाराष्ट्र भाजपा के सहप्रभारी जयभान सिंह पवैया ने कहा कि मैं कांग्रेस की राजमाता सोनिया गांधी से कहूंगा कि हमारे सामान्य दिनों में जब बच्चा बड़ा होता है तो पंडित जी के पास पिताजी लेकर पहुंचते हैं और कहते हैं कि बच्चा पढ़ नहीं रहा है तब पंडित जी पंचाग निकालकर कहते हैं कि इसे कनागत में त्रयम्बकेश्वर लेकर चले जाओ और इसकी कालसर्प दोष पूजा करा लो नहीं तो यह बच्चा 20 साल फेल होगा, तो

मैं सोनिया गांधी जी को सलाह दूंगा कि जो आपका लाड़ला है इसकी कनागत में त्रयम्बकेश्वर जाकर कालसर्प दोष की पूजा करा लें। उन्होंने कहा कि भाजपा का अनुसूचित जाति मोर्चा बहुत महत्वपूर्ण है, महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भाजपा ने वंचित भाइयों को शिखर पर पहुंचाने का काम किया है। इसलिए अब हमारा काम है कि हम जनता को बताएं कि राहुल गांधी हिंदु समाज को तोड़ने का षड्यंत्र कर रहे हैं, उनका काम है कि देश विरोधियों के गुरखों को अपने पास रखों और हिंदुओं के टुकडे-टुकडे करो, जातियों में बांट दो, जिससे एक दूसरे से घृणा हो जाए। धरने को जिले के प्रभारी अरूण चतुर्वेदी, मोर्चो के महामंत्री मनीष राजौरिया, उपेंद्र बैस, अर्जुन जाटव, श्रीमती वर्षा सुमन, राजू सेंगर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद शर्मा, विनय जैन, कनवर किशोर मंगलानी, सुघर सिंह पवैया, जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी, मोर्चा अध्यक्ष संतोष गोडयाले, गब्बर जाटव, दिनेश पर्चे, सुरेश सोलंकी, राजा खटीक, पोहप सिंह जाटव, दिनेश लोधी, अमन कोदड़, रंजीत नरवर, अर्जुन जाटव, संजय राज, रोहित चावड़िया, नरेंद्र यादव, अंशुमन, बालकिशन जाटव, नरेंद्र खत्री, सुनील नागले, सोनू वर्मा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सराफा कारोबारी से लूट कर भागा बदमाश शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ा, दोनों साथी भी दबोचे

वारदात में उपयोग की गई बाइक व पिस्टल बरामद

ग्वालियर। सराफा कारोबारी गोली मारकर उससे लाखों का सोना व नगदी लूटकर भागे बदमाश को क्राइम ब्रांच व महाराजपुरा थाने की संयुक्त टीमों ने शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ लिया है, जिसके दोनों साथी भी गिरफ्तार हो गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से वारदात में उपयोग की गई बाइक व पिस्टल बरामद कर उनसे पूछताछ की जा रही है।

महाराजपुरा थाना इलाके में बीती रात सराफा कारोबारी को लूटकर भागे मुरैना के बदमाश अरुण चौहान को क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार सुबह शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ लिया। महाराजपुरा थाने की बेहटा चौकी इलाके में ग्राम खेरिया मिर्धा के प्रायमरी स्कूल में आमने- सामने से हुई मुठभेड़ में अरुण के पैर में गोली लगी है, जिसे घायल अवस्था में हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। अरुण के साथ ही लूट में शामिल रहे उसके साथी सुनील तोमर व राधस्वामी उर्फ छोटू जाटव भी पकडें गए हैं। वहीं मौके से वारदात में प्रयुक्त बाइक एवं पिस्टल सहित लूटा गया करीब डेढ़ सौ ग्राम सोना भी बरामद हो गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से लूटे गए शेष माल के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

10-10 हजार का इनाम किया था घोषित

लूट की जानकारी मिलते ही आईजी अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी अमित सांघी एवं इंचार्ज एसपी राकेश कुमार सगर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। जिन्होंने वहां जांच में जुटे पुलिस अफसरों से पूरी जानकारी लेते हुए उन्हें आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 -10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था।

सभी हार्डकोर क्रिमिनल्स

शॉटज़ एनकाउंटर में पकड़े गए तीनों बदमाश हार्डकोर क्रिमिनल्स हैं। इनमें से अरुण चौहान पर करीब एक दर्जन लूट व अन्य खतरनाक मामले दर्ज हैं। वहीं प्रमोद तोमर पर हत्या व हत्या के प्रयास सहित कुल तीन केस पूर्व से पंजीबद्ध हैं। जबकि राधास्वामी उर्फ छोटू जाटव पर नरसिंहगढ़ में हत्या सहित कुल पांच आपराधिक केस दर्ज हैं।

यह है पूरा मामला

महाराजपुरा थाना क्षेत्रांतर्गत डीडी नगर में ज्वेलरी शॉप संचालित करने वाला चाहत सोनी बीती रात नौ बजे के लगभग जब दुकान बंद कर वापस अपने घर लौट रहा था, तभी बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाश पिस्टल से उसके पैर में गोली मारकर ज्वेलरी व कैश वाला बैग लूटकर भाग निकले थे। इस बैग में करीब 200 ग्राम सोने के गहने व एक लाख रुपए नगद रखा होना बताया गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट की एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी।

आईजी देंगे टीम को 30 हजार का कैश रिवार्ड

बदमाशों की धरपकड़ के लिए एएसपी सियाज केएम, आयुष गुप्ता व सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में दो टीमें बनाई गई थीं, जिनमें एक टीम को महाराजपुरा टीआई धर्मेंद्र सिंह यादव एवं एसआई देशराज सिंह तथा दूसरी टीम क्राइम ब्रांच टीआई अजय सिंह पंवार व एसआई शिशिर तिवारी लीड कर रहे थे। इसके अलावा इन टीमों में एसआई बृजमोहन शर्मा, श्यामसुंदर सिंह, मुकेश शर्मा, प्रधान आरक्षक मुकेश चौहान, राजीव शुक्ला, आरक्षक देवव्रत तोमर, सुमित शर्मा, श्रीकृष्ण तोमर, राजकुमार, भीकम सिंह, गोविंद सिंह, अनिल गुर्जर, ध्रुव गुर्जर, गिर्राज शर्मा, राहुल राठौर, कुंजबिहारी शर्मा व नितिन गुर्जर शामिल थे। आईजी व डीआईजी द्वारा कारज्वाई करने वाली टीमों को बधाई दी गई है। वहीं आईजी ने पूरी टीम को 30 हजार रुपए कैश रिवार्ड देने की घोषणा की है।

इनका कहना है

सराफा कारोबारी से लूट कर भागे एक बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़ लिया है, उसके पैर में गोली लगी है, उसके दोनों साथी भी गिरफ्तार हो गए हैं। आरोपियों से लूटा गया करीब 150 ग्राम गोल्ड एवं वारदात में उपयोग की गई बाइक व पिस्टल भी बरामद कर ली गई है।

अरविंद कुमार सक्सेना
आईजी, ग्वालियर जोन

ग्वालियर को सुंदर और स्वच्छ बनाना मेरी प्राथमिकता है: अमन वैष्णव

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर एक ऐतिहासिक शहर है, यहां के पर्यटन स्थल जो देश और दुनिया में ख्याति प्राप्त है उनका अपना एक इतिहास है, मेरी प्राथमिकता है। उन पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखूं और उनको भव्यता दूं, जिससे ज्यादा से ज्यादा

पर्यटक ग्वालियर आयें। ये बात रेडियो चस्का के सबसे पॉपुलर टॉक शो चस्का मेहमान में नगर निगम कमिश्नर ने ऑन एयर कही। नगर निगम कमिश्नर अमन वैष्णव ने एक प्रश्न के जवाब में बताया कि हम चाहते हैं कि ग्वालियर स्वच्छ, सुन्दर और भव्य शहर के रूप मे विकसित हो, जो पर्यटक आगरा और झांसी आते हैं वो ग्वालियर की तरफ भी रुकें। हम स्मार्ट सिटी के साथ मिलकर कई कार्य योजनाएं बना रहे हैं जिससे आने वाले समय में ग्वालियर में बदलाव देखने को मिलेगा। आयुक्त वैष्णव ने रेडियो चस्का के माध्यम से अपील की, कि ग्वालियर में स्वच्छता को लेकर एक ऐसा जन आंदोलन खड़ा किया जाये जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी हो और ग्वालियर स्वच्छता में नंबर वन बने। रेडियो चस्का द्वारा स्वछता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत यह कार्यक्रम रखा जिसमें अमन वैष्णव ने वहां पर सफाई कर्मी कुलदीप, अनिकेत, जीतेन्द्र एवं कीर्ति का सम्मान किया। इस अवसर पर रेडियो चस्का के डायरेक्टर अशोक गोयल, यश गोयल, तरुण गोयल, कार्तिकेय गोयल उपस्थित रहे। शो आरजे दीया द्वारा किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर हर बूथ पर बनाए जाएंगे 100 सदस्य: विजय दुबे

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा की मंडल स्तरीय बैठकें संपन्न

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी की महा सदस्यता अभियान को लेकर मंगलवार को सभी मंडलों में मंडल स्तरीय बैठकें आयोजित की गई। इसमें दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मंडल के हर पोलिंग बूथ पर 100 सदस्य बनाए जाने की रूपरेखा तैयार की गई। इसके लिए हर बूथ पर एक वरिष्ठ और एक स्थानीय कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान संभाग के प्रभारी श्री विजय दुबे ने बताया कि

बैठकों में 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल की जयंती पर अधिकतम सदस्यता दिवस पर रिकॉर्ड संख्या में लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि 25 सितंबर को अपने-अपने क्षेत्र में अधिकतम सदस्यता का रिकॉर्ड बनाएंगे। इसका सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। हर बूथ पर 25 सितंबर को कम से कम 100 सदस्य बनाए जाएंगे। इस अवसर पर जिले के सहप्रभारी श्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि बैठकों में 25 सितंबर बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रत्येक पोलिंग बूथ पर नए सदस्य बनाए जाने पर विचार विमर्श किया गया और हर पोलिंग बूथ पर एक वरिष्ठ कार्य कार्यकर्ता और एक स्थानीय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार की गई है जो नए सदस्य बनाएगी। स्वामी विवेकानंद मंडल की बैठक में ग्वालियर चंबल संभाग के प्रभारी विजय दुबे, जिला सदस्यता प्रभारी एवं जिला महामंत्री विनय जैन, विनोद शर्मा, मंडल अध्यक्ष चेतन मंडलोई, लेखा समिति के अध्यक्ष अनिल सांखला, सदस्यता सह प्रभारी आकाश सिंह भदौरिया, पाताल खटीक, रुक्मणि जोशी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वाणी भारती स्कूल व सिंगवरी ग्राम में लगाया हेल्थ कैंप

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मालनपुर ग्राम के वाणी भारती स्कूल तथा सिंगवरी ग्राम के गवर्मेंट मिडिल स्कूल में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इन कैंप को कंपनी के महाप्रबंधक एन.एम.क्यू समसी के मार्गदर्शन

में किया गया। इसकी योजना जगत सिंह निरंजन के द्वारा बनाई गई। कंपनी के डॉ. राजेश शाक्य ने डॉक्टर की टीम को आमंत्रित किया। दरअसल हेल्थ कैंप के माध्यम से अनेक प्रकार की सुविधा ग्रामीण वासियों को उपलब्ध करवाई जिसमें डॉ. सपना भदौरिया ने महिलाओं का स्वास्थ्य चेकअप किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित ने संस्थाओं की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए फैमिली प्लानिंग के हेल्थ चेकअप के बारे में बताया। हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर नरेंद्र सिंह उपस्थित थे जिन्होंने सभी रोगियों का हृदय चेकअप किया एवं हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ के रूप में अमन मेवाड़ ने शिविर में आने वाले लोगों लोगों के घुटनों का चेकअप किया और कमर दर्द जैसी समस्याओं के बारे में उन्हें जानकारियां दी। जमुना ऑटो इंडस्ट्रीज के प्रेम नारायण शर्मा, महेंद्र सिंह, मुंशी तोमर, राम रतन, पार्षद शब्बीर खान और संजू शर्मा ने विशेष योगदान दिया। 2 दिन के इस हेल्थ चेकअप में करीब 284 लोगों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार पंकज अग्रवाल ने व्यक्त किया। पैरामेडिकल की छात्रा प्रियांशी शिवानी सिंह, शिवानी, किशोर बरखा आदि ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

सत्ता न्यूज | गुपचुप ढंग से बोगस खाते खुलवाकर ठगी कर रहे सायबर क्रिमिनल्स

आईडी प्रूफदें तो नीचे उद्देश्य अवश्य लिखें वरना हो सकते हैं स्कैम के शिकार

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

यदि कहीं भी आवश्यकता होने पर आप अपना आईडी प्रूफदे रहे हैं, तो उसके नीचे इसे देने का उद्देश्य व दिनांक अवश्य डालिए, अन्यथा आप स्कैम का शिकार हो सकते हैं। क्योंकि सायबर क्रिमिनल्स गुपचुप ढंग से इन दस्तावेजों के जरिए बोगस खाता खुलवाकर ठगी कर सकते हैं, जिससे बाद में आप मुश्किल में फंस जाएंगे।

आजकल हर जगह किसी भी काम के लिए आईडी प्रूफ की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन इसका उपयोग बेहद ही सोच-समझकर करना चाहिए। क्योंकि कहीं ऐसा ना हो, कि इस आईडी प्रूफ के मार्फत बैंक में आपके नाम का खाता खुलवाकर अथवा मोबाइल की सिम निकलवाकर गैरकानूनी काम कर दिए जाएं, जिसके बारे में आपको पता भी ना हो और आप बेवजह फंस जाएं। यहां बता दें कि बीते रोज शहर में ही एक ऐसा गिरोह पकड़ा गया है, जो लोगों के डॉक्यूमेंट की जुगाड़ कर बैंक खाते खुलवाता था, फिर इन खातों में सायबर ठगी की रकम डलवाई जाती थी। जबकि मूल खाताधारक को इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं होती थी। दैनिक सत्तासुधार के संवाददाता ने जब ऐसे स्कैम से बचने के लिए सायबर एक्सपर्ट कुलभूषण सिंह से चर्चा की, तो उन्होंने बताया कि आजकल सायबर क्रिमिनल्स बेहद एक्टिव हैं,

अतः कहीं भी अपना आईडी प्रूफ लगाते वक्त उस पर उसे देने का मकसद व दिनांक अवश्य अंकित करें, जिससे उसका अन्यत्र दुरूपयोग ना किया जा सके।

बैंक व कंपनी के कारिंदों की मिलीभगत

सायबर क्रिमिनल्स द्वारा अपने गोरखधंधे में बैंक एम्पलॉई व मोबाइल कंपनी के कारिंदों को लालच देकर मिला लिया जाता है। बीते रोज भी क्राइम ब्रांच ने जिस गिरोह को पकड़ा है, उसमें बैंक का असिस्टेंट मैनेजर भी शामिल है, जो 10 हजार रुपए लेकर बिना किसी वैरिफिकेशन के खाता खोल देता था।

खाता धारक को नहीं पता होती हकीकत

सायबर क्रिमिनल्स द्वारा किसी भी व्यक्ति का आईडी प्रूफ हासिल कर उसके नाम पर बैंक खाता खुलवा लिया जाता है, जिसमें ऑनलाइन ठगी की रकम आती रहती है। जब इसकी जांच होती है, तो मूल खाता धारक से पूछताछ की जाती है, जबकि उसे हकीकत पता ही नहीं होती है।

मोबाइल में ऑटो डाउनलोड को रखें ऑफ

सायबर एक्सपर्ट कुलभूषण सिंह बताते हैं कि हाल ही में कुछ ऐसे केस सामने आए हैं, जिनमें ऑटो डाउनलोड ऑन होने के कारण एपीके डाउनलोड हो जाने से मोबाइल धारक स्कैम में फंस गए। अतः अपने मोबाइल में ऑटो डाउनलोड को हमेशा ऑफ करके रखें, क्योंकि आटो डाउनलोड ऑन रहने से मोबाइल के वाईफाई से कनेक्ट होते ही एपीके सहित अन्य डाउनलोडिंग शुरू हो जाती है।

केन्द्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर पीसी गुप्ता के आदेश पर नालसा द्वारा जारी दिशा निर्देशों के परिपालन में जिला न्यायाधीश तरुण सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष दवंडे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार मुजाल्दा ने सोमवार को केन्द्रीय जेल ग्वालियर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल मैनुअल 2016 के अनुसार जेल में बंदियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर जेल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों बैरकों निरीक्षण कर, बैरकों में साफ-सफाई, बंदियों

के बिस्तर और शौचालय की साफ-सफाई की जांच की। इसके साथ ही पाकशाला का निरीक्षण किया गया। उन्होंने पाकशाला की साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता व प्रतिदिन दिए जाने वाले आहार की मात्रा संबंधी सारणी की जांच की। निरीक्षण के दौरान बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना गया और बंदियों को विधि सम्मत सलाह भी प्रदान की गई। केन्द्रीय जेल के सामुदायिक पुरूष शौचालय में उचित साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया। जिससे बंदियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। निरीक्षण के समय न्यायाधीशों ने भंडार गृह, चिकित्सालय, मुलाकात कक्ष आदि की व्यवस्थाओं और स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा, वरिष्ठ जेल उपाधीक्षक अनिरुद्ध सिंह नरवरिया, सहायक जेल अधीक्षक विपिन दंडोतिया, प्रवीण त्रिपाठी, नीरज यादव, स्टेनो संजीव वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से देव कृष्ण सिकरवार आदि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

सीरिया में नई सरकार का गठन, राष्ट्रपति असद ने दी मंजूरी

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने हाल ही में एक आदेश में नई सरकार के गठन की घोषणा की। आदेश के तहत पूर्व उप विदेश मंत्री बासम अल-सब्बाग को फैसल मेकदाद के स्थान पर विदेश मंत्री बनाया गया। मेकडैड को उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। जिसे राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत विदेश और मीडिया नीति को लागू करने का काम सौंपा गया। सीरिया के सबसे बड़े प्रिंट मीडिया प्रकाशकों में से एक, अल-वहदा प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग ऑर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक ज़ियाद घोसौं को नया सूचना मंत्री नामित किया गया। नई सरकार का गठन शनिवार को अल-असद द्वारा जारी एक आदेश के बाद हुआ है। इसमें उन्होंने पूर्व संचार मंत्री मोहम्मद गाजी जलाली को नए प्रधान मंत्री के रूप में नामित किया। उन्हें जुलाई के संसदीय चुनावों के बाद सरकार बनाने का काम सौंपा था। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार 55 वर्षीय जलाली अक्टूबर 2014 से यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगा रखा है।

सुनीता विलियम्स दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था।

कैलिफ़ोर्निया में सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचाने कानून

सैकरामेंटो। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने एक नया कानून पास किया है. जो नाबालिगों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए बनाया गया है। यह कानून 2027 से लागू होगा. इस कानून मे तकनीकी कंपनियों को निर्देश दिया गया है, कि वह नाबालिगों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट को क्रमवार तरीके से दिखाएं. एल्गोरिद्म द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर सामग्री को दिखाया जाए, जो उनके जुड़ाव को बढ़ाने के लिए हो। कानून में प्रावधान है 18 साल से कम उम्र के बच्चों को स्कूल और सोशल मीडिया की कंपनियां, सोने के निर्धारित समय नोटिफिकेशन नहीं भेज सकेंगी।

सऊदी अरब के राष्ट्रीय दिवस पर राजधानी रियाद में जमकर आतिशबाजी हुई।

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

एजेंसी ■ टोक्यो

जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इजू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है।

जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशु और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं।

जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था, लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

युद्ध और खतरनाक होगा! लेबनान में 16 सौ ठिकानों पर हमला

मृतकों की संख्या 5 सौ के पार

एजेंसी ■ बेरुत

गाजा के बाद अब लेबनान पर इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन हमलों में अब तक 90 महिलाओं और बच्चों समेत अब तक 500 लोगों की मौत हो गई है। जबकि घायलों की संख्या हजारों में हैं। इजरायली हमले में इतनी तबाही मच गई कि लोग जान बचाकर भागते नजर आए। इजरायली सेना ने हमले के बाद बयान में कहा कि उसने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया। आईडीएफ ने तस्वीरों के साथ बयान जारी किया कि लेबनान में हिजबुल्लाह ने आम लोगों के घरों को अपना शस्त्रागार बनाकर रखा था। सेना पहले ही आम लोगों को चेतावनी दे चुकी थी कि वे हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर चले जाएं। इजरायली सेना ने लेबनान को दूसरा गाजा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को इजरायली सेना ने इतने भीषण हवाई हमले किए कि पूरा लेबनान थर्रा गया। हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। उधर, हिजबुल्लाह के खिलाफ महायुद्ध का बिगुल फूंक चुके इजरायल ने अपने यहां भी एक हफ्ते की इमरजेंसी जारी कर दी है। इजरायल पर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के भी काउंटर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। हमलों के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनानी लोगों से संपर्क किया और उनसे हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल न बनने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा कि उनका निशाना हिजबुल्लाह हैं क्योंकि उसने हमारी उत्तरी सीमा में लगातार हमलों से इजरायली लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तरी सीमा पर रह रहे लोग लगातार पलायन कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें फिर से उनका घर देना है। इसके लिए हिजबुल्लाह को मिटाना जरूरी है।

इजरायल में 30 तक इमरजेंसी

हिजबुल्लाह के तेज होते संघर्ष को देखते हुए इजरायल सरकार ने भी देशभर में हफ्तेभर की इमरजेंसी घोषित कर दी है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के प्रस्ताव के बाद यह घोषणा की गई। इस निर्णय को होम फ्रंट कमांड को बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर जारी किया गया है। इमरजेंसी आगामी 30 सितंबर तक जारी की गई है। घोषणा में कहा गया है, संघर्ष में हाल के घटनाक्रमों और पूरे देश में नागरिकों पर हमलों की उच्च संभावना के कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं इजरायल ने चेतावनी दी है कि समूह के खिलाफ हमले बढ़ेंगे और लेबनानी नागरिकों को उन क्षेत्रों से भागने की चेतावनी दी गई है जहां ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के हथियार छिपाने की आशंका है। इस बीच ईरान का आरोप है कि इजरायल तेहरान को भड़काने के लिए हमले कर रहा है।

पीएम मोदी का तीन दिवसीय दौरा खत्म, अमेरिका से भारत के लिए हुए रवाना

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीन दिवसीय अमेरिका दौरा खत्म हो गया है। इन तीन दिनों में पीएम मोदी के अमेरिका में कई कार्यक्रम थे। क्वाड शिखर सम्मेलन, द्विपक्षीय वार्ता और अप्रवासी भारतीयों को संबोधित करने जैसे महत्वपूर्ण और प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होकर वे भारत के लिए रवाना हो गए हैं।

तीन दिवसीय यूएस यात्रा के अंतिम चरण में सोमवार को पीएम मोदी ने न्यूयॉर्क में यूएन समिट ऑफ द फ्यूचर के मौके पर अपने अर्मेनियाई समकक्ष निकोल पशिन्यान और वेटिकन सिटी के कार्डिनल सचिव पिएत्रो पारोलिन के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर के मौके पर आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान से मिलना अद्भुत रहा। एक दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, न्यूयॉर्क में होली सी के राज्य सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की के साथ अपनी बैठक के दौरान यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण को दोहराया, जो कूटनीति, संवाद और सभी हितधारकों के बीच सहभागिता पर आधारित है। बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात हुई। हम पिछले महीने यूक्रेन की अपनी यात्रा के परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके।

मालदीव अब नहीं करेगा भारत के साथ हुए समझौते की जांच

एजेंसी ■ माले

मालदीव की सरकार अब भारत के साथ हुए समझौतों की जांच नहीं कराएगी। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संसद को भारत के साथ हुए समझौतों की जांच करने से रोकने का आदेश दिया है। मुइज्जू ने यह कदम भारत-मालदीव संबंधों में सुधार के बीच उठाया गया है। चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जू ने पिछली सरकार के समय किए गए समझौतों की समीक्षा करने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने संसद को इस जांच से रोक दिया है। हाल ही में, भारत ने मालदीव को दिए गए कर्ज की चुकाने की समयसीमा बढ़ा दी है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बढ़ाई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुइज्जू की पार्टी के सांसद अहमद अजान ने 9 जून को संसद की सुरक्षा समिति (241 समिति) के समक्ष भारत के साथ हुए समझौतों की जांच के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। इस पर मुइज्जू की सरकार ने 10 जून को एक उप-समिति का गठन किया, जिसका काम भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते और उथुरु थिला फाल्हू समझौते की जांच करना था। सांसद अजान ने बताया कि मालदीव के लोगों ने मुइज्जू को वोट दिया था ताकि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को संविधान द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, संसद ने इस मुद्दे पर चर्चा करने में असमर्थता जताई है। सूत्रों के अनुसार, यह मामला तीन महीने से समिति स्तर पर लंबित है, और कुछ सांसदों का आरोप है कि मुइज्जू के आदेश पर इस मुद्दे को लटकाया गया है। एक सांसद ने बताया कि राष्ट्रपति नाराज हुए थे जब बिना चर्चा के यह मुद्दा उठाया गया। मुइज्जू ने अभी तक भारत से संबंधित किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। भारतीय हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान वापस नहीं किए गए हैं, और भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए चर्चा जारी है, लेकिन उनकी जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स कंपनी के सदस्यों को रखा गया है।

अमेरिका ने चीन से कहा दो टूक- सीमा विवाद में हमेशा भारत के साथ

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने भारत को अपना अहम साझेदार और मित्र बताते हुए चीन को साफ संदेश दे दिया है। कहा है कि सीमा विवाद पर अमेरिका हमेशा भारत के साथ है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि दोनों ही देश सीमाओं और संप्रभुता व कानून के शासन के सिद्धांत को मानते हैं। गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका का यह सुनिश्चित करने का लंबा इतिहास रहा है कि दुनिया में कहीं भी आक्रामकता को बढ़ावा नहीं दिया जाए। अमेरिका हमेशा चीन के साथ भारत की कूटनीतिक बातचीत का समर्थन करता है।गार्सेटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को घनिष्ठ मित्र बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और जो बाइडन के बीच घनिष्ठ मित्रता है। मोदी भारतीय इतिहास में अब तक के सबसे अधिक अमेरिका समर्थक प्रधानमंत्री हैं तो वहीं जो बाइडन अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे अधिक भारत समर्थक राष्ट्रपति हैं।

मैक्सिको में तूफान...

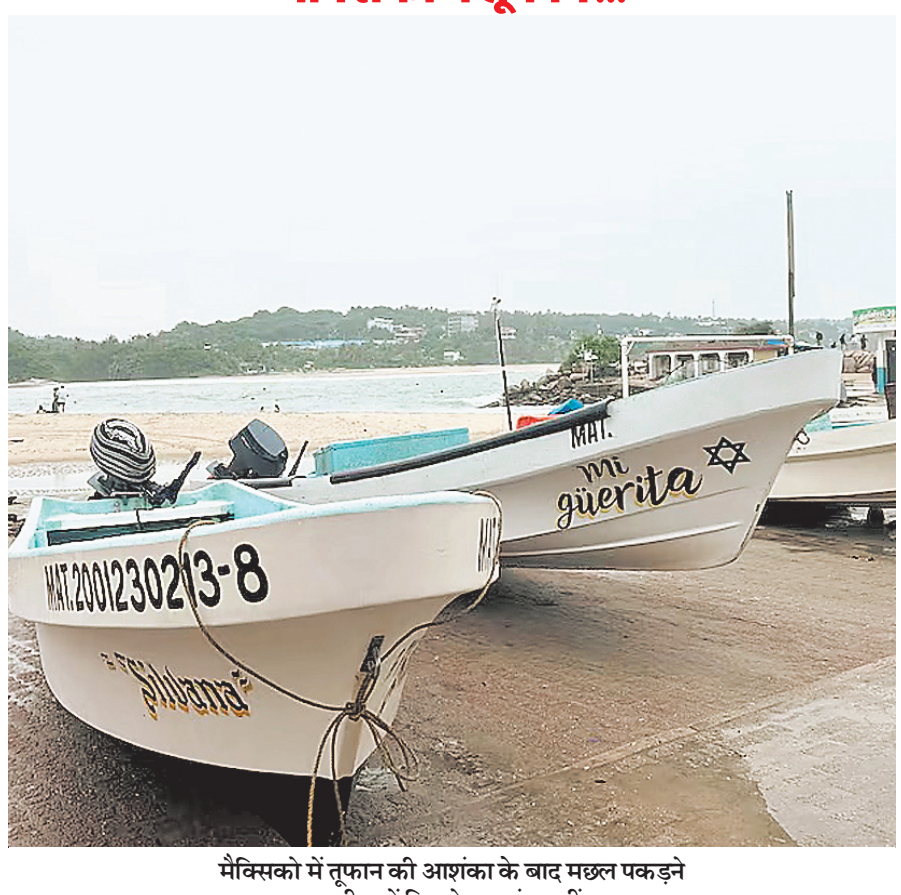

मैक्सिको में तूफान की आशंका के बाद मछल पकड़ने वाली नावें किनारे पर पहुंच गयीं।

नरेंद्र मोदी ने महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है

एआई को लेकर फोकस कर रहे पीएम मोदी... जानकर अच्छा लगा : पिचाई

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क

अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेक नेताओं को जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी के साथ सीईओ की गोलमेज बैठक में पिचाई ने कहा कि वह 'डिजिटल इंडिया' विजन के साथ देश को बदलने पर प्रधानमंत्री के फोकस से काफी प्रभावित हुए हैं। पिचाई ने कहा, पीएम मोदी ने हमें भारत में निर्माण और डिजाइन जारी रखने को प्रेरित किया है। हमें अब भारत में अपने पिक्सेल फोन का निर्माण करने पर गर्व है। पीएम मोदी सचमुच में इस बारे में सोच रहे है कि एआई से भारतीय लोगों को फायदा हो। पिचाई के अनुसार, पीएम मोदी ने उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटर, बिजली और ऊर्जा आदि में एप्लीकेशन बनाने के बारे में सोचने के लिए चुनौती दी है, ताकि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके।

गूगल के सीईओ पिंचई ने कहा, हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं और हम और भी ज्यादा निवेश करने के लिए तत्पर हैं। गगूल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कई कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। प्रौद्योगिकी दिग्गज भारत में और अधिक निवेश करने का इरादा रखता है। पिचाई ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हम सभी को भारत के लिए और अधिक करने को कहा है। अब, वे हमसे एआई के साथ भी ऐसा ही करने के लिए कह रहे हैं। वे एआई की क्षमता को समझकर जानते हैं कि यह तकनीक लोगों के जीवन में कैसे सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसके लिए उनके पास स्पष्ट दृष्टिकोण है। चिप डिजाइन और विनिर्माण, आईटी और जैव विज्ञान क्षेत्रों के 15 सीईओ के साथ बैठक के बाद, पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि उन्हें भारत के प्रति अपार आशावाद देखकर खुशी हुई। इस बीच, पिचाई ने 120 मिलियन डॉलर के 'ग्लोबल एआई ऑपर्च्युनिटी फंड' की घोषणा की। इसका मकसद है कि एआई एजुकेशन और ट्रेनिंग, दुनिया भर के समुदायों में उपलब्ध कराया जाए।

अमेरिका के मुस्लिम बाहुल्य शहर के मेयर आमेर गालिब ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

एजेंसी ■ वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य शहर हैमट्रैमक के मेयर आमेर ग़ालिब ने राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का ऐलान किया है। मिशिगन राज्य के हैमट्रैमक शहर का नेतृत्व करने वाले ग़ालिब ने हाल ही में कहा कि, हालांकि उनकी कुछ मुद्दों पर ट्रंप से असहमति है, लेकिन वह उन्हें सिद्धांतों वाले व्यक्ति और सही च्वाइस मानते हैं। ग़ालिब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप और मैं हर मुद्दे पर सहमत नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि वे सिद्धांतों वाले आदमी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप की चुनावी जीत की कामना करते हैं, और यह महसूस करते हैं कि वह इस समय के लिए सही च्वाइस हैं। ग़ालिब ने अपने फैसले पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है, कि नतीजे कुछ भी हों, मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा और मैं नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं। ग़ालिब के इस बयान का स्क्रीनशॉट लेते हुए ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है।

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरुआती दौर में हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्यायः स्वावलंबी और समर्थ समाज निर्माण के प्रेरक

▪ डॉ. मोहन यादव

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, ऋषि राजनेता, एकात्म मानव दर्शन तथा अंत्योदय के प्रणेता और हमारे मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।

संपूर्ण समाज, मानवता और राष्ट्र के लिये समर्पित श्रद्धेय दीनदयाल जी ने राष्ट्र निर्माण के लिये जो सूत्र दिये हैं वह भारतीय संस्कृति, परंपरा, देशज ज्ञान और एकात्म पर केंद्रित हैं। श्रद्धेय दीनदयाल जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर अंतिम सांस तक, अपने जीवन को यज्ञ में आहुति की तरह समर्पित किया और समग्र कल्याण का दर्शन दिया। इस दर्शन को विश्व एकात्म मानव दर्शन के रूप में जानता है।

पंडित जी मौलिक विचारक थे। उनका कहना था कि हमारी विरासत हजारों साल पुरानी है। हमें अतीत से प्रेरणा लेनी है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। उनका मानना था, जब समाज आत्मनिर्भर होगा तभी स्वाभिमानी होगा और जब स्वाभिमानी होगा तभी स्वावलंबी होगा। वे कहते थे, हमें देशानुकूल होने के साथ युगानुकूल भी होना है। मौलिक भारतीय चिंतन के आधार पर विकास के लिये पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन दिया। एकात्म मानव दर्शन में व्यक्ति के सुख की समग्र परिकल्पना की गई है। इसमें शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय तथा एकात्मता का विचार है। यह दर्शन समस्त मानव के उत्थान पर केंद्रित है। इसमें सहज, सरल और सरस समाज निर्माण का मार्ग है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण इसी अवधारणा का प्रकटीकरण है।

पंडित दीनदयाल जी ने अपने व्याख्यानों में विकास और निर्माण का मंत्र दिया। वे कहते थे, स्वाभिमानी बनो ! अपने पुरुषार्थ से स्वाभिमानी कैसे बना जाये वह इसका भी उल्लेख करते थे। उन्होंने देश-दुनिया को चतुर्पुरुषार्थ की संकल्पना दी। ये पुरुषार्थ हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह चतुर्पुरुषार्थ मन, बुद्धि, आत्मा और शरीर के संतुलन से संभव हैं। इनके द्वारा ही एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। पहला पुरुषार्थ धर्म है जिसमें शिक्षा, संस्कार और व्यवस्था है तो दूसरे अर्थ में साधन, संपन्नता और वैभव आता है। अर्थ उपार्जन सही तरीके से हो, इसके लिये पंडित दीनदयाल जी ने मानव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस तरह धर्मानुकूल, अर्थात उचित मार्ग से अर्थ उपार्जन करने का मार्ग प्रशस्त किया। तीसरा पुरुषार्थ है काम, जिसमें मन की समस्त कामनाएं शामिल हैं। मनुष्य को संतुलित, समयानुकुल और सकारात्मक स्वरूप में कार्य करना चाहिए। चौथा पुरुषार्थ है मोक्ष, अर्थात संतोष की परम स्थिति। यदि व्यक्ति संतोषी होगा तो वह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। इन चार पुरुषार्थों की अवधारणा के अनुसार, यदि व्यक्ति और समाज को विकास के अवसर दिये जायें तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। इस समाज

की परिकल्पना हमारे वेदों में की गई है। यही पंडित दीनदयाल जी की एकात्म मानव दर्शन की मूल अवधारणा है। पंडित दीनदयाल जी की स्वावलंबी समाज निर्माण की अवधारणा को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, एक भारत श्रेष्ठ भारत आदि योजनाओं के माध्यम से धरातल पर लाने को प्रयासरत हैं। इन योजनाओं ने समाज को सशक्त बनाया और हर जन की अंतरात्मा को पुरुषार्थ करने के लिये प्रेरित किया है।

अंत्योदय अर्थात समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के लिये जो मार्ग बताया था, वह माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में धरातल पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गांव, गरीब, किसान, वंचित, शोषित, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिये संकल्पित हैं। देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सामाजिक सुरक्षा, मुद्रा, जनधन, उज्ज्वला, स्वच्छता मिशन, शौचालय निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति, प्रधानमंत्री आवास, जन औषधि केंद्र तथा आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हम समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के साथ, सबके विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर त्वरित पारदर्शी उत्तरदायी तथा संवेदनशील शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम हर जन के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिये चार मिशन, युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रहे हैं। इससे युवा, गरीब, किसान और महिलाओं के समग्र विकास पर कार्य किया जायेगा। यह मिशन पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय कल्याण के लक्ष्य पूर्ति में सहभागी बनेंगे।

मध्यप्रदेश में गरीब कल्याण के लिये कई योजनाएं और कार्य अमल में लाये जा रहे हैं। इनमें इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को उनका अधिकार दिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से 23 लाख 50 हजार लोगों को भू-अधिकार पत्र वितरित किये गये हैं। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना 2.0 के अंतर्गत 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता प्रदान की गई है और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 55 लाख 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को पिछले एक वर्ष में लगभग 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेंशन राशि वितरित की गई। इसी तरह, तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर चार हजार रुपये किया गया। पीएम जन-मन योजना से विशेष पिछड़ी जनजातियों को अधोसंरचना, बिजली की उपलब्धता, आहार अनुदान तथा अन्य समुचित व्यवस्था के लिये योजनाएं चलाई जा रही हैं। पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय से भारत राष्ट्र के कल्याण का जो मार्ग बताया, वह आकार ले रहा है। गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आये, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनका जीवन सफल हो, ऐसे हर संभव प्रयास करना श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के दर्शन का मूल भाव है। भारत, वर्ष 2047 तक विश्व की महाशक्ति बनने के संकल्प के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर है। भारत को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के लिये हमें दीनदयाल जी के मौलिक चिंतन और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा को आत्मसात करना होगा। हमारे पथ प्रदर्शक, मार्गदर्शक, राष्ट्र निर्माण के दृष्टा, विराट समर्पण के प्रतीक, मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को एक बार पुनः नमन।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

प्रकाश की गति मापने वाले पहले वैज्ञानिक -ओले क्रिस्टेंसेन रोमर

ओले क्रिस्टेंसन रोमर एक व्यापारी के बेटे थे, जिनका जन्म 25 सितंबर, 1644 को आरहूस, डेनमार्क में हुआ था। उन्होंने अपनी युवावस्था में आरहूस कैथेड्रल स्कूल में पढ़ाई की और 1662 में स्नातक होने के बाद उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां उन्होंने मेडिसिन के प्रोफेसर इरास्मस बार्थोलिन के साथ रहकर अध्ययन किया, जो आइसलैंड स्पर में दोहरे अपवर्तन की खोज के लिए जाने जाते हैं। बार्थोलिन ने रोमर का बहुत सम्मान किया और उसे टाइको ब्राहे की पांडुलिपियों के संपादन का काम सौंपा। रोमर ने 1664 से 1670 तक इस परियोजना को जारी रखा और 1671 में ब्राहे की वेधशाला का निरीक्षण करने के लिए बार्थोलिन और जीन पिकार्ड के साथ स्वर्ग की यात्रा की। 1672 में, रोमर पिकार्ड के साथ फ्रांस लौट आए और पेरिस में रॉयल वेधशाला में काम करना शुरू किया। इसके तुरंत बाद, उन्हें राजा लुईस XIV द्वारा डॉफिन में खगोल विज्ञान का शिक्षक नियुक्त किया गया, लेकिन उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के तत्वावधान में वेधशाला में शोध जारी रखा। वहाँ रहते हुए, प्रकाश पर शोध किया वह अपने यांत्रिक कौशल और नवीन दिमाग के लिए सम्मानित हो गए। उन्होंने कई प्लैनिस्फेयर, एक सैटर्निलैबियम, एक जोविलैबियम और एक बेहतर माइक्रोमीटर का उत्पादन किया, जिन्हें तुरंत सामान्य उपयोग के लिए अपनाया गया। 1679 में, उन्हें रॉयल सोसाइटी द्वारा निर्मित पेंडुलम की मापने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए इंग्लैंड भेजा गया था और उन्होंने उस समय के कई प्रमुख वैज्ञानिक दिमागों से मुलाकात की, जिनमें सर आइजैक न्यूटन, जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली शामिल थे।पृथ्वी के बृहस्पति के करीब आने पर आयो के लगातार ग्रहणों के बीच बीता समय कम होता जाता है और पृथ्वी तथा बृहस्पति के दूर होते जाने पर लंबा होता जाता है। कैसिनी ने इस पर विचार किया था, लेकिन फिर इस विचार को खारिज कर दिया कि यह प्रकाश के लिए एक सीमित प्रसार गति के कारण हो सकता है। 1676 में, रोमर ने घोषणा की कि 9 नवंबर को होने वाला आयो का ग्रहण उसी उपग्रह के पिछले ग्रहणों के आधार पर निकाले गए समय से 10 मिनट बाद होगा। जब घटनाएँ उनके पूर्वानुमान

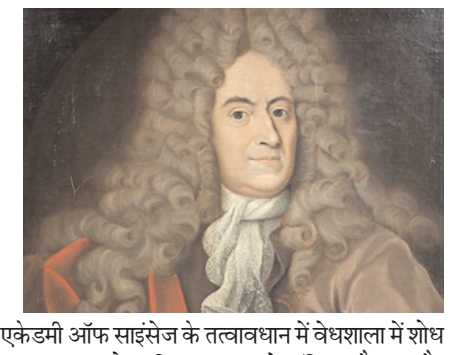

संजय गोस्वामी

के अनुसार घटित हुईं, तो रोमर ने समझाया कि प्रकाश की गति इतनी है कि प्रकाश को पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने में 22 मिनट लगते हैं। (सत्रह मिनट अधिक सटीक होगा।) डच गणितज्ञ क्रिस्टियान ह्यूजेंस ने अपने ट्रैटे डे ला लुमियर (1690; प्रकाश पर ग्रंथ) में, रोमर के विचारों का उपयोग प्रकाश की गति के लिए एक वास्तविक संख्यात्मक मान देने के लिए किया, जो आज स्वीकार किए गए मान के काफी करीब था - हालांकि समय की देरी के अधिक अनुमान और पृथ्वी की कक्षा के व्यास के लिए तत्कालीन स्वीकृत आंकड़े में कुछ त्रुटि के कारण यह कुछ हद तक गलत था।

1679 में रोमर इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक मिशन पर गए, जहाँ उनकी मुलाकात सर आइजैक न्यूटन और खगोलविदों जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली से हुई। 1681 में डेनमार्क लौटने पर, उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में शाही गणितज्ञ और खगोल विज्ञान का प्रोफेसर नियुक्त किया गया। विश्वविद्यालय की वेधशाला में उन्होंने ऊंचाई और अज़ीमुथ सर्कल के साथ एक उपकरण और एक दूरबीन स्थापित की, जो आकाशीय पिंडों की स्थिति को सटीक रूप से मापती थी। उन्होंने 1705 में कोपेनहेगन के मेयर सहित कई सार्वजनिक कार्यालयों को भी संभाला

हालाँकि, रोमर की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रकाश की गति का पहला अपेक्षाकृत सटीक माप था, यह उपलब्धि उन्होंने 1676 में हासिल की थी। रॉयल ऑब्ज़र्वेटरी में, रोमर के बृहस्पति के चंद्रमा और उसके बार-बार होने वाले ग्रहणों के अध्ययन ने उन्हें आवधिकता की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाया। चंद्रमा के लिए ग्रहण काल की खोज में सफलता हासिल की हालाँकि, कई महीनों के बाद, उन्होंने देखा कि उनकी भविष्यवाणियाँ धीरे-धीरे लंबे समय के अंतराल में कम सटीक होती जा रही थीं, जिसकी परिणति लगभग 22 मिनट की अधिकतम त्रुटि के रूप में हुई। फिर, अजीब तरह से, कई महीनों के दौरान उनकी भविष्यवाणियाँ फिर से अधिक सटीक हो जाती हैं, पृथ्वी एक चक्र जो लगातार खुद को दोहराता है। रोमर को जल्द ही एहसास हुआ कि देखी गई विषमता ग्रहों की कक्षीय गति के कारण पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी में भिन्नता के कारण हुई थी। जैसे ही बृहस्पति पृथ्वी से दूर चला गया, प्रकाश को यात्रा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी और इसलिए पृथ्वी तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। सत्रहवीं शताब्दी में उपलब्ध पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी के लिए अपेक्षाकृत गलत गणनाओं को बदला , जो 137,000 मील (या 220,000 किलोमीटर) प्रति सेकंड पर प्रकाश की गति का अनुमान लगाने में सक्षम था। प्रकाश की गति का सटीक माप - ओले रोमर के 1676 के सफल प्रयास से 100 से अधिक जांचकर्ताओं ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके कम से कम 163 बार प्रकाश की गति को मापा है। अंततः 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वज़न और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792,458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है।

राजकाज

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम और हाथी के दांत

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर के लिए अनुशंसा करती है। कभी सरकार उनकी अनुशंसा मानती थी। लेकिन पिछले 10 साल में सरकार ने यह मान लिया है। जजों के ट्रांसफर,पोस्टिंग और नियुक्ति करने का अधिकार सरकार का है। सरकार उन्हीं अनुशंसा को मान रही है। जो उसे अच्छी लगती हैं। बाकी रोक कर बैठ जाती है। पिछले कई वर्षों में कई बार सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दे चुकी है। लेकिन सरकार ने उस पर ध्यान नहीं दिया। सरकार हाथी जैसी मस्ती की चाल में चल रही है। वहीं सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम के पास जो दांत है। वह हाथी की दाँत की तरह हैं। जो दिखते तो बहुत बड़े-बड़े हैं। सरकार को मालूम है, यह दांत डराने वाले हैं। इससे सरकार को कोई नुकसान नहीं है। इसलिए सरकार भी मस्त है, सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी अपने दांत दिखा-दिखा कर सरकार को डरा कर यह मान लेती है। वह सरकार से बड़ी है। सरकार उससे डर रही है। न्यायपालिका की जो स्थिति वर्तमान में है। इसके पहले कभी नहीं थी अब यह लोग कहने लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक

सुप्रीम कोर्ट ने कभी सोचा नहीं होगा, कि उसका यूट्यूब चैनल हैक हो सकता है। न्यायपालिका की कार्यवाही को हैक करने से किसे क्या मिलेगा। लेकिन अब लगता है,सुप्रीम कोर्ट का जब से यूट्यूब चैनल हैक हुआ है। उसके बाद एआई तकनीकी से फेसलों में भी बहुत कुछ किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही और फैसले में भी अब फेर बदल संभव हो सकते हैं। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक हुआ है। तो इसमें बहुत कुछ हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में भी आवश्यकतानुसार फेर बदल किया जा सकता है। यह बात साबित हो गई है। एआई तकनीकी अभी पूरी तरह से आई नहीं है। लेकिन दुनिया भर में एआई तकनीकी के पालने में ही उसके पांव दिखने लगे हैं।

मंगल मूर्ति गणपति बप्पा भाजपा और कांग्रेस के निशाने पर

इस बार विघ्नहर्ता गणेश, कांग्रेस-बीजेपी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। मुख्य न्यायाधीश के घर प्रधानमंत्री ने जाकर विघ्नहर्ता गणेश की आरती की। इसकी आलोचना देश और दुनिया में होने लगी। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव प्रचार चल रहा है। महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में कुछ ही माहों में चुनाव होना है। चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों ने मंगल मूर्ति को निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे के ऊपर गणेश भगवान को निशाना बना रहे हैं। जब अंग्रेजों का शासन था। तब गणपति बब्बा की पूजा का आयोजन स्वतंत्रता आंदोलन के लिए बाल गंगाधर तिलक ने शुरू किया था। अब संविधान और चुनाव जीतने के नाम पर गणपति बप्पा, राजनीतिक दलों के निशाने पर हैं। अब देखना है,कि गणपति बप्पा किसका मंगल करते हैं,और किसका अमंगल होता है।

फीचर

वजन कम करने अपनाये ये तरीका

सभी महिलाएं चाहती हैं कि वजन कम होने के साथ ही उनका फिगर अच्चा हो । सैर करना, डाइटिंग करना, जिम जाना.. उनकी इसी इच्छा का एक अंग है पर आपकी ये तमाम कोशिशें उस समय बेकार हो जाती हैं, जब उम्मी द के मुताबिक परिणाम नहीं मिल पाते ।

फिटनेस हर किसी के लिए जरूरी है, खासकर आज के दौर में जब हमारे पास कुर्सी पर बैठकर काम करने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है।

पोषक तत्वोिं को न हटाएं: अगर आप अपना वज़न घटाना चाहती हैं तो अपने आहार में से पोषक तत्वोिं को न हटाएं। अपने आहार में रसीले फल जैसे अंगूर या हरे मटर शामिल करें। कभी भी सुबह का नाश्ता करना करना न भूलें। नाश्ते में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें। वज़न घटाने के लिए हल्का आहार लें। अंकुरित चीज़ें खूब खाएं। दिन के खाने में दाल ज़रूर लें। इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वज़न भी घटने लगेगा।

तले पदार्थों से परहेज करें: वज़न घटाने में तली हुई चीज़ें जैसे- आलू के चिप्स्, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं। इनका इस्तेरमाल कम से कम करें. फास्टि फूड जैसेः बर्गर, पिज़्ज़ा की बजाए सलाद, फल जैसी चीज़ों को अपने आहार में शामिल करें। वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ व्यायाम करना भी बहुत जरूरी है। अगर आपको तैरना पंसद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्स साइज़ दूसरी नहीं हो सकती। इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकती हैं। साथ ही योग की भी मदद ली जा सकती है।

फाइबर युक्ति भोजन लें: खाने में फाइबर युक्ति भोजन लें, जैसे बीन्सा, ब्राउन राइस, नट्स आदि। यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है। फाइबरयुक्तग भोजन आपके शरीर की एक्ट्रार कैलोरी को भी बर्न करता है।

प्रेरणा

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

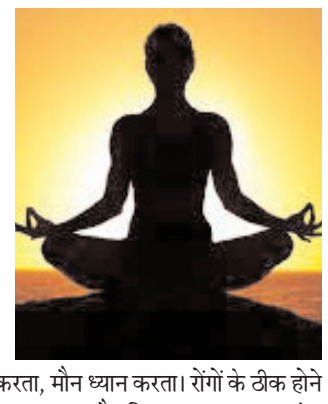

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

अपनी बात

राम मोहन नायडू ने नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किए गए ऑडिट के परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सुरक्षा जोखिमों में मानवीय कारक भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित विमानन दुर्घटनाओं में मानवीय कारकों पर पहली राष्ट्रीय सुरक्षा संगोष्ठी में सोमवार को बोलते हुए नायडू ने कहा कि हवाई दुर्घटनाओं में मानवीय भूलों से संबंधित घटनाओं में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि नि :संदेह कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स के न्यायाधीश अपना काम पूरी स्वतंत्रता के साथ करते हैं। लेकिन जब भी बात बजट और बुनियादी ढांचे की आती है, तो हम सरकार के साथ खड़े होते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बात जब अदालत के बजट और इन्फ्रास्ट्रक्चर की आए, तो कोर्ट सरकार के साथ खड़ी है।

ब्रीफ न्यूज

जवाहरलाल नवोदय विद्यालय में प्रवेश चयन परीक्षा के लिये 7 अक्टूबर तक आमंत्रित

गुना। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2025 के आवेदन पत्र ऑनलाईन फार्म भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर तक कर दिया गया है। प्राचार्य नवोदय विद्यालय एचके मीना ने बताया कि जिले के कक्षा पाँचवी में अध्ययनरत छात्र, छात्राएं जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के आवेदनपत्र ऑनलाईन फार्म अब 7 अक्टूबर तक नवोदय विद्यालय समिति की बेबसाइड पर जाकर आवेदन कर सकते है।

मधुसूदनगढ़, म्याना और सिरसी पुलिस ने की अवैध शराब पर कार्रवाई

गुना। जिले की मधुसूदनगढ़, म्याना और सिरसी पुलिस द्वारा अलग-अलग जगहों पर अवैध शराब पकड़ी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मधुसूदनगढ़ पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर उकावद भोपाल रोड पर दिनेश साहू के खेत पर बने मकान के पास रघुवीर पुत्र रामभरोसा लोधी निवासी ग्राम खैराड को अवैध शराब के साथ पकड़ा। जिसके पास से पुलिस ने 56 लीटर अवैध शराब बरामद की। इसके अलावा जिले की म्याना पुलिस द्वारा रतनपुरा की पुलिया के पास से अनिल पुत्र मान सिंह भिलाला निवासी पीपलखेडी को पांच लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा। वहीं सिरसी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचन पर सांड़खेड़ा महू रोड़ पर दबिश देकर थैले में रखकर शराब के क्वाटर बेच रहे केदारी पुत्र लितरू जाटव निवासी ग्राम सांड़खेड़ा को पकड़ा। जिसके पास से पुलिस ने 12 क्वाटर जीनियस शराब एवं 10 क्वाटल प्लेन मसाला, एक क्वाटर देशी सफेद बरामद किया।

मजदूरी करने जा रही महिलाएं बस से गिरकर हुई घायल

गुना। शहर की नानाखेड़ी मंडी से बस में सवार होकर म्याना के पास खुटियावद गांव में आयोजित कार्यक्रम में पूड़ी बेलने जा रही दो वृद्ध महिलाएं बस से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुन्नी बाई पत्नी मोहन सिंह कुशवाह उम्र 65 साल निवासी नानाखेड़ी एवं कमलाबाई पत्नी हरनारायण कुशवाह उम्र 70 निवासी पिपरोदा खुर्द आज सुबह बस में बैठकर पूड़ी बेलने जा रहीं थीं। इसी दौरान नानाखेड़ी मंडी गेट से आगे स्थित एक होटल के सामने अचानक दोनों महिलाएं बस से नीचे गिर गई।

लघुशंका कर रहे युवक की बाईक पलक झपकते ही चोरी

गुना। जिले के कुंभराज थानांतर्गत तुलसीखेड़ा रोड पर बाईक को साईड में खड़ा कर लघुशंका कर रहे एक युवक की बाईक अज्ञात चोर पलक झपकते ही चोरी कर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी विष्णु मीना पिता तुलसीराम मीना निवासी ग्राम सोपरा ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि वह अपनी नई मोटरसाईकिल हीरो स्पलेण्डर प्लस से अपने गांव के अशोक मीना को मोटरसाईकिल पर बैठाकर अपने घर सोपरा कुंभराज होते हुये तुलसीखेड़ी रोड से जा रहा था। रात करीव 8.30 बजे पुलिया के पास पहुंचा। इस दौरान उसने अपनी मोटरसाईकिल को खड़ी कर थोड़ी दूरी पर पेशाव करने लगा।

शिक्षा की जो जर्जर हालात आज हो रहे है यह समाज की रीढ़ को तोड़ के रख देंगे

मध्यप्रदेश के 94000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ डीएसओ ने किया छात्र प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ गुना

स्थानीय जयस्तंभ चौराहे पर 94 हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति के खिलाफ छात्र संगठन डीएसओ द्वारा प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 76 साल बाद आज शिक्षा की जो जर्जर हालात आज हो रहे है यह समाज की रीढ़ को तोड़ के रख देंगे। सरकार सीएम राइज स्कूल के नाम पर 94000 हजार स्कूल बंद करने का फरमान जारी कर रही है।

हमारे यहां 21000 ऐसे स्कूल हैं जहां सिर्फ एक शिक्षक है ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बच्चे किसके भरोसे स्कूल जाएं। अगर यह स्कूल जाते भी हैं तो इन्हें पढ़ाएगा कौन स्कूल शिक्षा विभाग के मध्य प्रदेश राज्य पोर्टल 2.0 के अनुसार प्रदेश के 47 जिलों के 2,621 स्कूलों में शिक्षकों की संख्या शून्य है। पिछले 10,साल में सरकारी स्कूलों में 39 लाख तो निजी स्कूलों में 65000 बच्चे पढ़ाई छोड़ चुके हैं। यह गिरावट तब है जब प्रदेश में सीएम राइज स्कूल खोले जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के दावों के बावजूद देश में मध्य प्रदेश अभी 15 वे पायदान पर है। वक्ताओं ने कहा कि आम जनता की गाड़ी कमाई से निर्मित सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है। स्कूलों में शिक्षा के गुणवत्ता सुधारने के मकसद से अंग्रेजी स्कूलों को टक्कर देने का दावा करते हुए प्रदेश के 94000 स्कूल को बंद किया जायेगा। जिनमें छात्रों की प्रवेश संख्या 1 करोड़ के लगभग है। सिर्फ 9200 सीएम राइज स्कूलों में 5 किलो मीटर के दायरे में जो स्कूल आएंगे, उन स्कूलो को सीएम राइज में मर्ज कर दिया जायेगा। बाकी स्कूलों को बंद कर दिया जायेगा । दावा किया जा रहा है की ये स्कूल सभी मूलभूत सुविधाओं से संपन्न होंगे। बाकि बचे हुए छात्र कहाँ प्रवेश लेंगे क्या 94000 स्कूलों को दुरुस्त नहीं किया जा सकता क्या बंद करना ही इसका सामाधान है जो सुविधाएं सीएम राइज में देने की बात कर रहे है इन स्कूलों में नहीं दी जा सकती स्कूलों में उत्तम शिक्षा और बेहतर सुविधाओ के नाम पर एकलव्य, पीएमश्री आदि चलाए जा रहें हैं। शासकीय होने के पर भी 4500 रुपए इसकी प्रवेश फीस ली जाती है। अभी स्थिति यह है कि 2200 सरकारी स्कूल में वोकेशनल ट्रेनर के 4 हजार पद खाली है और 4 माह से 12वी के मेधावी छात्रों को छात्रवृति नही मिली। अभी हाल के सीएम राइज स्कूल में 30 से 50 फीसदी तक शिक्षकों के पद खाली हैं। यह स्कूल भी अन्य सरकारी स्कूलों की तहत अतिथियों के भरोसे हो गए हैं। ऐसे में सी एम राइस और अन्य सरकारी स्कूलों में कोई फर्क नहीं रह गया है। गुना जिले में 6 सीएम राइज स्कूल है। जिनमें 270 व अशोकनगर जिले में 4 सीएम राइज स्कूल है जिनमें 106 पद खाली पड़े है। इस दौरान डीएसओ ने मांग की कि इन स्कूलों को बंद करने की बजाय बेहतर बनया जाना चाहिए। पठन-पठान के माहौल को सुधारा जाना चाहिए। शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों से मुक्त किया जाना चाहिए व पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की भर्ती की जानी चाहिए और स्कूल में बेहतर समाजिक सांस्कृतिक माहौल बनाना और स्कूल में सभी मूलभूत सुविधाओं को पूरा किया जाना चाहिए। आने वाले समय मे अभिभावक-शिक्षक तथा छात्र भी इस नीति के खिलाफ सड़कों पर आएंगे।

काम की दबाव में रोजगार सहायक कर रहे आत्महत्या, अधिकारी देते हैं गाली

विभिन्न समस्याओं को लेकर मनरेगा ग्राम रोजगार सहायक, सचिव महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

मनरेगा ग्राम रोजगार सहायक, सचिव महासंघ द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में अत्याधिक काम के दबाव के कारण फांसी लगाने वाले रोजगार सहायकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि एवं अनुकंपा देने सहित एक दर्जन मांगों को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि वह विगत 12 वर्षों से ग्राम पंचायतों में निष्ठापूर्वक कार्यरत है। पंचायत विभाग का 90 प्रतिशत कार्यों के दायित्वा निभा रहे हैं। अत्याधिक काम के चलते विगत दिनों स्व. प्रवीण सोलंकी पिता रमेश सोलंकी जिला बाड़वानी, स्व. प्रशांत सिंह चौहाल पिता भवानी सिंह चौहान जिला सिहोर, स्व. रेमाल सिंह मंडलोई जिला धार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ज्ञापन में मांग की गई कि ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों के कार्यों का विभाजन किया जाए, कार्य जो शासन द्वारा सौंपे जाते है, उन्हें तत्काल करने का दबाव नहीं बनाया जाए। विभागीय कार्य के अलावा अन्य विभाग के कार्य भी करवाये जाते हैं, उन्हें बंद कराया जाए। किसी कर्मचारी के परिवार में दुर्घटना या मृत्यु हो जाने पर सचिव सहायक सचिव को अनुग्रह सहायता राशि 5 लाख तत्काल प्रदाय की जाए। ज्ञापन में कहा गया कि सोशल मीडिया व्हाट्सप के माध्यम से आदेशित किया जाता है एवं त्वरित कार्य हेतु दबाव बनाया जाता है। नहीं करने पर जिला पंचायत में पेशी, नोटिस, सेवा समाप्ति, निलंबन की धमकी दी जाती है। जिससे कर्मचारी सहायक सचिव, सचिव मानसिक रूप से प्रताड़ित होता है। इस कारण वह कार्य नहीं कर पाता है, यह बन्द किया जाये व सोशल मीडिया काट्सप मैसेज ऑफिस समय पर ही भेजे जाए। वहीं बैठक में कर्मचारी को अपशब्द बोला जाता है जिससे भी यह मानसिक रूप से प्रताड़ित होता है। मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम रोजगार सहायक, सहायक सचिव पर मजदूर लगाने पर दबाव बनाया जाता है जबकि मनरेगा योजना मांग आधारित है। जल्दीबाजी एवं त्वरित कार्य कराने हेतु दबाव बनाया जाता है, जिससे कर्मचारी प्रताड़ित होता है। इसके अलावा सीएम हेल्प लाईन में फर्जी शिकायत होने पर भी ग्राम रोजगार सहायकों, सचिवों से राशि की माँग तक की जाती है तथा शिकायत बन्द करवाने हेतु जबरन दबाव बनाया जाता है। जिससे कर्मचारी को शिकायतकर्ता के द्वारा प्रताड़ित किया जाता है व राशि की मांग की जाती है। जिससे मानसिक दबाव बनता है। वहीं शासकीय अवकाश एवं रविवार होने पर अवकाश के दिन भी कार्य करने का दबाव बनाया जाता है। कृपया शासकीय अवकाश के दिन किसी तरह के कार्य न कराये जायें। ज्ञापन में संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान 15 दिवस में नहीं किया जाता है तो ग्राम रोजगार सहायक, सहायक सचिव संघ द्वारा अनिश्चित कालीन हड़ताल एवं उग्र आन्दोलन किया जाएगा।

नियमितीकरण मांग को लेकर कलेक्टरोरेट पहुंचे कर्मचारी

जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

नगरपालिका के जल प्रकोष्ठ के कर्मचारियों ने नियमितीकरण की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपा। पीएचई के राजू कुशवाह सहित अन्य ने बताया कि उन्हें अगस्त 2018 में विनियमित कर्मचारी होने का आदेश प्राप्त हुआ था। लेकिन आज तक उनका विनियमितीकरण से नियमितकरण नहीं हो पाया है। जबकि आरोन, बीनागंज, चांचौड़ा, जिला गुना, कोलारस जिला शिवपुरी मध्यप्रदेश में पदस्थ प्लंबरों को स्थाई नियुक्ति आदेश हाल ही में प्रदान किए जा चुके हैं। लेकिन उनके साथ भेदभाव कर उन्हें वंचित किया गया है। कर्मचारियों के अनुसार वह लगातार 6 वर्षों से प्लंबर का कार्य पूरी ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक नियमित रूप से करते चले आ रहे हैं और हमें जो मानदेय मिल रहा है, उसी से हम अपने परिवार का बड़ी मुश्किल से पालन पोषण करने को मजबूर हैं।

हमें शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। हम अपने पद पर नियमित न होने से वंचित हो रहे है। ज्ञापन में मांग की गई कि उन्हें उनके पद पर स्थाई नियुक्ति किया जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में पीएचई कर्मचारी उपस्थित थे। मांग करने वालों में राजू, शरीफ, बृजमोहन, शिवचरण, देवीसिंह, विनोद शर्मा, कैलाश, खेमसिंह, बृजेन्द्र सिंह, हीरालाल, रहीम खान आदि शामिल हैं।

लाइन बॉक्सों को बंद कराने के खिलाफ लामबंद हुए ट्रेन मैनेजर और लोको पायलेट, प्रदर्शन कर बांधी काली पट्टी

सत्ता सुधार ■ गुना

रेलवे द्वारा ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों द्वारा ले जाने वाले लाइन बॉक्सों को बंद करने के खिलाफ ट्रेन मैनेजर एवं लोको पायलेट लामबंद हो गए। उक्त लाइन बॉक्स में रेल संरक्षा से जुड़े उपकरण रखे जाते हैं, उसे बंद किए जाने के संकेत रेलवे प्रशासन ने दिए हैं। इसे लेकर रनिंग स्टाफ ट्रेन मैनेजर एवं लोको पायलट में काफी रोष है। मंगलवार को वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के द्वारा पश्चिम मध्य रेल के सभी मंडलों पर पर रनिंग स्टाफ मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। यहां रेलवे स्टेशन स्थित लॉबी के सामने भारी संख्या में रनिंग स्टाफ ने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। सभी रनिंग स्टाफ 24 से 30 सितंबर तक विरोध स्वरूप काली पट्टी लगा कर अपनी ड्यूटी करेंगे। इस दौरान डीके सोनी, राम, राकेश चतुर्वेदी, विक्रम सिंह नधावत, राकेश कुमार, दिनेश चौधरी, शीलेंद्र कुमार, रामजीलाल मीणा, मधुरेश नामदेव, सुरेश चंद्र, रामस्वरूप, अशोक कुमार मीणा, चैनसुख मीणा, आनंद कुमार सिंह, अरुण कुमार नामदेव, राकेश कुमार कटारिया, संदीप भार्गव, रिख्या, विशाल कुमार, अभिषेक भदोरिया, सुबोध कुमार, मुकेश कुमार मीणा, जितेंद्र कुमार मीणा, राजेश मीणा, भारत, प्रकाश मेघवाल, राकेश कुमार मीणा, सुनील राजपूत, सुरेश उपाध्याय, महेश लोधी, दिनेश सिंह जाट, सुनील झा, हिमांशु गौर, सत्यवीर सिंह, सत्येंद्र चौहान सहित अन्य कोटा, उज्जैन, बीना रनिंग स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर वीपी सिंह ने रनिंग स्टाफ को संबोधित कर लाइन बॉक्स की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं रेल प्रशासन द्वारा लाइन बॉक्स बंद करने के निर्णय की निंदा की। गुना मक्सी शाखा के सचिव अविनाश कुमार एवं गुना अशोकनगर ग्वालियर शाखा के सचिव भारत कुशवाह ने सभी कर्मचारियों का आभार प्रकट कर काली पट्टियां लगाकर कार्य करने का आह्वान किया।

जल्द शुरू हो दीपावली पर आतिशबाजी बाजार के लिए लायसेंस प्रक्रिया

प्रक्रिया से परेशान आतिशबाजी विक्रेता पहुंचे कलेक्टोरेट

सत्ता सुधार ■ गुना

दीपावली पर दशहरा मैदान पर सजने वाले आतिशबाजी बाजार को लेकर मंगलवार को अस्थाई आतिशबाजी विक्रेता संघ ने कलेक्टोरेट पहुंचकर लायसेंस की प्रक्रिया जल्द कराने की मांग की। दरअसल दुकानदारों का कहना है कि उक्त लायसेंस देने की प्रक्रिया काफी लंबी है, जिसमें काफी समय लगता है।

दुकानदारों ने बताया कि वह प्रतिवर्ष दीपावली के मौके पर अस्थाई आतिशबाजी की दुकान दशहरा मैदान पर लगाते हैं। प्रतिवर्ष उस प्रक्रिया में काफी विलंब हो जाता है। जिसमें थाना का वेरीफिकेशन, एसडीएम द्वारा लिस्ट जारी करना, नगरपालिका द्वारा ड्रा के माध्यम से दुकानें देना आदि में काफी समय लग जाता है। जिससे दुकानदारों को काफी परेशानी होती है और दुकान लगाने में कम समय मिल पाता है। वहां पर उन्हें ही सारी व्यवस्थाएं करना पड़ती है। कलेक्टर को दिए आवेदन में दुकानदारों ने उक्त प्रक्रिया को जल्द कराने की मांग की। संघ के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 200-300 दुकानें लगती हैं। जिससे नगरपालिका को 30-35 हजार रुपए का राजस्व मिलता है। प्रति दुकानदार 1200 रुपए की रसीद कटती है और तीन दिन की सुविधा न देते हुए एक दिन ही लाईट पानी का इंतजाम किया जाता है। वहीं सुरक्षा का भी कोई इंतजाम नहीं होता है। ग्राहकों द्वारा वहीं आतिशबाजी चलाने से दुकान पर खतरा बना रहता है।

शुभारंभ

राष्ट्र कवि श्रीकृष्ण सरल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया

हिंदी साहित्य भारती अंतरराष्ट्रीय की हुई संगोष्ठी

सत्ता सुधार ■ गुना

हिंदी साहित्य भारती (अंतरराष्ट्रीय) मध्य भारत प्रान्त के तत्वाधान में विभिन्न जिलों के साहित्यकारों की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन सनाढ्य संस्कार भवन दुर्गा कॉलोनी गुना में संपन्न हुआ। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा व राष्ट्र कवि श्रीकृष्ण सरल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिन्दी साहित्य भारती के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल बालाघाट, केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर रमा सिंह गुना, दिनेश बिरथरे प्रांतीय महामंत्री गुना, एसके राजोरिया अध्यक्ष मध्य भारत प्रांत, प्रेम सिंह प्रेम प्रांत उपाध्यक्ष, सुनील शर्मा चीनी जिलाध्यक्ष गुना मंचासीन रहे। संगोष्ठी के प्रथम सत्र साहित्य भारती के ध्येय गीत की प्रस्तुति के साथ सांगठनिक चर्चा संपन्न हुई। जिसमें हिंदी साहित्य भारती के विश्व व्यापी स्वरूप को सदन में राजेंद्र शुक्ल जी ने रखा। आपने बताया कि आज हिन्दी साहित्य भारती सम्पूर्ण देश में विस्तार ले चुकी है,साथ ही विश्व के 36 देशों में सक्रिय इकाइयों के माध्यम से हिंदी की सेवा में रत है। आज भी हमारे अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय) डॉक्टर रविन्द्र शुक्ल मॉरिशस में हिंदी साहित्य भारती के विस्तार हेतु प्रवास पर हैं।

केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमा सिंह ने साहित्य भारती के ध्येय, उद्देश्य और क्षेत्र के स्वरूप को बताया। डॉ रविन्द्र शुक्ल जी ने सुदूर देश मॉरिशस से तरङ्ग संचार माध्यम से संगोष्ठी को संबोधित कर विस्तार हेतु मार्गदर्शन दिया। इसके पश्चात प्रदेश महामंत्री दिनेश बिरथरे ने गत वर्ष का मध्य भारत प्रांत का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया जिसमें 14 जिलों की कार्यकारिणी और उनके द्वारा वर्ष भर किए गए कार्यों का विवरण समाहित था। सत्र के अंत में नव निर्वाचित जिला इकाई, प्रांत इकाई व प्रदेश इकाई कार्यकारिणी के दायित्ववानों को सम्मानित किया गया।स्वल्पाहार के उपरांत द्वितीय सत्र में दोपहर से आरंभ हुई कवि गोष्ठी में गुना,अशोकनगर, राजगढ़, आरोन, व्यावरा बीनागंज, कुंभराज से आए कवियों ने विभिन्न विधाओं प्रासंगिक एवं श्रेष्ठ रचनाएं प्रस्तुत कर समां बांधे रखा। कवि गोष्ठी का संचालन शायर प्रेम सिंह प्रेम ने किया। प्रथम सत्र का संचालन सुनील शर्मा चीनी ने किया और आभार मध्य भारत प्रान्त के अध्यक्ष श्री एस के राजौरिया ने व्यक्त किया।कार्यक्रम दिन2 बजे से प्रारंभ होकर काव्य गोष्ठी रात 8 बजे तक चली, जिसमें शताधिक साहित्य प्रेमियों, वरिष्ठ नागरिकों ने सहभागिता की व नगर तथा दूरस्थ अंचल से आये कवियों की कविताओं का आनन्द लिया। आयोजन को सफल बनाने में सभी सहयोगी जनों का ह्रदय से आभार।

सक्षम ने मनाई महामुनि अष्टावक्र की जयंती

गुना। दिव्यांगों की राष्ट्रीय संस्था सक्षम ने जिले में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में महामुनि अष्टावक्र की जयंती मनाई। इस दौरान सबसे पहले दिव्यांग पुनर्वास केंद्र गुना में पौधारोपण किया। उसके बाद महामुनि अष्टावक्र की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर सक्षम के प्रांत सह कोषाध्यक्ष एवं जिला सचिव देवेन्द्र सिंह धाकड़ ने महामानी अष्टावक्र के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि महामुनि अष्टावक्र सक्षम एवं दिव्यांगों के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने जनक जी की सभा में शास्त्रार्थ में सबको हराकर अपने ज्ञान का परिचय दिया । दिव्यांग उनसे प्रेरणा लें और अपने आप को कमजोर ना समझे, बल्कि सक्षम समझें।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है।

वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

साउथ की एक्ट्रेस पर लगा हाउस हेल्पर से मारपीट करने का आरोप

हाल ही में तमिल फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में थलपति विजय के साथ नजर आईं अभिनेत्री पार्वती नायर के खिलाफ हाल ही में शिकायत दर्ज हुई है। एक्ट्रेस पर आरोप है कि उन्होंने स्टूडियो में अपने हाउसहेल्प सुभाष के साथ मारपीट की है। एक्ट्रेस के अलावा 5 अन्य के नाम भी शिकायत में दर्ज हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने सोमवार, 23 सितंबर को अपने घरेलू सहायक पर हमला करने के आरोप के बाद एक आधिकारिक बयान जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में उन्होंने न्यायपालिका पर अपना भरोसा जताते हुए पार्वती ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा बताया है।

शिकायत दर्ज होने बाद एक्ट्रस ने किया खुलासा

अभिनेत्री पार्वती नायर ने उनके बयान में लिखा था, कुछ झूठी कहानियां और निराधार आरोप फैलाए जा रहे हैं। मुझे न्यायिक प्रणाली पर पूरा भरोसा है और मेरी कानूनी टीम सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। मेरे सभी प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार को आपके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। चेन्नई में एक्ट्रेस के खिलाफ सुभाष चंद्र बोस नाम के एक घरेलू सहायक ने उन पर हमला करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। उसने पहले एक अन्य पुलिस शिकायत में उस व्यक्ति पर चोरी का आरोप लगाया था। रिहा होने के बाद, शख्स ने आरोप लगाया कि उसने केजीआर स्टूडियो में काम करना शुरू कर दिया, जहां एक दिन पार्वती आई और उसे थप्पड़ मार दिया। हाउस हेल्पर ने यह भी आरोप लगाया कि पार्वती नायर के साथ पांच अन्य लोग भी थे, जिन्होंने स्टूडियो में उसके साथ दुर्व्यवहार किया। सुभाष ने चेन्नई के तेनाम्पेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और बाद में उसने सैदापेट 19वें एमएम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

रवीना ने चढ़ा दिया सोशल मीडिया का पारा, शेयर की फोटोज

अपने लंदन यात्रा की फोटो शेयर करके अभिनेत्री रवीना टंडन ने सोशल मीडिया का पारा चढ़ा दिया है। इस पोस्ट में वह दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ इंजॉय करती दिख रही हैं। फोटोज में अभिनेता संजय कपूर भी उनके साथ दिख रहे हैं।

साथ ही इन तस्वीरों में अद्भुत लंदन शहर भी दिख रहा है। उन्होंने यह तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। तस्वीरों में वह सफेद शर्ट और हरे रंग की स्कर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, साथ ही उन्होंने लाइट मेकअप भी किया हुआ है। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 8.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस पोस्ट में उनके साथ उनकी बेटी राशा और बेटा रणबीर वर्धन भी दिख रहे हैं। राशा मिनी ड्रेस और स्टाइलिश काले कोट में सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। अभिनेता संजय कपूर और उनके बेटे जहान भी इस पोस्ट को मेमोरेबल बना रहे हैं। रवीना ने अपने इस पोस्ट में लंदन डायरीज और फ्रेंड्स लाइक फैमिली हैशटैग के साथ कैप्शन दिया, जस्ट बीज.. । बता दें कि रवीना टंडन फिल्म वितरक अनिल थडानी की पत्नी हैं। 1995 में उन्होंने पूजा और छाया नामक दो लड़कियों को शादी से पहले गोद लिया था। रवीना मशहूर निर्देशक रवि टंडन की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1991 में एक्शन फिल्म पत्थर के फूल की थी। इसके बाद उन्होंने दिलवाले, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, जिद्दी, लाडला, बड़े मियां छोटे मियां, दुल्हे राजा और अनाड़ी नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों में काम किया। हाल ही में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ-चैप्टर 2' में काम किया है, जिसे प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म का निर्माण विजय किरागंदूर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले किया। इस फिल्म में यश, संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी, प्रकाश राज जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके अलावा हाल ही में उन्होंने विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित और अरबाज खान द्वारा निर्मित कानूनी ड्रामा फिल्म 'पटना शुक्ला' में भी अभिनय किया है।

करीना कपूर की हिरोइन में डायलॉग डिलीवरी कमाल की

बालीवुड फिल्म हिरोइन की डायलॉग डिलीवरी कमाल की है। फिल्म में करीना कपूर खान प्रमुख भूमिका में है। करीना किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। इनकी पर्सनल और पब्लिक लाइफ में सबको इंटरेस्ट भी है और ये उसे छुपाने में भी यकीन नहीं रखतीं। हिंदी सिनेमा में 25 साल पूरे कर चुकी हैं और इसका जश्न भी मनाया जा रहा है उन फिल्मों के जरिए जिसने इन्हें नई पहचान दी तो दर्शकों को कपूर फैमिली के एक और टैलेंट से मुलाकात कराई।

करीना ने अपने करियर की शुरुआत रिफ्यूजी से की। करियर की शुरुआत के लिए ऑफबीट फिल्म कही जा सकती है लेकिन फिर करीना तो करीना हैं। 2000 में आई रिफ्यूजी के गाने हिट रहे, एक खास वर्ग को पसंद भी आई लेकिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाई। द ग्रेट शोमैन की पोती और रणधीर कपूर-बबीता की छोटी बेटी बेबो 21 सितंबर को अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। बेबो ने कई फिल्में की कुछ हिट तो कुछ फ्लॉप लेकिन कुछ कैरेक्टर्स ऐसे जो दिमाग में छप गए। जैसे कभी खुशी कभी गम की पू। जिसमें एटीट्यूड है तो साफगोई भी।

तेज तर्रार तो है लेकिन इमोशनल भी। काजोल की छोटी बहन पूजा शर्मा के रोल में दिखी करीना का डायलॉग कि कौन है जिसने पू को मुड़ कर नहीं देखा- सालों बाद भी अगर जेहन में ताजा है तो अदायगी को 100 फीसदी नंबर दिए जाने चाहिए। चमेली का- ये बोलता है हाथ मत लगाओ, दुनिया हाथ लगाने के लिए पैसा देती है! हो या फिर ऐतराज का- हमेशा मर्द ही गलत नहीं होता, औरत भी गलत हो सकती है। महिला सशक्तिकरण को सही मायने में परिभाषित करता है। करीना का नाम विवादों से भी जुड़ा। सबसे ज्यादा अपने रिलेशनशिप को लेकर। अपने से 10 साल बड़े सैफ अली खान से शादी को लेकर भी बवाल मचा तो बच्चों के नाम तैमूर और जहांगीर रखने पर भी खूब हल्ला हुआ। लेकिन करीना का ये डायलॉग कि मैं अपनी फेवरेट खुद हूं इन सवालों को जवाब देने में माहिर है। बेबो अपनी सोशल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में बनी रहती हैं। बिग स्क्रीन के अलावा छोटे पर्दे पर कई टॉक शो में भी दिखीं तो ओटीटी पर जाने जान से डेब्यू किया।

करीना की ही हिट फिल्म ओमकारा का डायलॉग है जो उनको बखूबी डिफाइन करता है- चाँद जब आधा हो जावे है ना, तो भी चाँद ही कहलावे है।अच्छी बात ये है कि करीना उम्र के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं। 16 साल की लड़की की तरह पेड़ों के पीछे नहीं भाग रहीं बल्कि कैरेक्टर्स ऐसे चुन रही हैं जो उनकी उम्र से मेल खाते हैं। बर्किंघम मर्डर्स को लेकर भी चर्चा में हैं। क्राइम थ्रिलर का निर्माण भी करीना कपूर ने किया है। फिल्म को उम्मीद के हिसाब से सफलता नहीं मिली लेकिन इस बार भी एक्टिंग की लोग दाद दे रहे हैं।

तापसी ने 'दिवा एनर्जी' पर की खुलकर बात

'दिवा एनर्जी' के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी ने इसका मतलब समझाते हुए कहा है कि यह अपने आप पर गर्व करना और बिना किसी शर्म के अपनी पहचान को दुनिया के सामने पेश करना है। तापसी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। पोस्ट को कैप्शन देते हुए तापसी ने लिखा, दिवा एनर्जी बोल्ड मूव्स, बड़े सपने और बेबाकी से खुद को पेश करना। इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें सामने आई थी कि अभिनेत्री एक बार फिर एक्शन थ्रिलर गांधारी के लिए लेखिका कनिका ढिल्लों के साथ हाथ मिला रही हैं, जिसका निर्देशन देवाशीष मखीजा करेंगे, जिन्होंने जोरम बनाई थी। फिल्म की कहानी दृढ़ संकल्प और गहन व्यक्तिगत दांवों से भरी है, जो मनोरंजक रहस्य और उच्च स्तरीय एक्शन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफ्लिक्स के अनुसार दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली एक उग्र मां के रूप में देखेंगे। अनुराग कश्यप की मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा और इसके सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट और राजकुमार हिरानी निर्देशित हिट डंकी के बाद, गांधारी तापसी और ढिल्लों की साझेदारी का छठा उदाहरण है। तापसी को पिछली बार अक्षय कुमार, वाणी कपूर, एमी विर्क और फरदीन खान अभिनीत खेल खेल में में देखा गया था। यह फिल्म जोड़ों के बीच एक गेम नाइट के बारे में थी, जो एक-दूसरे के सामने अपने रहस्य कबूल करते हैं। वह जयप्रद देसाई के निर्देशन में बनी फिर आई हसीन दिलरुबा में भी नजर आईं, इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी और सनी कौशल भी हैं। तापसी और विक्रांत ने रानी और रिशु के अपने किरदारों को फिर से निभाया है। फिल्म रानी और रिशु के किरदारों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि वह एक बार फिर रोमांच के साथ बाधाओं को पार करते हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट हसीन दिलरुबा था, जिसे 2021 में रिलीज किया गया था।

रुबीना दिलाइक का लेटेस्ट फोटोशूटः ब्लैक साड़ी में कहर

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलाइक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह ब्लैक साड़ी में कहर ढा रही हैं। रुबीना ने अपने लुक को खुले बालों, ग्लोसी मेकअप और डायमंड ज्वेलरी के साथ पूरा किया है, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। उन्होंने कैमरे के सामने दिलकश अदाएं दिखाते हुए अपने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। उनकी तस्वीरों के साथ दिया गया कैप्शन भी खास सुर्खियों में है। रुबीना ने लिखा, वक्त से पहले, किस्मत से ज्यादा किसी को नहीं मिलता... मैंने वक्त के साथ-साथ अपनी किस्मत लिखनी शुरू कर दी। काम की बात करें तो रुबीना इन दिनों अपने पॉडकास्ट चैनल को लेकर चर्चा में हैं, जहां कई सेलेब्स अपनी पर्सनल लाइफ के बड़े खुलासे कर चुके हैं। पर्सनल लाइफ में, रुबीना अपनी मदरहुड लाइफ का आनंद ले रही हैं। उन्होंने पिछले साल 27 नवंबर को प्यारी सी बेटी को जन्म दिया, और इस खुशखबरी को उन्होंने 27 अक्टूबर को फैंस के साथ साझा किया था।

टीना दत्ता ने शेयर की मालदीव की छुट्टियों की यादें

टेलीविजन अभिनेत्री टीना दत्ता ने हाल ही में अपने फैंस के साथ मालदीव में बिताए खुशनुमा पलों की तस्वीरें साझा की हैं। शो उतरन में अपनी अदाकारी के लिए जानी जाने वाली टीना के इंस्टाग्राम पर 4.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने मालदीव की खूबसूरत लोकेशन पर सफेद को-ऑर्ड सेट में पोज देते हुए कई मनमोहक तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह अपनी मां, मधुमिता दत्ता के साथ नीले समुद्र की सुंदरता का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैं। कोलकाता में जन्मी टीना ने अपने करियर की शुरुआत पांच साल की उम्र में शो सिस्टर निवेदिता से की थी और बाल कलाकार के रूप में बंगाली फिल्म पिता माता संतान में अपनी पहली फिल्म की। उन्होंने दस नंबर बारी, चिरोदिनी तुमी जे अमर, और सागरकन्या जैसी कई सफल बंगाली फिल्मों में भी काम किया है। टीना रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' और विद्या बालन-सैफ अली खान की परिणीता में भी दिख चुकी हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किया परिवार के साथ बिताए खास पल

बॉलीवुड और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उनके पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ बिताए खूबसूरत पलों को कैद किया गया है। प्रियंका ने वीडियो के साथ लिखा, लूप पर लगातार चला रही हूं। वीडियो की शुरुआत प्रियंका की सेल्फी से होती है, जिसमें वे एक ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इसके बाद, उनकी बेटी मालती और उनकी बेस्ट फ्रेंड तमन्ना दत्त के साथ भी सेल्फी शामिल है। इस बीच, निक जोनस ने भी अपने सोशल मीडिया पर प्रियंका और मालती के साथ बिताए कुछ खास पलों का वीडियो साझा किया।

ब्रीफ न्यूज

फार्म हाउस लूट के आरोपियों ने कबूली चैन स्नेचिंग की घटना

खरगोन। 3 दिन पहले बड़वाह थाना क्षेत्र के फार्म हाउस पर चल रही पार्टी में हुई लूट मामले में पकड़े गए आरोपियों से पुलिस को चैन स्नेचिंग वारदात का मामला भी सुलझाने में सफलता मिली है। फिलहाल 7 सदस्यीय गैंग के 3 आरोपी पुलिस गिरफ्त में है। 27 जून 24 को नगर पालिका कर्मचारी राजु निवासी बड़वाह ने थाना बड़वाह पर सूचना दी थी कि, नर्मदा भवन रोड़ बड़वाह पर नल खोलने के दौरान एक पल्सर मोटर सायकल पर आए और पिस्टल दिखाकर फरियादी के गले से सोने की चैन खीची जो चैन का एक टुकड़ा आरोपीगण के हाथ लगा जिसे लूट कर मौके से भाग गए। फार्म हाउस लूट मामले में गिरफ्तार केशव उर्फ डुडु भैरवे, मारी उर्फ कान्हा उर्फ रोहित एवं पारस पटेल से पूछताछ में लूट की घटना कारित करना भी स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतुस, एक पल्सर मोटर सायकल एवं लूटा गया सोने की चैन का टुकड़ा कुल कीमती 76 हजार रुपए को जप्त किया गया है।

मीडिया संघ द्वारा अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का किया स्वागत

सीहोर। स्थानीय बड़ा बाज़ार में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित की जारी कथा में मीडिया संघ ने पहुंचकर भव्य स्वागत किया स्वागत करने वालों में संरक्षक के जी बैरागी , मीडिया संघ प्रदेश उपाध्यक्ष धमेंद्र राय ,मीडिया संघ जिला अध्यक्ष नितिन जौहरी , वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर प्रदीप चौहान ,गौतम शाह ,संजय त्यागी ,रूपेश खरे ,रजनी राय ,बिल्लू समाधिया ,मोनू योगी, अंकित शर्मा आदि ने स्वागत किया इस अवसर पर मीडिया संघ के सभी पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ एवं हार माला पहनाकर उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया ।

गलत जानकारी देकर गुमराह कर रहे सचिव

पंचायत अभिलेख में स्वच्छ हो गया फुलड़ी गांव

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले के आदिवासी बाहुल्य टिमरनी ब्लाकांतर्गत ग्राम पंचायत फुलड़ी में स्वच्छता अभियान को अंगूठा दिखाया गया है। नियमों को ताक पर रखकर विकास व निर्माण कार्यों में बजट को पानी की तरह खर्च किया गया है। पंचायत सचिव सत्यनारायण गौर एवं अधिकार का दुरूपयोग करते हुए दायित्वों का निर्वहन किया गया है।

पंचायत अभिलेख में स्वच्छता अभियान के नाम पर लाखों रू. का बजट खर्च होना दिखाया गया है। किंतु पंचायत की दशा किसी से छिपी नहीं है। कार्यालय के आसपास ही कचरे का ढेर लगा हुआ है। गांव की गली मोहल्ले में कचरे का ढेर लगा होने के साथ-साथ नालियां कचरे से सरोबोर है जो सड़कर बदबू दे रही है। जिससे वातावरण दूषित है साथ में मच्छर पनप रहे हैं। स्थानीय लोगों का जीना दुश्वार हो गया है ।

गलत जानकारी देकर किया जा रहा गुमराह – पंचायत सचिव सत्यनारायण गौर द्वारा गलत जानकारी देकर गुमराह किया जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप पंचायत के कार्यों को कराने में उदासीनता बरती जा रही है। विकास व निर्माण कार्यों में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। भारी भरकम बजट को खर्च किया गया है। फिर भी गांव की सूरत नहीं बदली है। गांव की दशा दिशा नहीं बदली है ।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही – योजनाओं के क्रियान्वयन में घोर लापरवाही बरती गई है । पात्र हितग्राहियों को दरकिनार करते हुए अपात्रों को लाभ दिया गया है। मौके पर जाकर हितग्राहियों से चर्चा की जाये तो वास्तविकता सामने आ जायेगी। कायदे कानूनों की परवाह नहीं की गई है।

ग्रामीणों में व्यापक आक्रोश – फुलडी पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ राहुल पटेल, मनोज गौर सहीत अन्य लोगों में व्यापक आक्रोश व्याप्त है। जांच पड़ताल कलाकार पंचायत सचिव सत्यनारायण गौर के रवैये की जांच-पड़ताल कराकर कार्यवाही नहीं की गई तो लोगों का आक्रोश परवान चढ़ जायेगा । भ्रष्टाचार के खिलाफ लाम बंद हुए लोग आक्रोशित होकर आंदोलन आत्मक कदम उठाने को बाध्य हो जाएंगे। जिसकी सारी जानकारी संबंधित अधिकारी की होगी। जिला कलेक्टर का ध्यान इस और करते हुए इस कार्यकाल की कार्यवाही करने की मांग की गई है।

पंचायत भवन नहीं – फुलड़ी पंचायत में भवन अभी तक नहीं बन पाया है। मनरेगा के कार्यों को कराने में सचिव द्वारा मनमानी की जा रही है। दो पंचायत का चार्ज होने की आड़ में यदा-कदा आते हैं। नजरपुरा पंचायत में भ्रष्टाचार करने पर करीब 5 लाख रू. की रिकव्हरी पंचायत सचिव के खिलाफ जारी है। पोखर तलाई रोड का काम कराने में उदासीनता बरती जा रही है। जिसके कारण स्कूली बच्चों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सारे माामले की जांच पड़ताल कराकर कार्यवाही की जायेगी तो अनेक कई मामले सामने आ जायेंगे ।

जिला पंचायत सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

पंचायत सचिव सत्यनारायण गौर ने बताया कि जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सविता झानिया ने फुलडी गांव का औचक निरीक्षण अभी 2 दिन पहले किया है। सचिव द्वारा गलत जानकारी देकर उन्हें गुमराह करके अपने काले कारनामों पर पर्दा डाला गया है। गांव का भ्रमण कर वस्तु स्थिति को नहीं देखा गया है। जिसके कारण गांव की स्थिति वेहद दयनीय है। लोगों को जानकारी नहीं थी अन्यथा स्थानीय लोग सरपंच सचिव की की पोल खोल देते। जो राशि खर्च की गई है उसका भौतिक सत्यापन करते तो निश्चित रूप से स्थित अपने आप स्पष्ट हो जाती ।

दमोह जिले में कैबिनेट की बैठक हो रही है, यह एक बड़ा अवसर है : कलेक्टर कोचर

- 05 अक्टूबर को वीरांगना रानी दुर्गावती की
- 500 वीं जयंती पर होगी कैबिनेट बैठक सिंग्रामपुर में

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के साथ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज सिंग्रामपुर केबिनेट बैठक स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, डीएफओ एमएस उइके, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम अविनाश रावत, एसडीओपी पुलिस श्री ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 5 अक्टूबर को वीरांगना रानी दुर्गावती जी की 500 वीं जन्म जयंती है, उसके परिप्रेक्ष्य में संभावना है कि 5 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक यहां होगी। इसी सिलसिले में आज सभी लोग मंत्री जी के निर्देशन में सिंग्रामपुर में बैठक स्थल, हैलीपेड स्थल आदि स्थानों का भ्रमण किया है और वहां पर सारी व्यवस्थाएं देखी हैं। उन्होंने कहा आवश्यक निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गये हैं, मीटिंग भी कर ली है बहुत व्यवस्थित तरीके से कैबिनेट बैठक के संबंध में चर्चा हुई है, यह पहला अवसर है जब दमोह जिले में कैबिनेट की बैठक हो रही है, यह एक बड़ा अवसर है, जिले के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, सारी तैयारी बहुत चाक चौबंद तरीके से की जायेगी।

छात्रावासी विद्यार्थियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

हरदा। शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास हरदा में स्वास्थ विभाग से डॉ.परमानंद छलोत्रे द्वारा छात्रावासी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर तात्कालिक उपचार कर दवाइयां वितरित की गई । डॉ छलोत्रे द्वारा बच्चों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत व्यक्तिगत एवं सामान्य स्वच्छता के बारे में बताया गया । बच्चों को कृमियों से होने वाली बीमारियों के कारण,लक्षण एवं उससे बचाव तथा उपचार के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान छात्रावास अधीक्षक एस.डी.पनागरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने भाउखेड़ी आजीविका मनरेगा पार्क का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने भाउखेड़ी आजीविका मनरेगा पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया और विस्तार से जानकारी ली। भाउखेड़ी आजीविका पार्क में कलस्टर विकसित किया जा रहा है। एनआरएलएम के जिला प्रबंधक दिनेश बर्फा ने पार्क की गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर प्रवीण सिंह ने पौधारोपण भी किया।

स्वसहायता समूह की दीदियों से पार्क की गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। भाउखेड़ी मनरेगा पार्क 28 एकड़ में निर्मित है। जिसे स्वसहायता समूह द्वारा मनरेगा एवं एनआरएलएम के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। भाउखेड़ी मनरेगा पार्क में पशुपालन, मत्स्यपालन, फलोद्यान तथा औषधीय पौधों की खेती के साथ ही विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इन गतिविधियों के साथ ही पार्क में पशुआहार युनिट, सीड ग्रेटर प्लांट स्थापित है। स्वसहायता समूह द्वारा फार्मा प्रोड्यूसर कंपनी निर्मित कर कृषि से जुड़े अन्य व्यवसाय किए जा रहे हैं।

नाबालिग बालिका के साथ किया आदिवासी युवक ने दुष्कर्म

सत्ता सुधार ■ सिराली

जिले के छीपाबड थाना क्षेत्र में एक 5 वर्षीय मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म का दिल दहलाने वाला मामला सामने आते ही छीपाबड़ पुलिस जांच में जुट गई है। गोलू मंसूरी ने बताया कि सोमवार देर रात बालिका को परिजन सिराली थाने लेकर पहुंचे पुलिस ने बालिका को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कि छीपाबड़ थाना क्षेत्र के एक गांव में आरोपी आदिवासी युवक अपने मामा के गांव में पिछले आठ-दस दिन से रह रहा था। आरोपी का नाम सुनील कोरकू उम्र 22 वर्ष ग्राम खेड़ी जिला खंडवा का निवासी बताया जाता है।

घटना सोमवार की है युवक ने मासूम बालिका को बहला फुसलाकर गांव के करीब नदी के पास ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बालिका को गांव के ही राहगीरों ने देखा और परिवार को सूचना दी तब सभी लोग एकत्रित होकर नदी के पास पहुंचे। आरोपी युवक भाग गया परिजन बालिका को छीपाबड़ और सिराली थाने लेकर पहुंचे जहां पुलिस बालिका को मेडिकल के लिए सिराली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों द्वारा बालिका का मेडिकल कराया गया बालिका का उपचार चल रहा था। परिजनों सहित सेन समाज के लोगों का कहना था कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। इधर मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना की जानकारी लगते ही टिमरनी-सिराली विधायक युवराज अभिजीत शाह भी सिराली चिकित्सालय पहुंचे। परिजनों से मुलाकात की और बालिका के स्वास्थ्य के बारे में डॉक्टर से जानकारी सहीत ऐसी घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी पर कठोर कार्यवाही की बात कही है। उन्होंने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी करने की बात कही इधर आक्रोशित समाज के लोगों ने बताया कि आरोपी का एनकाउंटर किया जाए। वहीं सूत्रों की माने तो आरोपी कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। रात 3 बजे तक परिजन और समाज के लोग वहीं चिकित्सालय में मौजूद रहे। हरदा एसपी अभिनव चौकसे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए देर रात्रि ही आरोपी की तलाश के लिए टीम रवाना कर दी। लेकिन आक्रोशित परिजन एवं समाज के लोगों ने मंगलवार सुबह से ही सिराली मसनगांव रोड चिकित्सालय के सामने चक्का जाम किया । सेन समाज जिलाध्यक्ष निलेश सेन द्वारा बताया कि पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे को बुलाकर लिखित में कार्यवाही करने का अश्वासन मांगा ।

18 पेटी शराब के साथ कार जब्त, एक गिरफ्तार

खरगोन। पुलिस ने एक चार पहिया वाहन को शराब तस्करी के मामले में जब्त किया है। कार से 18 पेटी देशी शराब बरामद कर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार थाना मंडलेश्वर पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर सोनिया नगर नाले के पास कसरावद तरफ से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक जीजे.01.एचआर.1498 में को रोका, कार में बैठा व्यक्ति पुलिस टीम को देख कर झाडियों व अंधेरे का फायदा उठा कर मौके से भाग गया। तलाशी लेने पर कार से 18 पेटी अवैध शराब की मिली व कार में बैठे व्यक्ति का मोबाईल फोन भी मिला, जिसे पुलिस टीम ने विधिवत जप्त किया है। जब्त कार की कीमत 76 हजार 500 रुपए आंकी गई है।

सरस्वती शिशु मंदिर के सन् 81-82 बैच के छात्र-छात्राओं का मिलन समारोह हुआ आयोजित

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्थानीय डॉक्टर भारत आर्य के मंडी स्थित फ़ार्महाउस पर सरस्वती शिशु मंदिर के सन् 81- 82 बैच के छात्र छात्राओं का मिलन समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर सर्वप्रथम तत्कालीन शिक्षक सुगंधी आचार्य का शाल श्रीफल एवं फूल माला से सभी छात्र छात्राओं द्वारा सम्मान किया गया एवं चरण स्पशज् कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर सभी ने विभिन्न प्रकार के खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर बचपन की यादें ताज़ा की दिन में भोजन के पश्चात् गीत संगीत का रंगारंग कायज़्क्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी लोगों द्वारा सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी गई इस कार्यक्रम में सीहोर भोपाल के अलावा सीमा मंडलोइ (मुम्बई), डॉक्टर चन्द्रशेखर शमाज़्, सुधा राठौर (इंदौर), मोनिका शुक्ला , शशिकांत शुक्ला (भोपाल) , विममी खत्री (जबलपुर), शोभा मंत्री (बीना) प्रीति ब्याणी (ग्वालियर) सपरिवार उपस्थित रहे । कार्यक्रम में शाम को सीहोर की आयोजन समिति के द्वारा सभी पधारे अतिथियों का धन्यवाद प्रकट किया एवं इस कार्यक्रम को आने वाले वर्षों में और वृहद स्तर पर करने का संकल्प लिया गया । इसके पश्चात सभी उपस्थित छात्रगण सपरिवार सरस्वती शिशु मंदिर की खजांची लाइन स्थित भवन एवं जिला न्यायालय के पीछे स्थित स्कूल भवन में जाकर पुरानी यादें ताज़ा की वहाँ पर 81- 82 बैच की सहपाठी अर्चना वर्तमान शिक्षिका द्वारा तिलक लगाकर गमछा एवं फूल मालाओं से सभी का स्वागत किया गया । आयोजित कार्यक्रम में भोपाल से 5 सहपाठियों के परिवार एवं सीहोर से 9 सहपाठियों के परिवार उपस्थित रहे।

अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद भक्ति महिला परिषद ने मनाया क्षमा वाणी पर्व

सीहोर। अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की सीहोर ईकाई भक्ति महिला परिषद सदस्यो द्वारा क्षमा वाणी महापर्व पखवाडे आयोजन की श्रखंला मे क्षमावाणी पर्व मनाया कार्यक्रम मे वक्ताओ ने अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर सचिव अर्चना जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए परिषद के विभिन्न आयोजन ओर उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला ! प्रतियोगिता मे सारगर्भित लेख एंव निबंध प्रतियोगियो को पुरस्कार प्रदान किए भजन संध्या भक्ति भाव से ओत्प्रोत गीत संगीत के साथ भजन का आयोजन किया गया एंव प्रभावना के रुप मे फल वितरित किए गए ! इस अवसर पर मुख्य रूप से परिषद की सदस्य विमला जैन, अर्चना जैन, अनीता जैन, कमलश्री, सरोज जैन पप्पूजैन ,रानी जैन डाक्टर नीलमणी जैन, रोशनी जैन, तिलका जेन ,आदि मुख्य रूप से उपस्थित थी ।

प्राचार्य समीक्षा बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने दिए सख्त निर्देश

शिक्षक आत्म चिंतन करें, विद्यार्थियों को ऐसे संस्कार दें वे एक अच्छे नागरिक बने : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ दमोह

संकुल स्तर पर आधार अपडेशन कार्य जिला स्तरीय टीम द्वारा किया जा रहा हैं, सभी प्राचार्य इसे गंभीरता से लेते हुए सभी विद्यार्थियों के आधार अपडेशन व करेक्शन कार्य समय सीमा में पूर्ण कराये। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित संकुल प्राचार्य की समीक्षा बैठक में समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यो को इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जो भी मैसेज किए जाते हैं उन्हें गंभीरता से लें तथा पालन करें अन्यथा की स्थिति में शिकायत प्राप्त होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज न करने वाले अधिकारी-कर्मचारी एवं शिक्षकों पर अक्टूबर माह से सख्त निगरानी करते हुए लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री कोचर ने कहा विद्यार्थियों में ऐसे संस्कार दिये जाये जिससे वे एक अच्छे नागरिक बने। शिक्षक आत्म चिंतन करें, विद्यार्थियों के समक्ष वह जो भी कर रहे हैं विद्यार्थी के मानस पटल पर उसका अमिट प्रभाव पड़ता है आगे चलकर जो उसके संस्कारों में परिवर्तित हो जाता हैं। विद्यालयों में ऐसे अनेक शिक्षक हैं जो बिना किसी मॉनिटरिंग के बिना डर के स्वयं अनुशासन द्वारा अपने विद्यार्थियों का भविष्य संवारने में तन-मन-धन से समर्पित हैं तथा नवाचारों द्वारा अपने विद्यार्थियों एवं विद्यालयों को अग्रणी बनाए हुए हैं, ऐसे शिक्षकों की पहचान कर सुपर 100 टीम तैयार करनी हैं।

कलेक्टर श्री कोचर ने कहा 02 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की थीम स्वभाव स्वच्छता एवं संस्कार स्वच्छता विद्यार्थी केंद्रित आयोजित किए जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुये कहा कि पालक शिक्षक बैठक कक्षावार आयोजित की जाए, प्रत्येक अभिभावक को उसके विद्यार्थी की एकेडमिक गतिविधियों, उपलब्धियां अथवा समस्याओं से परिचित कराया जाए तथा इसे पब्लिक स्कूल की तर्ज पर ही आयोजित किया जाए, सामूहिक पीटीएम बैठक आयोजित नहीं की जाये।

10 अक्टूबर तक जिन विद्यालयों ने इंस्पायर अवार्ड मानक में पंजीयन नहीं किया हैं ऐसे सभी विद्यालयों की सूची तैयार कर पंजीयन कराने की जवाबदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य की होगी। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के अंतर्गत 28 सितंबर को होने वाले प्रथम मॉक टेस्ट में कक्षा नवमी के समस्त विद्यार्थी भाग लेंगे तथा शिक्षकों द्वारा किसी भी तरह की सर्वे में लापरवाही नहीं की जायेगी, इसे वार्षिक परीक्षा की तरह आयोजित कर वास्तविक परिणाम प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। लापरवाही बरतने अथवा नकल आदि की स्थिति में लिप्त पाए गए शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा, सहायक संचालक आदिम जाति विभाग रिया जैन, जिला परियोजना समन्वयक मुकेश द्विवेदी, एडीपीसी एस. के. असाटी, जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक महेश अग्रवाल, सहायक परियोजना समन्वयक मोहन राय, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

रुपया तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रुपये ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया और यह तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। वह 83.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दर्शाता है।

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था।

चीन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा से भारत में चमके मेटल शेयर

मुंबई। चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा अगले सप्ताह में ब्याज दरों में कटौती की घोषणा का सीधा असर मंगलवार को भारतीय बाजारों के मेटल शेयरों पर नजर आया। भारत में सेंसेक्स और निफ्टी के फ्लैट कारोबार करने के बावजूद मेटल इंडेक्स 2 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और मेटल इंडेक्स में शामिल सारे शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई पर मेटल शेयरों का कारोबार 32,420 पर शुरु हुआ, जबकि कल 32,178 पर बंद हुआ था। इस समय यह 2 फीसदी बढ़त के साथ 32,788 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की घोषणा के कुछ ही हफ्तों बाद, चीन ने भी आर्थिक कदम उठाते हुए रिजर्व रिक्वायरमेंट रेशो में आधा प्रतिशत की कटौती की है।

निसान मैग्नाइट की मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

स्अगले महीने यानि की अक्टूबर में निसान मैग्नाइट फेसलिफ्ट के मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद है। इस अपडेट का उद्देश्य एसयूवी को और अधिक आकर्षक बनाना है। लॉन्च के बाद से निसान मैग्नाइट में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, इसलिए अब यह एक सही समय है जब इस एसयूवी को एक मेकओवर मिल सकता है। हालांकि निसान एक प्रमुख वैश्विक कार ब्रांड है, लेकिन भारतीय पैसेंजर व्हीकल बाजार में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है। कम बिक्री के कारण निसान को अपनी भारतीय लाइनअप को सीमित करना पड़ा है और अब कंपनी केवल दो मॉडल्स बेचती है - एक कॉम्पैक्ट और किफायती एसयूवी मैग्नाइट और दूसरी प्रीमियम ऑफरिंग एक्स-ट्रैल। इस स्थिति में निसान मैग्नाइट कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कार बन गई है, जिसने कंपनी को बाजार में बनाए रखा है। इसी वजह से निसान अब इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कई नई चीजें देखने को मिलेंगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, 2024 निसान मैग्नाइट में नए रेडिएटर ग्रिल, फिर से डिजाइन किए गए हेडलैंप, अपडेटेड एलईडी डे-लाइट रनिंग लाइट्स, और नए डिजाइन के फ्रंट और रियर बंपर के रूप में कॉस्मेटिक बदलाव होंगे। इसके अलावा, नई डिज़ाइन के अलॉय व्हील्स और टेललाइट्स भी देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, इसके डायमेंशन्स में बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2024 निसान मैग्नाइट के इंजन में ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह मौजूदा मॉडल के इंजन सेट के साथ ही आएगी, जिसमें 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन 5-स्पीड मैनुअल या 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ आता है, जबकि टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल मोटर 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी यूनिट ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। केबिन के इंटीरियर में भी कुछ स्पोर्टी बदलाव किए जा सकते हैं, हालांकि इसका डिज़ाइन लेआउट पहले जैसा ही रहेगा। 2024 निसान मैग्नाइट का मुकाबला टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू और महिंद्रा 3एक्सओ जैसी एसयूवी से होगा। इसके अलावा, यह रेनो काइगर, मारुति फ्रोंक्स और टाटा पंच से भी टक्कर लेगी। डैशबोर्ड में कुछ बदलाव होने की संभावना है, और इसमें सिंगल-पैन सनरूफ और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स भी हो सकते हैं। टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम को बड़ी स्क्रीन मिलने की संभावना है, जिससे यह एसयूवीउपभोक्ताओं के लिए और भी आकर्षक बन सके।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ कृष्णन गोपालकृष्णन पर भी 15 लाख का जुर्माना

एजेंसी ■ मुंबई

शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी, जो कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, ने अपने अधिकारों से बाहर जाकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने शेयरधारकों के हित में काम नहीं किया और न ही सावधानी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। सेबी ने यह भी बताया कि अनमोल अंबानी ने रिलायंस कैपिटल और रिलायंस होम फाइनेंस के बोर्ड में रहते हुए उचित सतर्कता का पालन नहीं किया। जीपीसीएल लोन के मामले में उन्होंने अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को फंड भेजने के मामले में भी उचित जांच नहीं की। कृष्णन गोपालकृष्णन ने भी कई जीपीसीएल लोन को मंजूरी दी और उन लोन के क्रेडिट अप्रूवल मेमो में दर्ज महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जानते थे। रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के तहत सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था और कंपनी के सभी हितधारकों के हित में काम करना चाहिए था। दोनों अनमोल अंबानी और गोपालकृष्णन ने सेबी के लिस्टिंग ओब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट नियमों का उल्लंघन किया है।

यूपी और बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर अब पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार सुबह जारी खुदरा भाव में काफी बदलाव दिख रहा है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेल के दाम गिरे हैं और कुछ जगह तो पेट्रोल 1 रुपये तक सस्ता हो गया है। वैश्विक बाजार में अभी ब्रेंट क्रूड का भाव 74 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी भाव के अनुसार यूपी के गाजीपुर जिले में पेट्रोल 1.01 रुपये सस्ता होकर 94.84 रुपये लीटर, डीजल भी 1.04 रुपये गिरा और 87.99 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 105.18 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 83 पैसे गिरकर 92.04 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 94.84 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे टूटकर 87.69 रुपये लीटर है। बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट दिखी है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 74 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 70.49 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में हीरो मोटोकॉर्प

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब केवल कम सीसी वाली हल्की बाइक्स ही नहीं, भारी और पॉवरफुल बाइक्स बनाने के लिए भी जाना जाएगा। हीरो पिछले कुछ समय से एक बड़े एक्सप्लस पर काम कर रही है। कंपनी एक्सप्लसके 210सीसी और 421सीसी वैरिएंट की तैयारी कर रही है, लेकिन कंपनी ने अभी तक किसी तरह की पुष्टि नहीं की है। हाल ही में एक्सप्लस की तरह हीरो की एक नई बाइक को खारदुंग ला, लद्दाख के पास स्पॉट किया गया है, जिसे एक्सप्लस का बिग साइज मॉडल कहा जा रहा है। इसकी कुछ स्पाई इमेज भी सामने आई हैं। इन मोटरसाइकिलों को हीरो एक्सप्लस 210 बताया जा रहा है, जो आने वाले महीनों में बाजार में लॉन्च हो सकती है और इसका सीधा मुकाबला रॉयल एनफील्ड की हिमालयन से होने की उम्मीद है। आइए इस बाइक के बारे में डिटेल्स जानते हैं। स्पॉट की गई बाइक्स पूरी तरह कवर थीं लेकिन नया मॉडल मौजूदा एक्सप्लस से बड़ा और भारी-भरकम दिखाई देता है। इन मोटरसाइकिलों में राउंड एलईडी हेडलैंप, एक छोटा वाइजर, थोड़ा बड़ा फ्यूल टैंक और स्लिम डिजाइन देखने को मिला है।

नॉर्वे में पेट्रोल वाहनों से ज्यादा हुई इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नॉर्वे ने एक नई उपलब्धि हासिल की है, जहां अब इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या पेट्रोल वाहनों से अधिक हो गई है। नॉर्वेजियन रोड फेडरेशन के अनुसार, देश में रजिस्टर्ड 2.8 मिलियन प्राइवेट पैसेंजर कारों में से 7,54,303 पूरी तरह इलेक्ट्रिक हैं, जबकि पेट्रोल वाहनों की संख्या 7,53,905 है।

डीजल वाहनों का रजिस्ट्रेशन अब सबसे कम हो गया है, और अगस्त 2023 में नए रजिस्टर्ड वाहनों में 94.3 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हुए। नॉर्वे की यह सफलता वर्षों के प्रयासों का परिणाम है। 1990 के दशक की शुरुआत से ही वहां की सरकार और नागरिकों ने समझ लिया था कि इलेक्ट्रिक वाहन भविष्य का हिस्सा हैं। नॉर्वे की संसद ने 2025 तक सभी नई कारों को शून्य-उत्सर्जन (इलेक्ट्रिक या हाइड्रोजन) बनाने का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। 2022 के अंत तक, रजिस्टर्ड कारों में 20 प्रतिशत से अधिक बैटरी इलेक्ट्रिक थीं, और इस साल बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की बाजार हिस्सेदारी 79.2 प्रतिशत रही। नॉर्वे की 55 लाख की आबादी में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति जागरूकता उल्लेखनीय रही है। सरकार ने ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई योजनाएँ लागू कीं, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को सस्ती और सुविधाजनक बनाया गया। इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए सबसे बड़ा बदलाव टैक्स नीतियों में किया गया। नॉर्वे की सरकार ने उच्च उत्सर्जन वाली कारों पर उच्च टैक्स और कम या शून्य उत्सर्जन वाली कारों पर कम टैक्स लगाने का निर्णय लिया।

इसके तहत, एनओके 500,000 (लगभग 40 लाख रुपये) तक के इलेक्ट्रिक वाहनों को वैट से छूट मिली, जबकि इस राशि से अधिक की कीमत वाले वाहनों पर केवल अतिरिक्त राशि पर 25 प्रतिशत वैट लगाया गया।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 फीसदी बरकरार रखा

नयी दिल्ली। 24 सितंबर (भाषा) एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर मंगलवार को बरकरार रखा और कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसमें कहा गया कि भारत में ठोस वृद्धि से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत में अप्रैल-जून तिमाही में उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर धीमी रही। हालांकि, यह समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारे सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत की दर के अनुमान के अनुरूप है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि हमारा परिदृश्य यथावत बना हुआ है।

सोना हल्की बढ़त के साथ 74,450 रुपए, चांदी 89,905 रुपए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को तेजी देखी जा रही है। मंगलवार को पीली धातु की कीमत मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 0.21 फीसदी तेजी के साथ 74,450 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 89,905 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही थी। नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने का भाव सोमवार को 600 रुपए चढ़कर 76,950 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 76,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 600 रुपए बढ़कर 76,600 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 76,000 रुपए था। सूत्रों ने स्थानीय बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग को दिया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की कमजोर मांग के कारण स्थानीय बाजार में सात दिन की तेजी का सिलसिला टूट गया और चांदी 1,000 रुपए गिरकर 90,000 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 91,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,300 रुपए, मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए, कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 69,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 76,150 रुपए, चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है।

एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है स्थिति

सैमसंग में हड़ताल विनिर्माण के लिए खतरा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सैमसंग के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र में यदि श्रमिकों की हड़ताल जल्द समाप्त नहीं होती है तो भारत के लिए वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की अपनी चाहत में महत्त्वपूर्ण जमीन खोने का खतरा हो सकता है। दिल्ली स्थित ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह अनुमान जताया। अगर तमिलनाडु सरकार शीघ्र हस्तक्षेप नहीं करती है तो स्थिति एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि नौकरियां समाप्त होंगी और विनिर्माण क्षेत्र में चीन का दबदबा बढ़ेगा। उद्योग मंत्रालय के एक पूर्व अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार भारत को औद्योगिक खुफिया इकाई स्थापित करनी चाहिए ताकि यह पता लग सकें कि इस तरह की बाधाएं किसी विदेशी प्रभाव के कारण तो नहीं खड़ी हो रही हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की चेन्नई के करीब स्थित श्रीपेरंबुदूर में विनिर्माण इकाई में उत्पादन सितंबर की शुरुआत से ही प्रभावित है। इसका कारण यह है कि इस इकाई के सैकड़ों श्रमिक वेतन बढ़ाने, कार्य के घंटे कम करने सहित अन्य मुद्दों की मांग को लेकर सितंबर की शुरुआत से ही हड़ताल पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह हड़ताल सैमसंग तक सीमित नहीं रह गई है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में अपनी पहचान बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। सीटू क्षेत्र की फॉक्सकॉन, फ्लेक्स और सैनमिना इकाइयों में अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि इस वामपंथी संगठन पर नजर नहीं रखी गई तो तमिलनाडु का इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इससे संभवतः व्यापक तौर पर भारत का विनिर्माण उद्योग प्रभावित होगा। इसके अलावा विदेशी निवेशक सैमसंग की स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। विदेशी निवेशक श्रमिक समस्या लंबे समय तक जारी रहने की स्थिति में भारत में अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर सकते हैं। भारत अभी दक्षिण कोरिया और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) से कारोबारी समझौतों की समीक्षा कर रहा है।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं। वर्तमान में जीएसटी का चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दरें हैं। आवश्यक वस्तुओं पर या तो छूट दी गई है या उन्हें सबसे निचली दर पर टैक्स किया गया है, जबकि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उच्चतम 28 फीसदी की दर लागू होती है और उन पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है।

ब्रीफ न्यूज

वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 26 सितम्बर को गांधी औषधालय में

मुरैना। पोषण माह के अंतर्गत वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 26 सितम्बर को गांधी चिकित्सालय मुरैना में किया जायेगा। स्वास्थ्य शिविर में हड्डियों की बीएमडी जांच की जायेगी। इसके साथ ही बीपी, सुगर एवं एचबी जांच भी की जायेगी।

जिला स्तरीय जागरूकता शिविर एवं प्रगति की समीक्षा 25 को

मुरैना। वर्ष 2024-25 गतिविधि कैलेण्डर अनुसार पीएमएफएमई योजनान्तर्गत कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में 25 सितम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे आयोजित की गई है। यह जिला स्तरीय बैंको के अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारियों के साथ जागरूकता शिविर का आयोजन संबंधी बैठक रहेगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत, लीड बैंक, उद्योग, कृषि, एमपी एग्रो, उद्यान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मत्स्य पालकों से संबंधित संस्थाओं का पंजीयन की तिथियां निर्धारित

मुरैना। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के अन्तर्गत जिले के सभी मत्स्य पालकों से संबंधित संस्थाओं का पंजीयन मत्स्य विभाग मुरैना द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में विकासखण्डवार निर्धारित स्थानों पर कैम्पों के लिये तिथियां भी निर्धारित की गई है। प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग कमल नार्वे ने बताया कि जिले के समस्त मत्स्य पालकों एवं संबंधित संस्थाओं के पंजीकरण हेतु तिथियां विकासखण्डवार निर्धारित की गई है। जिसमें मुरैना जनपद के ग्राम किशनपुर में 25 सितम्बर बुधवार को, ग्राम काजबसई में 26 सितम्बर गुरूवार को, नूरावाद/बानमौर में 30 सितम्बर सोमवार को तथा इस्लामपुरा में 7 अक्टूबर सोमवार को कैम्प आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत जौरा के सुभाषनगर में 27 सितम्बर शुक्रवार को, जनपद पंचायत सबलगढ़ के ग्राम कैमाराकलां में 3 अक्टूबर गुरूवार को, संतर नंबर 5 पचासा लाइन शिवलालपुरा सबलगढ़ में 4 अक्टूबर शुक्रवार को और जनपद पंचायत पहाडगढ़ के ग्राम कहारपुरा में 8 अक्टूबर मंगलवार को यह कैम्प आयोजित किये जायेंगे।

सायबर सिक्योरिटी कार्यशालायें आयोजित कर दिया युवाओं को संदेश

मुरैना। पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में सायबर सिक्युरिटी कार्यशालाएँ 23 सितम्बर को ऋषि गालव कॉलेज मुरैना एवं 24 सितम्बर 2024 को शासकीय कन्या अग्रणी महाविद्यालय मुरैना दोपहर 1 बजे आयोजित की गई। जिसमें लगभग 135 युवाओं के द्वारा अपनी सहभागिता दर्ज करायी गई। कार्यशालाओं में साइबर सिक्योरिटी से संबंधित आम दैनिक जीवन में घटित होने वाले अपराधों की जानकारी एवं उसका बचाव इत्यादि की जानकारी शेलेन्द्र सिंह एवं राहुल जाट (साइबर सेल कार्यालय पुलिस अधीक्षक मुरैना) के द्वारा दी गई। कार्यशालाओं के दौरान युवाओं को माय भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन करने हेतु अनुरोध किया गया।

एमआई फूड फैक्ट्री के जहरीले पानी से 50 बीघा बाजारा की फसल चौपट, किसान पहुंचे कलेक्ट्रेट

एसडीम ने किसानों को दिया कार्यवाही का आश्वासन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नूराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत करुआ गांव में संचालित एमआई फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संचालक द्वारा केमिकल युक्त पानी के निकास के लिए उचित व्यवस्था न किए जाने से जहरीला पानी किसानों के खेतों में पहुंचकर उनकी फसले बर्बाद कर चुका है। पीड़ित किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कार्यवाही के लिए जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन एसडीएम भूपेंद्र सिंह को दिया, जिस पर उन्होंने कार्यवाही का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व भी क्षेत्र के किसानों द्वारा केमिकल युक्त जहरीले पानी फसले बर्बाद होने का मुद्दा उठाया था लेकिन वह मामला ऊंची पहुंच के चलते रफा-दफा कर दिया गया। इस बार भी किसानों को कोई राहत मिलेगी ऐसा प्रतीत होता दिखाई नहीं दे रहा। नूराबाद थाना क्षेत्र के जरेरुआ गांव से भारी संख्या में किसान मंगलवार की दोपहर कलेक्ट्रेट पहुंचे और एसडीएम भूपेंद्रसिंह को जानकारी देते हुए बताया कि एमआई फूड प्रोडक्ट कंपनी के मालिक रमेश चंद्र बिरला द्वारा फैक्ट्री से निकलने वाले गंदे पानी को उनके खेतों में पहुंचा दिया गया है, जिससे आधा दर्जन से अधिक किसानों की 50 बीघा बाजरा की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, वहीं पीने के पानी मैं भी यह केमिकल जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में तमाम बीमारियां फैल रही है। कुछ वर्ष पूर्व भी ग्राम करुआ के किसानों ने उक्त फैक्ट्री के केमिकल युक्त जहरीले पानी को लेकर बड़ा आंदोलन किया था, लेकिन फैक्ट्री मालिक द्वारा अधिकारियों से सांठ-गांठ कर मामले को शांत कर दिया गया। गौर तलब है कि पहले से ही जिले के किसान अतिवृष्टि के कारण फसले चौपट हो जाने से आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और अब उक्त फैक्ट्री के जहरीले पानी ने किसानों को पूरी तरह सड़क पर ला दिया है।

- इनका कहना है....

करुआ गांव के किसानों ने बताया है कि एमआई फूड कंपनी के मालिक द्वारा केमिकल युक्त के निकास के लिए ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है और यह पानी कुएं में पहुंच रहा है, जिससे किसानों का पानी जहरीला हो रहा है और फसले चौपट हो रही है। पानी का सैंपल लेकर उसकी जांच कराई जाएगी तथा पॉल्यूशन विभाग से भी इसकी जांच कराएगें।

भूपेंद्र सिंह कुशवाह, एसडीएम, मुरैना

बाइक सवार बदमाशों ने एसपी ऑफिस के बाबू का एप्पल फोन लूटा, पुलिस भी नहीं सुरक्षित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर कोतवाली के अंतर्गत धर्म इन होटल के पास सोमवार की शाम घर जा रहे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ बाबू का दो बाइक सवार बदमाश सरेआम हाथ से मोबाइल लूटकर भाग निकले। बाबू द्वारा शोर मचाया गया लेकिन तब तक बदमाश तेज गति से निकाल कर अदृश्य हो गए। बाबू ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारी को दी जिस पर पुलिस ने काफी बदमाशों को पकड़ने के लिए काफी हाथ पैर मारे, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है।

बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ बाबू जय अरोरा सोमवार की शाम को पैदल अपने घर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में जा रहे थे और मोबाइल उनके हाथ में था, तभी पीछे से मौका देखते हुए एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मार कर एप्पल कंपनी का मोबाइल लूट लिया और तेज गति से बाइक पर भाग निकले। श्री अरोरा ने शोर मचाया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

घटना के तत्काल बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारी को सूचना दी, जिस पर से पुलिस मौके पर पहुंची सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर दो युवक बाइक से जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनकी पुलिस पहचान करने में लगी हुई है। शहर में जब पुलिस कर्मचारी ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता क्या होगी। पिछले काफी समय से शहर के अंदर इसी प्रकार की लूट की वारदातें लगातार हो रही है, लेकिन पुलिस का भय बदमाशों में कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

अपराधों पर लगाम लगाने के बजाय चेकिंग अभियान चलाकर हो रही खानापूर्ति

शहर में लगातार चोरी लूट की वारदातों से आमजन भयभीत है और अब तो बदमाश पुलिस कर्मियों को भी नहीं छोड़ रहे हैं तथा उनके साथ भी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस की दोपहिया वाहन चेकिंग को लेकर हाल ही में क्षेत्रीय विधायक दिनेश गुर्जर द्वारा कई सवाल खड़े किए गए थे तथा चेतावनी भी उनके द्वारा दी गई, लेकिन इसका असर पुलिस पर दिखाई नहीं दे रहा। शहर में अपराधों की रोकथाम एवं बदमाशों को पकड़ने के स्थान पर तीनों थाना क्षेत्र की पुलिस केवल दोपहिया वाहनों की चेकिंग कर अपनी ड्यूटी पूरी कर रही है और इस चेकिंग के दौरान वही रोज के शहरी एवं ग्रामीण लोगों का सामना पुलिस से हो रहा है तथा लंबे समय से चल रही चेकिंग में कोई भी बदमाश पुलिस की पकड़ में नहीं आया है।

गलत इंजेक्शन लगाने से युवक की मौत, डॉक्टर मां बेटे को अस्पताल में छोड़कर भागा

मुरैना। सुमावली थाना क्षेत्र के टिकटोली मोजा छोटी खो गांव में सोमवार की शाम बुखार आने पर एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा युवक को गलत इंजेक्शन लगा दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई और बाद में उक्त डाक्टर दोनों मां बेटे को जिला अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया। पीड़ित परिवार ट्रैक्टर ट्राली में भरकर मुरैना आया और कलेक्ट्रेट पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। बताया जाता है कि दिनेश पुत्र दीपक नाथ उम्र 18 साल निवासी टिकटोली मोजा छोटी खौ को सोमवार के दिन बुखार आ गया था, जिसके बाद उसे वहीं के झोलाछाप डॉक्टर नत्थी कुशवाह के पास उसकी मां रहीसा लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर द्वारा एक इंजेक्शन लगाया तो उसके मुंह से झाग निकलने लगे और दूसरा लगाया तो उसकी मौत हो गई। यह देख डॉक्टर के हाथ पांव फूल गए और वह मां बेटे को लेकर जिला अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया। विधवा मां रहीसा का यही इकलौता बेटा था और वही परिवार चलाता था। बेटे की मौत से दुखी मां ग्रामीणों के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंची और वहां शिकायत कर डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों द्वारा मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

15 फीट लंबे अजगर ने सियार को निगला, वन विभाग ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जौरा रेंज के अंतर्गत आने वाले ककरधा गांव में एक 15 फीट लंबे अजगर ने सियार को निगल लिया और ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। बताया जाता है कि जिले की जौरा रेंज के अंतर्गत आने वाले ककरधा गांव में सुबह एक किसान को खेत में 15 फीट लंबा अजगर दिखा और वह भागता हुआ पक्की सड़क पर आ गया, जिसके बाद इसकी सूचना ग्रामीणों को लगी और वहां भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने जौरा वन विभाग की टीम को फोन से सूचित किया, जिसके बाद वन विभाग जौरा की टीम तत्काल गांव में पहुंची और टीम ने अजगर को पकड़ने का रेस्क्यू किया, लेकिन लोगों की भीड़ ज्यादा होने के कारण अजगर का रेस्क्यू दो बार असफल रहा। जनता शोर कर रही थी, जिसके कारण अजगर झाड़ियों में घुस गया। वन विभाग की टीम ने बागचीनी थाना पुलिस को बुलवाया, फिर जनता को हटाने के बाद वन विभाग की टीम ने 15 फीट लंबे अजगर का रेस्क्यू करने में तीसरी बार सफलता हासिल की। इस रेस्क्यू में अच्छी बात यह थी कि अजगर ने सियार को निगला हुआ था, जिसके कारण वह भागने में असफल रहा।

इनका कहना है....

इस अजगर की सूचना हमें गांव के लोगों ने फोन पर दी, जिसके बाद हम तुरंत गांव में अपनी टीम को लेकर पहुंचे। अजगर का रेस्क्यू दो बार लोगों की भीड़ ज्यादा होने के कारण असफल रहा। बागचीनी थाना पुलिस को बुलवाया, फिर भीड़ को पुलिस ने हटाया और तीसरे प्रयास में इस अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया है, जिसे अब जंगल में छोड़ रहे हैं।

विनोद उपाध्याय, डिप्टी रेंजर, वन विभाग

चम्बल भवन में उपसंचालक अशोक निम ने जनसुनवाई की

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में पंचायती राज के उपसंचालक अशोक निम ने 24 सितंबर को जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में 04 आवेदकों ने सीधे पहुंचकर अपनी समस्याएं बताई। जनसुनवाई में कैलारस निवासी मुन्नालाल शर्मा ने आवेदन प्रस्तुत किया कि मेरी पुत्री दीपिका शर्मा गैस लीकेज से अग्नि दुर्घटना में ईलाज के दौरान खत्म हो गई। जन-धन हानि का मुआवजा दिया जाए। जालौनी निवासी शिवकुमार पुत्र मुलायम सिंह तोमर ने शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 527 पर अतिक्रमण हटाने, छत्ते के पुरा निवासी दर्शन सिंह माहौर ने जीपीएफ एवं डीपीएफ निलंबन अवधि का तथा क्रमोन्नति के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम का दो दुग्ध डेयरी पर छापा, मावा, घी एवं दूध के भरे सैंपल

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा त्योहारों को देखते हुए मिलावटी घी, दूध, मावा आदि पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को नावली बड़ागांव थाना दिमनी एवं जिनावली नगरा गांव में एक-एक दुग्ध डेयरी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता एवं अनिल प्रताप सिंह परिहार ने पुलिस के साथ छापा मारा और सैंपल भरकर जांच हेतु भेज दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने मंगलवार की दोपहर नावली बड़ागांव थाना दिमनी स्थित मुस्कान डेयरी के संचालक अरविंद सिंह तोमर के यहां कार्रवाई करते हुए मावा एवं घी के नमूने लेकर जांच हेतु भेजे गए। इसके बाद टीम द्वारा जिनावली नगरा थाना माता बसैया प्रभारी जयपाल सिंह के साथ सिलेश पुत्र रामवीर की डेरी पर छापा मारकर दूध एवं मावा के नमूने लेकर जांच हेतु भेज दिए गए हैं। सैंपलों की जांच आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पांच आरोपियों के शस्त्र लाइसेंस हुए निलंबित

मुरैना। पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर जिला कलेक्टर ने विभिन्न थाना क्षेत्र के अपराध में शामिल आरोपियों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिवेदन में आशंका जाहिर की है कि विभिन्न अपराधों में लिप्त यह अपराधी कभी भी कोई वारदात कर सकते हैं, इसलिए इनके शस्त्र लाइसेंस निलंबित किया जाना उचित होगा। जिला कलेक्टर द्वारा अंबाह थाना क्षेत्र के अपराध में शामिल आशाराम उर्फ आशोली पुत्र सालिगराम शालिगराम शर्मा निवासी गीलापुरा, महुआ थाना क्षेत्र के अपराध में शामिल बिहारी पुत्र अगनलाल सखवार निवासी गणेशपुरा एवं देवगढ़ थाना क्षेत्र के अपराधों में शामिल तीन आरोपियों नत्थी उर्फ नाथू सिंह गुर्जर पुत्र चन्द्रभान सिंह गुर्जर निवासी बरवासिन, शैलेन्द्र सिह गुर्जर उर्फ बंटी पुत्र रामविलास गुर्जर निवासी खुलावली, विनोद सिंह उर्फ बिल्ला पुत्र रामेश्वर सिंह सिकरवार निवासी खेरे वाले का पुरा खाण्डोली आरोपियों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 143 आवेदनकर्ताओं की समस्या

मुरैना। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर अंकित अस्थाना द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में उन्होंने 143 आवेदनकर्ताओं से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। उन्होंने 10 आवेदन टीएल मार्क किये जिनका समाधान टाइम लिमिट बैठक में किया जाना संभव था। कलेक्टर श्री अस्थाना ने नगर निगम को जनसुनवाई के दौरान निर्देश दिये कि निवि ग्राम पर कचरा डंपिंग के केन्द्र पर स्प्रे करायें ताकि वहां से दूषित वायु को निकलने से रोका जा सके।

ज्ञापन पशुपालन विभाग के संचालक के पदोन्नति आदेश में उल्लेख किया गया है....

कर्मचारी संघ ने 25 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएम के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ भोपाल के आव्हान पर मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की 25 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम से जिला कलेक्टर को देते हुए मांगों का तुरंत निराकरण करने की बात कही। ज्ञापन में मांग की गई है कि मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन योजना वरिष्ठता के साथ लागू कि जावे, प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों की पदोन्नतियां माननीय सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका के अधीन उल्लेखित कर अति शीघ्र प्रारंभ की जावे जैसा कि पशुपालन विभाग के संचालक के पदोन्नति आदेश में उल्लेख किया गया है। प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता देते हुए एरियर्स की राशि का भुगतान किया जाए। प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों सहित निगम मंडल इत्यादि के अधि. कर्म. को गृह भाडा भत्ता व अन्य भत्ते सातवें वेतनमान अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों के समान दिया जावे। प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों सहित पेंशनरों निगम मंडल इत्यादि में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ मंत्री परिषद के आदेश दिनांक 4 अप्रैल 2020 के संदर्भ में किया जावे। विभिन्न विभागों के संवर्गों के वेतन विसंगति का निराकरण म.प्र. शासन द्वारा गठित वेतन आयोग द्वारा कराया जावे एवं वेतन आयोग के विचारणीय विषय के निर्देश जारी किए जावे। नए शिक्षा संवर्ग में नियुक्त अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति के स्थान पर संविलियन के आदेश जारी कर सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक (शिक्षा कर्मी, संविदा शिक्षक, गुरुजीओ) के पद पर नियुक्ति के दिनांक से करते हुए वरिष्ठता के आदेश जारी कर, क्रमोन्नति का लाभ दिया जावे सहित अन्य मांगे शामिल थी। ज्ञापन देने वालों मे प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, प्रदेश मंत्री मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ अशोक शर्मा दीपेरा, संभागीय अध्यक्ष चंबल संभाग अशोक शर्मा, जिला अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा आदि सेकडों कर्मचारी उपस्थित थे।

मंदिरों के पास से शराब मांस की दुकान हटाने दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

बजरंग दल मध्य भारत प्रांत के जिला संयोजक सुनील सिकरवार ने एसडीएम मुरैना को ज्ञापन देते हुए हिंदू समाज के मंदिरों के आसपास अवैध कारोबारों को रोकने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि स्टेशन रोड थाना मुरैना एवं बानमोर सहित कई स्थानों पर मंदिरों के पास खुलेआम शराब एवं मांस की दुकान चल रही है। इन पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

ब्रीफ न्यूज

आयुष्मान पखवाड़ा की दिलाई शपथ

खण्डवा। 20 से 30 सितंबर 2024 तक आयुष्मान आपके द्वार थीम पर आयुष्मान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में 23 सितंबर को कलेक्टर सभाकक्ष में आंतरिक विभागीय बैठक में आयुष्मान की शपथ प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ.रश्मि कौशल आयुष्मान द्वारा सभी अधिकारियों को दिलाई गई। इस दौरान कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नार्गाजुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के.आर.बड़ोले एवं सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की तैयारी प्रारंभ

खण्डवा। कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के संबंध में सभी जिलाधिकारियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का लक्ष्य आकांक्षी जिलों में जनजातीय बहुल गांवों में योजनाओं का पूर्ण लाभ प्रदान कराना है। इसमें देश के 63000 से अधिक गांव शामिल किए गए हैं जिसमें खंडवा जिले के 305 गांव शामिल हैं जिसमें खालवा जनपद के 109, हरसूद के 6, बलडी के 8, खंडवा के 16, पंधाना के 59, पुनासा के 37 तथा छैगांवमाखन के 70 ग्राम शामिल हैं। इस योजना का लक्ष्य सभी ग्रामों में बुनियादी ढांचा विकसित करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा सार्वभौमिक करना तथा स्वस्थ जीवन और गरिमा के साथ वृद्धावस्था व्यतीत करना है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा इस योजना के नोडल अधिकारी रहेगें। इस योजना में 15 विभागों के समन्वय से गांवों के समग्र विकास के लिए कार्य किया जाएगा।

20 से 30 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा आयुष्मान पखवाड़ा

खण्डवा। आयुष्मान पखवाड़ा 20 सितंबर से 30 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा में दादाजी नर्सिंग कॉलेज के स्टूडेंट द्वारा सिविल सर्जन महोदय डॉ. संजीव दीक्षित के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत योजना पर नुक्कड़ नाटक किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा नाटक के माध्यम से लोगों को जन जागरूकता का संदेश देकर बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने पर 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार किया जाता है। इसके लिए हितग्राही को पात्रता चेक करवाने के लिए समग्र परिवार आईडी की आवश्यकता होती है एवं पात्र होने पर आधार कार्ड से केवाईसी की जाती है। इसलिए सभी हितग्राही अपना समग्र आईडी और आधार कार्ड अवश्य लेकर कॉमन सर्विस सेंटर लोक सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिरुद्ध कौशल, अस्पताल मैनेजर यशवंत सोलंकी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

सत्ता सुधार ■ शहडोल

कमिश्नर कार्यालय शहडोल के सभागार में आज साप्ताहिक जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश ने शहडोल संभाग के दूर दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनी तथा समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में आवेदन देकर विसरती बाई निवासी पठारी कला जिला उमरिया ने बताया कि मेरे पति स्व. दशरथ सिंह पिता श्री प्यारे सिंह की 13 फरवरी 2016 को मृत्यु हो चुकी है जो कि ग्राम पंचायत थवईझर में सचिव पद पर कार्यरत थे। मेरे पति की मृत्यु पश्चात मै कई बार आवेदन दी लेकिन अभी तक अनुकंपा नियुक्त नही दिलाई गई जिससे मुझे बच्चों के भरण-पोषण में काफी दिक्कत हो रही है। उनका कहना था कि मुझे अनुकंपा नियुक्त दिलाई जाए। जिस पर संयुक्त आयुक्त विकास ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर आवष्यक कार्यवाही करने के निर्देष दिए। जनसुनवाई में चमन सिहं अतिथि षिक्षक प्राथमिक शाला गजवाही ने आवेदन देकर बताया कि अतिथि शिक्षक वर्ग-03 प्राथ0 माध्य0 विद्यालय गजवाही विकासखण्ड पाली जिला उमरिया म0प्र0 में अतिथि शिक्षक वर्ग-3 के लिये आवेदन किया हूं एवं पूर्व से भी सत्र 2013-14 से 2018-19 तक एवं 2019-20 से लेकर 2022 तक प्राथ0 विद्यालय धुपखडा में लगातार अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य किया हूं। और पूर्व पैनल में मेरा नाम दर्ज है तथा स्कोर कार्ड नंबर भी अधिक है एवं डी.एड प्रशिक्षित हूं इन सभी में मेरा अंक एवं वरिष्ठता सूची के अनुसार भी ऊपर है तब भी मुझे अतिथि शिक्षक के रूप में मुझे नही रख रहे है। जबकि बिना डी.एड.बी.एड. और स्कोर कार्ड नंबर कम होने के बावजूद नारेन्द्र सिंह पिता रोहनी सिंह को नियम के विरूद्ध संकुल प्रभारी एवं शाला प्रभारी के द्वारा दबी में बुलाकर अतिथि शिक्षक के रूप में रख लिये है जबकि कलेक्टर उमरिया का पत्र द्वारा समस्त अतिथि शिक्षक डी.एड.,बी.एड. होना अनिवार्य किया गया था। बिना डी.एड.,बी.एड. के कोई अतिथि शिक्षक न रखा जाये ओर नियमानुसार पूर्व पैनल के वरिष्ठताक्रम एवं प्रशिक्षित डी.एड., बी.एड. अतिथि शिक्षक का चयन किया जाए जबकि खण्ड शिक्षा अधिकारी पाली के मौखिक रूप से कहा गया था कि जो सत्र 2018-19 के पैनल में तुम्हारा नाम होगा तो आपकी नियुक्ति हो जायेगी। इन सबके बाद भी मेरा नियुक्ति नही किया गया है जबकि शाला प्रबंधन समिति के द्वारा निर्णय लिया गया था कि जो डी.एड. बी. एड एवं अनुभव व योग्यता रखने वाले अतिथि शिक्षक को ही रखा जाये। उनका कहना था कि पूर्व पैनल के अनुसार उचित कार्यवाही करते हुये अतिथि शिक्षक वर्ग-3 के लिये प्राथमिक विद्यालय गजवाही में नियुक्ति कराया जाए। जिस पर संयुक्त आयुक्त विकास ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर आवष्यक कार्यवाही करने के निर्देष दिए। जनसुनवाई में रामकरण शुक्ला वार्ड नं. 19 शहडोल निवासी ने आवेदन देकर बताया कि मै शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धुरवार में षिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो चुका हूं। उनका कहना था कि मुझे प्रोविजल पेंषन का भुगतान कराया जाए। जिस पर संयुक्त आयुक्त विकास ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर आवष्यक कार्यवाही करने के निर्देष दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश ने अन्य आवेदनों की भी सुनवाई की तथा निराकरण के निर्देष संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में उपायुक्त राजस्व श्रीमती निमिषा पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

ब्राम्हणों के आशीर्वाद से लोक और परलोक धन्य हो जाता हैं

श्रीमद्भागवत की पंचम दिवस की कथा में हुई गोवर्धन लीला*

सत्ता सुधार ■ खंडवा

ब्राम्हणों के आशीर्वाद से ही भगवान श्रीराम को विजय प्राप्त हुई।ब्राम्हणों के आशीर्वाद से ही मनुष्य का लोक और परलोक धन्य होता है।उपरोक्त उदगार श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ समिति खण्डवा द्वारा 19 सितंबर से 25 सितंबर तक पुरानी अनाज मंडी प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस व्यासपीठ पर विराजित पंडित अंकित कृष्ण तेनगुरिया बटुक जी महाराज श्री बटेश्वर धाम विदिशा ने व्यक्त करते हुए कहे।

समिति के मीडिया प्रभारी नारायण बाहेती व सुनील जैन ने बताया कि श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ समिति खण्डवा के संरक्षक हरिप्रसाद बंसल, अध्यक्ष रामस्वरूप बाहेती, सचिव शेलेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष घनश्याम दास शाह, मुख्य जजमान ललित सेन सह जजमान प्रमिलाशर्मा पूनमचंद शर्मा ने व्यासपीठ का विधि विधान से पूजन किया।पंडित पवन तारे व आचार्य लक्ष्मीदत्त दाधीच के साथ ही परायण कर रहे सभी विप्रगणों ने बटुकजी महाराज पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बटुक जी महाराज ने कथा में गौ विप्र की महिमा,पूतना वध,गोवर्धन लीला के साथ ही भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं माखन चोरी लीला का चित्रण कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ समिति द्वारा भव्य दिव्य श्री गोवर्धननाथ की भव्य मनोहर झांकी सजाई गई।भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए।भजनों की सुंदर प्रस्तुतियों से भक्त नाचने व झूमने पर मजबूर हुए। कथा में मांगीलाल जांगिड़,पंकज शाह, अनिल बाहेती, नारायण बाहेती, विनोद अग्रवाल, सुनील जैन,सुधीर दलाल, सुनील बंसल,विजय राठी, किशन अग्रवाल, गोपाल शर्मा,ललित सेन, संदीप माहेश्वरी, आलोक राठी,कृष्णदास हुरकट,राजेन्द्र अग्रवाल, पूनमचंद शर्मा, प्रमिला शर्मा, प्रिया जाखेटीया,ओम दशोरे,योगिता माहेश्वरी,शालिनी अग्रवाल,राजनारायण परवाल, रक्षा माहेश्वरी,गोपाल बाहेती, ,गोवर्धन अग्रवाल, योगेन्द्र अग्रवाल, शम्भूलाल अग्रवाल, के साथ ही विभिन महिला संगठनों ,लायन्स क्लब खण्डवा ,रोटरी क्लब खण्डवा ,वैश्य महासम्मेलन ,अग्रवाल ,माहेश्वरी सामाजिक संगठनों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।महाआरती व प्रसाद वितरण पश्चात आज की कथा का विराम हुआ।शैलेन्द्र अग्रवाल ने सभी का आभार माना।

खरीफ विपणन समर्थन मूल्य पर अपनी फसलों का पंजीयन 4 अक्टूबर तक

खण्डवा। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन का कार्य जिले में 19 सितंबर से प्रारंभ हो चुका हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर है। जिले में 5 समिति स्तरीय पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये गये है। मार्के खंडवा, समिति मर्यादित पंधाना, समिति दौलतपुरा, मार्के छनेरा, मार्के खालवा पर उपस्थित होकर कृषक बंधु पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा पंजीयन केन्द्र पर भीड़ से बचने के लिए कृषक स्वयं के मोबाइल कम्प्यूटर, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व तहसील सुविधा केन्द्र, में से किसी भी विकल्प से निःशुल्क अथवा अधिकृत ए.पी. ऑनलाईन, सी.एस.सी., लोक सेवा केन्द्र व निजी साइबर कैफे के माध्यम से अधिकतम रूपये 50 प्रति पंजीयन की दर से सशुल्क ई. उपार्जन पोर्टल द्धह्लह्लश्च्र//द्गश्चह्वश्च्रह्वद्धड्डठ्ठ-ठ्ठद्बष्-द्बठ्ठ/ पर पंजीयन करा सकते हैं। कृषकों से निवेदन है कि अपनी धान, ज्वार एवं बाजरा की फसल का पंजीयन अंतिम तिथि से पहले अवश्य करा ले।

नवरात्र में सांस्कृतिक छंटा बिखेरेगा ज्योति नगर का गरबा, महिलाएं और युवतियां ले रही प्रशिक्षण

सत्ता सुधार ■ खरगोन

नवरात्र में सबसे आकर्षित करने एवं चर्चित रहने वाले ज्योति नगर के नवरात्र महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई है। यहां महोत्सव में गरबा नृत्य की नई- नई स्टेप्स सीखने के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बालिकाएं, महिलाएं उत्साह दिखा रही है। समिति अध्यक्ष इंजी. नीतिन मालवीय ने बताया नवरात्रोत्सव के उल्लास और भक्तिमय वातावरण में गरबा नृत्य का आनंद लेने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला लगातार एक पखवाड़े से चल रही है। प्रशिक्षकों से गरबा के गुर सीखने के लिए बालिकाओं, महिलाओं ने उत्साह दिखाया है। यहां माता भक्तों को माता की मनोहारी प्रतिमा दर्शन के साथ रंगारंग गरबा नृत्यों की प्रस्तुतियां भक्तिरस से सराबोर कर देगी।

नए-नए स्टेप्स के साथ होगा गरबा- कोई चौकड़ी के साथ पैर की थिरकन व ताली की ताल, तो कोई उलटा घुमकर छकड़ी ताल में पांव व हाथों का तालमेल के साथ युवतियां व महिलाएं प्रशिक्षण ले रहीं हैं। समूह में अप डाउन स्टेप के साथ डांडिया में डंडे या ताली की आवाज पर अपनी प्रस्तुति की तैयारी कर रही है। पंडाल में सांस्कृतिक रंग भरने के लिए गरबा व डांडिया की तैयारी चरम पर है। समिति के मीडिया प्रभारी दिलीप सोनी ने बताया ज्योतेश्वर महादेव मंदिर में विशाल गरबा मंच के साथ माता का दिव्य दरबार भी सजाया जाएगा। जिसकी तैयारिया शुरू कर दी गई है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान पर प्रदेश में दिया गया स्वच्छता का दिया संदेश

खण्डवा। स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर संपूर्ण प्रदेश मे संचालित स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान अंतर्गत 23 सितम्बर को नगर परिषद छनेरा नया हरसूद सीएम राइस स्कूल परिसर में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में मानव श्रृंखला निर्मित कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। निकाय द्वारा अरिहंत पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में परिषद मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मोनिका पारधी के द्वारा संबोधित कर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान शिक्षण संस्था के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सत्ता सुधार ■ खंडवा

कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संपूर्णता अभियान की प्रगति की ब्लॉकवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी निर्माण एजेंसियों से विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन सीएम राइज विद्यालयों हेतु मुख्य मार्ग से विद्यालय पहुंच मार्ग के कार्य की प्रगति की भी जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने नल जल योजना के तहत संचालित हो रहे रोड रेस्टोरेशन कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत पंधाना से दीवाल मार्ग, पंधाना कुंडिया से बरखेड़ी सड़क मार्ग निर्माण के संबंध में जानकारी ली और कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों से आर.सी.एम. एस. पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में छह माह से अधिक लंबित नामांतरण एवं बंटवारे के प्रकरणों की भी जानकारी ली। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मातृ वंदना योजना में गर्भवती महिलाओं को समय सीमा में भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने ई-केवायसी एवं आधार अपडेशन कार्य की जानकारी ली और कार्य में गति लाने के निर्देश भी दिए।

जादूगर जावेदन ने निगम सभागृह जादू दिखाकर लोगों का किया मनोरंजन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

देश एवं विदेश में बड़े-बड़े जादूगर शौ के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए लोगों का मनोरंजन करते हैं, आश्चर्य जनक कलाओं को देखकर हम बड़े प्रभावित होते हैं लगता है कि कहीं ना कहीं जादू के माध्यम से ही इस कला का प्रदर्शन हो रहा है, लेकिन यह जादू टोना नहीं होता सिर्फ हाथ की सफाई होती है, हाथो की कला होती है।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि जादू जानने और करने वाले को जादूगर कहते हैं,चमत्कार, इन्द्रजाल, अभिचार, टोना या तन्त्र-मन्त्र जैसे शब्द भी जादू कि श्रेणी में आते हैं, दरअसल जादू दो तरह का होता है पहला हाथ की सफाई और दूसरा सम्मोहन, जादू अनंतकाल से किया जाने वाला सम्मोहन भरा प्रदर्शन है, संसार में डेविड कॉपर, हेरी हुडनी,क्रिस एंजेल के साथ ही देश में जादूगर पीसी सरकार, जादूगर इंद्रजाल, जादूगर आनंद,जादूगर शंकर, जादूगर आकाश, जादूगर मोहम्मद छैल शाहिद अन्य जादूगरो ने अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों का मनोरंजन किया, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि देश में ऐसे कई छोटे जादूगर हैं जो बड़े स्टेज शो नहीं कर सकते लेकिन शहर और गांव में जाकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं, इन दोनों खंडवा में भोपाल के जादूगर जावेद पिता मोहदीन खान शासकीय कार्यालय एवं स्कूलों के साथ चौराहों पर अपने जादू एवं हाथ की सफाई का प्रदर्शन करते हुए लोगों का मनोरंजन कर रहे है, जावेद खान ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के साथ ही नगर निगम कार्यालय में पहुंचकर निगम सभागृह में निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को अपना जादू दिखाकर मनोरंजन किया, जावेद ने आधे घंटे के कार्यक्रम में कागज से नोट बनाना, गले में फांसी का फंदा, नाक में से लगातार धागा निकालना, अंगूठी को पुड़िया में बांधकर बाहर फेंकना और उसके बाद वही अंगूठी कच्चे भट्टे में से निकालना, खाली थैली में से फूलों की माला निकालना जैसे कई जादू दिखाकर मनोरंजन किया, समाजसेवी सुनील जैन एवं उपायुक्त सचिन सिटोले ने जादूगर जावेद का स्वागत और सम्मान किया।

पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत दी गई महिलाओं एवं बालिकाओं जानकारी

शहडोल। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर ने जानकारी दी है कि डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वूमेन, 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत 15वें सप्ताह मिशन शक्ति योजनाओं की निगरानी सप्ताह के तहत् श्रीमती रेणु श्रीवास्तव व पप्पी प्रजापति केसवर्कर के द्वारा सोहागपुर वार्ड नंबर 7 क्रमांक 3 आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति में समाज में होने वाले परिवर्तन तथा महिलाओं को शासन द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के बारे में बताया तथा होने वाले वाले लाभ से अवगत कराया।

ज्ञापन प्रदेश के समस्त कर्मचारियों की ज्वलंत एवं लंबित मांगो को लेकर दो चरण में आदोलन करने का निर्णय लिया गया था

जिलाध्यक्ष म प्र राज्य कर्मचारी संघ की अगुवाई शहडोल कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ शहडोल

म प्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय कार्यकारिणी एवं भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रदेश के समस्त कर्मचारियों की ज्वलंत एवं लंबित मांगो को लेकर दो चरण में आदोलन करने का निर्णय लिया गया था जिसके प्रथम चरण में आज दिनांक 24.09.2024 को मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ भोपाल के प्रांतीय आह्वान पर समस्त विभागों के कर्मचारियों की ज्वलंत मांगों को लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी एवं मुख्य सचिव म प्र शासन भोपाल को संबोधित के 25 सूत्रीय ज्ञापन श्रीमान कलेक्टर शहडोल सौंपा गया। संगठन के द्वारा ज्ञापन में कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली, समस्त कर्मचारियों की पिछले 7 वर्षो से रुकी हुई पदोन्नति को बहाल करने, गृह भाड़ा भत्ता एवं अन्य भत्ते को सातवें वेतन अनुसार केंद्र के समान पुनरीक्षित करने, लंबित 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता जनवरी 2024 से लागू करने, दैनिक वेतन भोगियों एवं स्थाई कर्मियों का रिक्त चतुर्थ पदों पर नियमितीकरण, अर्जित अवकाश नगदीकरण, अनुकंपा नियुक्ति के निराकरण, मुख्य सचिव स्तरीय परामर्शदात्री बैठक का आयोजन एवं समस्त विभागों में समकक्ष पदों में उत्पन्न वेतन विसंगतियों के निराकरण सहित समस्त विभागों के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण मांगों को सम्मिलित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री से इसके निराकरण किए जाने का अनुरोध किया जा रहा है। इसके बाद भी यदि इस पर शासन के द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है, तो संगठन दूसरे चरण के तहत दिनांक 17.10.2024 को भोपाल में प्रदेश भर के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समस्त कर्मचारियों के द्वारा राजधानी भोपाल में एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन के दौरान श्री हरेंद्र कुमार जिलाध्यक्ष म प्र राज्य कर्मचारी संघ जिला शहडोल की अगुवाई तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री रामनाथ द्विवेदी, श्री प्रदीप कुमार पटेल की गरिमामयी उपस्थिति तथा जिला सचिव श्री संजीव शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री शारदा प्रसाद द्विवेदी सहित सभी तहसील अध्यक्ष एवं उनके सभी पदाधिकारियों सहित सभी विभागों के कर्मचारी ज्ञापन के दौरान उपस्थित रहे।

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र योजना के तहत प्रशिक्षण सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनोज लारोकर ने जानकारी दी है कि सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र योजना के तहत आंगनबाड़ी केदो में पोषण वाटिका का निर्माण किए जाने हेतु चिन्हित आंगनबाड़ी केदो की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कृषि विज्ञान केंद्र कल्याणपुर जिला शहडोल में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र जिनमे बाउंड्री वॉल एवं पेयजल की सुविधा उपलब्ध है इन आंगनवाड़ी केंद्रो में पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जाना है जिसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, फली वाली सब्जियां फलदार वृक्ष जैसे मुनगा नींबू का रोपण किया जाकर पोषण वाटिका तैयार किया जाना है जिससे आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों को प्रतिदिन अतिरिक्त पोषण मिल सके। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर और 24 सितंबर को दो बैच में परियोजना सोहागपुर एवं शहडोल की कुल 125 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यकर्ताओं को पोषण वाटिका तैयार किए जाने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र में लगी हुई पोषण वाटिकाओं का अवलोकन कराया जाकर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई तथा पौधों का रोपण हेतु मिट्टी तैयार करना खाद एवं कीटनाशक आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

झील किनारे गंगा आरती में दूर-दूर से हर्षोल्लास और उत्साह के साथ शामिल हो रहे बड़ी संख्या में नागरिकगण

चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिर घाट पर स्थानीय महिलाओं ने मंत्रोच्चार एवं पूजन के साथ की गंगा आरती

सत्ता सुधार ■ सागर

स्मार्ट सिटी एवं नगर निगम द्वारा ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने एवं लोगों में झील को स्वच्छ रखने के लिए जनजागरुकता लाने के उद्देश्य से चकराघाट पर प्रारंभ की गई गंगा आरती का आयोजन चकराघाट स्थित श्री विट्ठल मंदिर घाट पर हुआ। इस अवसर पर स्थानीय महिलाओं एवं नागरिकों ने पूजन कर गंगा आरती की।

कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के दूर- दूर से नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।लाखा बंजारा झील को साफ-स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त रखने में सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है, झील के सभी घाटों पर सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन हों और नागरिकों का अधिक संख्या में झील और जलस्रोतों से धार्मिक,आध्यात्मिक और सामाजिक जुड़ाव हो इसके लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम आदि अभियानों के माध्यम से साफ-सफाई और स्वच्छ पर्यावरण हेतु नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों की सहभागिता से जलस्रोतों को सुरक्षित कर पर्यावरण का संरक्षण किया जा सकता है,इस उद्देश्य के साथ ही प्रत्येक सप्ताह सोमवार को चकराघाट पर गंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है इसके साथ ही झील को जलकुंभी से मुक्त कर स्वच्छ बनाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं । गंगा आरती के भव्य आयोजन से नागरिक धार्मिक ,सांस्कृतिक उत्साह के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं।तालाब को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त करने के लिए चकराघाट पर फूलमाला,पूजन आदि सामग्री डालने के लिए नाडेप पिट हौदियां बनाई गई है जिनमें नागरिकगण पूजन सामग्री फूल माला आदि सामग्री डालें । गंगा आरती के अवसर पर प्रति सप्ताह अलग-अलग स्थानीय लोककलाकारों एवं अन्य कलाकारों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु एक समृद्ध मंच इस आयोजन के माध्यम से दिया जा रहा है।

आयोजन स्थल चकराघाट को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया गया

जल गंगा आरती के लिए सारे घाट और छतरियों को आकर्षक लाइटिंग और साजसज्जा से मनमोहक बनाया गया। गंगा और नर्मदा आरती की तर्ज पर गंगा आरती की जा रही है। छतरियों पर रंगबिरंगी रोशनी ,झील में नाव पर माँ गंगा की सुंदर मूर्ति तथा अन्य नावों में डमरूदल कलाकार और श्रद्धालुगण बैठे थे। झील में चलने वाले विशाल क्रूज पर भी बैठकर नागरिक गंगा आरती के आयोजन में शामिल हुये। रमतूला ,ढपली दल ने अपनी लोककला का बेहतर प्रदर्शन किया।

चौथी रीजनल इंडस्ट्रीज कान्क्लेव सागर में आयोजित, क्या बीना में भी निवेश पर जोर दिया जाएगा ?

बीना में नहीं हो पाए कई उद्योग स्थापित

राकेश सेन बीना ■ बीना(सागर)

सागर में आयोजित चौथी रीजनल इंडस्ट्रीज कान्क्लेव क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन आर.आई. सी. की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सागर संभाग मैं एकमात्र बीना है, जहां पर रेलवे का सबसे बड़ा जंक्शन है चारों तरफ से आने-जाने के लिए यातायात के साधन उपलब्ध हैं रोड मार्ग भी चारों ओर से हैं इसके अलावा पानी की उपलब्धता भी काफी है, इसके अलावा तेल शोधक रिफायनरी, ताप विद्युत परियोजना, बीना पावर ग्रेड, जैसे उद्योग स्थापित है।तेल शोधक रिफाइनरी की उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जाना था किंतु आज तक उसे पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, 7.8से 16 16 मिलियन टन सालाना क्षमता होनी थी अभी तक कार्य शुरू नहीं हो पाया। इन उद्योगों की स्थापना के साथ ही इनसे निकलने वाली कच्चे पदार्थ का उपयोग करने के लिए कई लघु उद्योग लगाए जा सकते हैं। जिससे क्षेत्र में युवा बेरोजगारों को रोजगार भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

उद्योग विभाग की लापरवाही

उद्योग विभाग की लापरवाही के चलते बीना में कोई भी निवेश करने के लिए तैयार नहीं होता है क्योंकि उद्योग विभाग बीना की ओर जो ध्यान दिया जाना चाहिए वह ध्यान नहीं दिया जाता जिसके चलते कोई भी विकास कार्य नहीं हो पता।

बीना में नहीं हो पाए कई उद्योग स्थापित

5000 करोड़ का एक कारखाना जो बायो प्रोडक्ट के रूप में बीना में स्थापित होना था ?

5000 करोड़ का एक कारखाना जो बायो प्रोडक्ट के रूप में बीना में स्थापित होना था 30 जुलाई 2007 को उद्योग मंत्री बाबूलाल गौर उनका करार हुआ था किंतु इस पर भी कोई अमल नहीं किया गया।बीना क्षेत्र के ग्राम नौगांव में इंडस्ट्री एरिया विकसित है मगर अभी तक उसमें कोई और नई इंडस्ट्रीज स्थापित नहीं हो पाई है ना ही इंडस्ट्री एरिया में कोई सुविधा दी गई है । जिसके चलते कोई भी नई इंडस्ट्रीज नहीं आ सकी है ग्राम बेलई में फूड पार्क बनना था किंतु इस और भी उद्योग विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया ग्राम ढांड ग्राम में बड़ा लॉजिस्टिक्स हब बनाने का मध्य प्रदेश की सरकार ने सर्वे कराया था । प्रशासन द्वारा जिसकी फाइल भेजी जा चुकी थी जो लगभग 100 एकड़ में बनना था लॉजिस्टिक हब पर अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसे जनप्रतिनिधियों की सोच की कमी कहें या फिर प्रशासन द्वारा अंधदेखी जानबूझकर की जा रही है प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को क्या इस ओर ध्यान देना होगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय बीना में ग्रीन रिफाइनरी लगाएगा जाना था?

इंदौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिटे 23 अक्टूबर 2016 में आयोजित की गई थी जिसमें बीना में ग्रीन रिफाइनरी लगाएगा पेट्रोलियम मंत्रालय उस वक्त पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घोषणा की थी किंतु उसे पर भी अभी तक अमल नहीं किया गया।

वकस्वाहा में स्वस्थ शिविर का आयोजनः 69 मरीजों का परीक्षण

सत्ता सुधार ■ वकस्वाहा(छतरपुर)

वकस्वाहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 23 सितंबर 2024 को नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के तहत एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना था।

स्वास्थ्य शिविर में कुल 69 मरीजों का परीक्षण किया गया। इनमें 56 मरीजों की डायबिटीज और हाइपरटेंशन की जांच की गई। इसके अलावा, 13 गर्भवती माताओं का टीकाकरण भी किया गया, जिससे उनकी और उनके गर्भ में पल रहे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यम आसाटी ने शिविर के महत्व को बताते हुए कहा, ÷हमारा लक्ष्य है कि हम स्थानीय लोगों को उनकी स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूक करें। डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसे रोग आज के समय में आम हो गए हैं, और इनकी पहचान समय पर होना अत्यंत आवश्यक है। डॉ सत्यम आसाटी ने बताया की मध्य प्रदेश शासन ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की हैं। नियमित रूप से आयोजित होने वाले आरोग्य मेलों में स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और विशेषज्ञों द्वारा सलाह दी जाती है। राज्य सरकार की योजना के अंतर्गत सरकारी अस्पतालों में मरीजों को आवश्यक दवाइयां मुफ्त प्रदान की जाती हैं।गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम और नियमित जांच का आयोजन किया जाता है।स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें विशेषज्ञ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा करते हैं।दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए टेलीमेडिसिन सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन सलाह मिल सके।

इस शिविर में स्वास्थ्यकर्मियों की एक अनुभवी टीम ने कार्य किया। उन्होंने न केवल रोगियों का परीक्षण किया, बल्कि उन्हें सही जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मरीजों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतने के महत्व के बारे में भी बताया गया।

इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों की स्थानीय निवासियों द्वारा भरपूर सराहना की गई। कई लोगों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उन्हें अपनी स्वास्थ्य स्थिति को जानने और सुधारने का अवसर मिला है। शिविर में भाग लेने वाले लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपने विश्वास को बढ़ाने और ऐसे आयोजनों की नियमितता की मांग की। डॉ. आसाटी ने बताया कि आगामी दिनों में और भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की योजना है। उनका उद्देश्य केवल परीक्षण करना नहीं है, बल्कि समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, ÷हम चाहते हैं कि लोग अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक हों और समय-समय पर जांच करवाते रहें। वकस्वाहा में आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर न केवल स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी है। ऐसे शिविर न केवल बीमारी की पहचान में मदद करते हैं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। म. प्र. शासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं इस दिशा में और भी सहायक साबित हो रही हैं। उम्मीद है कि भविष्य में इस प्रकार के और अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे समग्र समुदाय का स्वास्थ्य स्तर ऊँचा उठ सके।

खाद्य विभाग में लाखो रुपये के गवन का आरोप, अनुविभागीय अधिकारी को लिखित शिकायत

सत्ता सुधार ■ रहली(सागर)

सहकारी समिति चांदपुर से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान के वर्तमान विक्रेता राकेश श्रीवास्तव द्वारा संचालित की जा रही है जिसमे लाखो रुपये की हेरा फेरी और गवन की गई है पूर्व में यह दुकान विवेक नारायण तिवारी जी के द्वारा संचालित की जा रही थी जिसमे राशन दुकान की जांच की गई थी उस दौरान गेंहूँ एवं चावल लगभग 211 कुंटल अनाज पीओएस मशीन में स्टॉक उपलब्ध था जिसके गवन के आरोप में विवेक नारायण तिवारी को पृथक करते हुये नया विक्रेता नियुक्त कर राकेश श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया था उस दौरान के स्टॉक और वर्तमान पीओएस मशीन के स्टॉक की अगर जांच होती है तो कि उपरोक्त संचालित उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन का पिंछला स्टॉक लगभग 211 कुंटल छोड़कर वर्तमान लगभग 900 कुंटल का खाद्यान का गवन वर्तमान विक्रेता के द्वारा किया गया है। चांदपुर दुकान का कोड 1006026 हैं जिसमे लाखो रुपये का गवन हुआ है। इस गवन के पिंछे अधिकारियों का हाथ स्पष्ट रूप से समझ मे आ रहा है वर्तमान में रहली ब्लाक की खाद्य निरीक्षक चारु जैन है और इन्हें ही इन दुकानो की स्टॉक की जानकारी होती हैं। अब इस संबंध में शिकायतकर्ता शिवांक गुप्ता पत्रकार द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोविंद दुबे को लिखित में शिकायत की गई है कि खाद्य विभाग की जांच कर समिति पर एवं घोटाला करवाने वाले अधिकारी पर जांचकर कार्यवाही करने के लिये पत्र लिखा हैं ।

इनका कहना है

हमे आपके द्वारा अभी जानकारी प्राप्त हुई है हम अभी इस संबंध में चांदपुर का कोड लेकर जांच करवाते है कि क्या मामला हैं।
-अनिल टंटवाय जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी सागर

घर में घुसकर पैसे एवं गहनों की चोरी करने वाले आरोपी को दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड

सागर। घर में घुसकर पैसे एवं गहनों की चोरी करने वाले आरोपी सत्यम उर्फ दर्शन सोनी को धारा 457 भा.द.सं.के आरोप में दो वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000/-रूपये के अर्थदण्ड, तथा धारा 380 भा.द.सं.के आरोप में दो वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000/-रूपये के अर्थदण्ड से माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला सागर अंकित श्रीवास्तव की अदालत ने दंडित किया। मामले की पैरवी प्रभारी उप-संचालक (अभियोजन) धर्मेन्द्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सचिन गुप्ता ने की। घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि फरियादी राजू पटेल ने रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि साडू का एक्सीडेण्ट हो गया था तो दिनांक 09.01.2019 को 11:00 बजे वह अपने परिवार, के साथ साडू को देखने ग्राम सरखड़ी थाना जैसीनगर गया था उसके बाद वह बच्चों के साथ शाम करीब 05:00 बजे अपनी ससुराल ग्राम बम्होरी पहुंच गया था। रात करीब 10:00 बजे उसे उसके बहनोई का फोन आया और बताया कि उसके घर के कमरे की खिड़की खुली हुई पड़ी है कोई चोरी करके सामान ले गया है वह आकर देख ले फिर वह अकेला घर पर गया, घर का दरवाजा खोलकर कमरे के अंदर जाकर देखा तो बैठक वाले कमरे में रखी अलमारी खुली पड़ी थी एवं अलमारी का लॉक टूटा था।

कलेक्टर ने सुनी दिव्यांगजनों की समस्याएं, कुर्सी छोड़ स्वयं पहुँचे फरियादियों के पास

सत्ता सुधार ■ सागर

मध्यप्रदेश शासन के द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर संदीप जी. आर. ने अपनी कुर्सी छोड़कर दिव्यांग व्यक्तियों की समस्याएं सुनी एवं उनके निराकरण के संबंध में तत्काल कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को निर्देशित कियाकलेक्टर संदीप जी. आर. आज जैसे ही जनसुनवाई में पहुंचे उन्होंने देखा कि कुछ दिव्यांग व्यक्ति अपनी समस्या लेकर आए हुए हैं इसे देखते हुए वे तत्काल अपनी कुर्सी छोड़ते हुए दिव्यांग व्यक्तियों के पास पहुंचे और उनकी समस्याओं से अवगत हुऐ।दिव्यांग व्यक्तियों ने बताया कि उन्हें चलने में बहुत समस्या होती है। उनकी समस्या को देखकर उन्हें किसी ने बताया था कि वे मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में होने वाली जनसुवाई में चले जाएं जहां उनकी इस समस्या का समाधान हो जायेगा। कलेक्टर संदीप जी. आर. ने सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त प्रकरण में तत्काल आवश्यक कार्रवाही कर दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर उपलब्ध करायें।

जनसुनवाई में हुई 263 आवेदनों पर कार्यवाही

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर संदीप जी. आर. ने आम लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए।

इस दौरान ज़िला पंचायत के सीईओ विवेक के व्ही, अपर कलेक्टर रुपेश उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अदिति यादव, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जूही गर्ग, डिप्टी कलेक्टर विजय डेहरिया सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 263 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

पाठक वार्ड में भागवत कथा की पांचवें दिवस पर

अहंकार, गर्व, घृणा से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है : कुंज बिहारी दास भक्त माली

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

राधे राधे प्रभात मंडल द्वारा पाठक वार्ड में आयोजित भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा वाचक कुंज बिहारी दास भक्त माली ने बताया कि भगवान को प्राप्त करने के लिए जीव योनि का कोई महत्व नहीं।भक्त माली ने कहा किसी भी योनि का जीव भगवान को प्राप्त कर सकता है। जिस तरह गजेंद्र नामक हाथी जब तालाब में स्नान कर रहा था तब मगरमच्छ ने उसका पांव पकड़ लिया,मदद की पुकार पर कोई नहीं आया तो भगवान ने उसकी मदद की। इस प्रकार भगवान को प्राप्त करने के लिए जीव योनि का कोई महत्व नहीं, उच्च योनि से लेकर निम्न योनि तक का कोई भी जीव भगवद् प्राप्ति कर सकता है। हाथियों का परिवार रहता था, गजेंद्र हाथी इस परिवार का मुखिया था। एक दिन घूमते-घूमते उसे प्यास लगी, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ही गजेंद्र पास के ही एक सरोवर से पाने पी कर अपनी प्यास बुझाने लगा, लेकिन तभी एक शक्तिशाली मगरमच्छ ने गजराज के पैर को दबोच लिया और पानी के अंदर खीचने लगा। मगर से बचने के लिए गजराज ने पूरी शक्ति लगा दी लेकिन सफल नहीं हो सका, दर्द से गजेंद्र चीखने लगा। गजेंद्र की चीख सुनकर अन्य हाथी भी शोर करने लगे, इन्होंने भी गजेंद्र को बचाने का प्रयास किया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। गजेंद्र जब सारे प्रयास करके थक गया और उसे अपना काल नजदीक आते दिखाई देने लगा तब उसने भगवान विष्णु का स्मरण किया और उन्हें पुकारने लगा। अपने भक्त की आवाज सुनकर भगवान विष्णु नंगे पैर ही गरुण पर सवार होकर गजेंद्र को बचाने के लिए आ गए।

राजा बलि और वामन देव की कथा की सीख, जब कोई अच्छा काम कर रहा हो तो उसे रोके नहीं भक्त माली ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति अच्छा काम कर रहा हो तो उसे रोकना नहीं चाहिए। इस कहानी में शुक्राचार्य राजा बलि को दान करने से रोक रहे थे, जब हम किसी को अच्छे काम करने से रोकते हैं तो हमारी परेशानियां बढ़ती हैं। अच्छे काम करना भी पूजा-पाठ करने की तरह ही है। हमें भी नेक काम करते रहना चाहिए। आपका मन कर रहा है किसी को दान करने का तो तत्काल कर दे, इसके विषय में किसी से राय लेने की आवश्यकता नहीं, अच्छे कार्य को तुरंत करना चाहिए।

भगवान हमेशा अपने भक्त को पाना चाहता

भागवत कथा सुनना और भगवान को अपने मन में बसाने से व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आता है। भगवान हमेशा अपने भक्त को पाना चाहता है। जितना भक्त भगवान के बिना अधूरा है उतना ही अधूरा भगवान भी भक्त के बिना है। भगवान ज्ञानी को नहीं अपितु भक्त को दर्शन देते हैं और सच्चे मन से ही भगवान प्राप्त होता है। वामन अवतार के रूप में भगवान विष्णु ने राजा बलि को यह शिक्षा दी कि दंभ तथा अंहकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता और यह भी बताया कि यह धनसंपदा क्षणभंगुर होती है। इसलिए इस जीवन में परोपकार करों। उन्होंने कहा कि अहंकार, गर्व, घृणा से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। यदि हम संसार में पूरी तरह मोहग्रस्त और लिप्त रहते हुए सांसारिक जीवन जीते है तो हमारी सारी भक्ति एक दिखावा ही रह जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

ग्वालियर में भारत-बांग्लादेश टी20 मैच का हो रहा विरोध

ग्वालियर। भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले टी-20 क्रिकेट मैच का विरोध शुरु हो गया है। अखिल भारत हदिू महासभा ने कहा है कि इस मैच को नहीं होने दिया जाएगा। अखिल भारत हिंदू महासभा के उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा, हिंदू महासभा ने 14 अगस्त को घोषणा की थी कि अगर भारत बांग्लादेश का मैच यहां होगा तो विरोध होगा। महासभा का कहना है कि बांग्लादेश में हदिुओं के साथ अत्याचार हो रहा है। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है इसलिए हम यहां पर मैच नहीं होने देंगे। साथ ही कहा कि ग्वालियर में जब मैच खेलने के लिए बांग्लादेश की टीम आएगी, तो हम विरोध करेंगे। भारत ओर बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद 3 टी-20 मैच खेले जाने हैं और इसी का पहला मैच ग्वालियर में रखा गया है। जिसके लिए टिकट भी बुक हो गये हैं पर अब इसके आयोजन में बाधा आ रही है।

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर मे होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिंन्ता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी। हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे।हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।' पहले टेस्ट मैच में शाकिब को गेंदबाजी देर से देने पर भी सवाल उठे थे।

मुंबई सिटी इस बार आईएसएल जीतने के पूरे प्रयास करेगी: विक्रम

नई दिल्ली। मुंबई सिटी एफसी के फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह का कहना है कि उनकी टीम इस बार ट्रॉफी जीतने के लिए पहले से अधिक प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, हम पिछली बार से ज्यादा उत्साहित और प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जब आप मुंबई सिटी एफसी जैसे क्लब के लिए खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि जीतना है। हमारे लिए ड्रॉ हार के समान है और हर कोई इसी मानसिकता के साथ खेलता है। उन्होंने माना कि इस समय टीम कठिन हालातों का सामना कर रही है। उसे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप में अपने शुरुआती दो मैचों में ड्रॉ और हार का सामना पड़ा है। विक्रम चार साल पहले अक्टूबर 2020 में मुंबई सिटी एफसी में शामिल हुए थे पर साल 2023/24 सीजन उनके लिए अच्छा रहा।

बीजिंग में एडीडास ग्लोबल के मुख्यकार्यकारी बजोर्न गुलडन तिशिगुआ यूनिवर्सटी की फुटबॉल टीम को जर्सी देते हुए।

अगले माह भारत और जर्मनी खेलेंगे दो मैचों की सीरीज: हॉकी इंडिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने कहा है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगले माह 23 और 24 अक्टूबर को यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को जर्मनी के हाथों ही इस बार पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ इस द्विपक्षीय सीरीज में शीर्ष विश्व स्तरीय हॉकी देखने को मिलेगी। भारत और जर्मनी की टीम का प्रदर्शन हाल में काफी अच्छा रहा है। ऐसे में इस सीरीज में प्रशंसकों को विश्व की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। टिर्की ने कहा, 'हम इस सीरीज की मेजबानी से उत्साहि हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी बेहतर होंगे। वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी की टीमों के बीच हमेशा ही एक रोमांचक प्रतियोगिता हुई है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं और मेरा मानना है कि यह सीरीज दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का अवसर देगी। दूसरी ओर जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच ने कहा कि उनकी टीम इस कठिन सीरीज के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी में भारतीय टीम को हमेशा ही एक विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस सीरीज से दोनो ही देशों के बीच खेल संबंध और बेहतर होंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विराट अश्विन और जडेजा बना सकते हैं कई रिकार्ड

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक के मामले में वह राहुल द्रविड़ से भी आगे निकल सकते है

एजेंसी ■ कानपुर

यहां 27 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम तैयार है। चेन्नई टेस्ट में 280 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में उसका लक्ष्य दूसरे टेस्ट को भी जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश टीम भी ये मैच जीतकर सीरीज बराबर करने के प्रयास करेगी। कानपुर में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी रिकार्ड बना सकते हैं। अगर भारतीय टीम कानपुर टेस्ट जीतती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे सफल टीम बन सकती है। भारतीय टीम ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीत लिए हैं, इतने ही टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं। कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल जाएगा।

वहीं व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ सकते हैं। कोहली 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 शतक हैं। वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 52 टेस्ट में 29 शतक के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक के मामले में वह राहुल द्रविड़ से भी आगे निकल सकते हैं। द्रविड़ के नाम 48 इंटरनेशनल शतक हैं। जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं। अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं। वहीं कानपुर में 9 विकेट लेकर स्पिनर आर अश्विन, नाथन लायन से आगे निकल सकते हैं। लायन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन के नाम 101 टेस्ट में 522 विकेट हैं। इसके साथ ही अश्विन के निशाने पर और भी कई बड़े रिकॉर्ड होंगे। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब। कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे।

अश्विन-जडेजा करेंगे ये कमाल!

कानपुर में 9 विकेट लेकर अश्विन, नाथन लियोन से आगे निकल सकते हैं. लियोन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन 101 टेस्ट में 522 विकेट ले चुके हैं. इसके अलावा अश्विन टेस्ट मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने के मामले में दिग्गज शेन वॉर्न (37 बार) से आगे निकल सकते हैं. वह अभी बराबरी पर हैं. वहीं, दूसरी ओर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब हैं. कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे. कानपुर में 27 सितंबर से शुरु होने वाले भारत बांग्लादेश टेस्ट की पिच के बारे में बात करे तो यह दोनों टीमों के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती है।

पिच का मिजाज सबसे अहम

चेन्नई की लाल मिट्टी के बजाय कानपुर की पिच काली मिट्टी की होगी. उछाल भी ज्यादा नहीं होगा और गेंद भी अधिक कैरी नहीं करेगी. लाल मिट्टी की पिच अन्य पिच की तुलना में कम पानी सोखती है और इसी कारण जल्दी सूखने भी लगती है. यही कारण है कि मैच के तीन से चार सेशन के बाद पिच में बड़ी-बड़ी दरार पैदा हो जाती हैं. इस पिच पर मैच की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को काफी उछाल मिलता है. एक समान उछाल के कारण बल्लेबाजों को भी सेट होने के बाद खेलने में आसानी होती है. मगर जैसे-जैसे मिट्टी में दरार आने लगती है वैसे-वैसे स्पिन गेंदबाजों का पलड़ा भारी होता जाता है और खेल बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मयंक को ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करते देखना चाहत हैं: बासित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आज उसके पास निरंतर कई नई प्रतिभाएं आ रही हैं। बासित ने कहा कि वह भारत के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। पाक क्रिकेटर ने कहा कि 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में मयंक नाम का एक और तेज गेंदबाज सामने आया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। युवा तेज गेंदबाज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और आईपीएल 2024 की सबसे तेज और टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे तेज गेंद फेंकी। अपनी तेज गति के साथ मयंक ने लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सबको हैरान कर दिया। बासित अब मयंक को भारतीय टीम के लिए खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं। बासित ने कहा, मयंक यादव की गेंद बहुत खतरनाक है। उनका बाउंसर सटीक है। मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेलते देखना चाहता हूं। मयंक को नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया है। बासित के अनुसार आज जसप्रीत बुमराह सहित भारतीय टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण दिग्गज वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस की तरह गेंदबाजी कर रहा है। भारतीय गेंदबाजी इकाई इतनी प्रभावशाली हो गयी है कि वे वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस जैसे तेज गेंदबाजों के बराबर हैं। उसके गेंदबाज स्थापित मुख्य खिलाड़ी बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं उभरते युवा तेज गेंदबाज अवसर मिलते ही अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

क्रिकेट के अलावा विज्ञापन से भी करोड़ों रुपए की कमाई करते हैं हार्दिक पंड्या

एजेंसी ■ मुम्बई

क्रिकेट के मैदान पर अपने जुनून के कारण छाये रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कमाई के मामले में भी पीछ नहीं हैं। वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं जबकि क्रिकेटर बनने से पहले वह बेहद कठिन हालातों से गुजरे हैं। वह देश के सबसे धनी क्रिकेटर्स की सूची में शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंड्या की वर्तमान में कुल संपत्ति लगभग 11.4 मिलियन डॉलर तकरीब 95 करोड़ से ज्यादा है। उनकी महीने की आय ही 1.5 करोड़ रुपये है। पंड्या की मोटी कमाई क्रिकेट से मिलने वाली मैच फीस, अनुबंध राशि के अलावा विज्ञापनों और सोशल मीडिया से होती है। वह कई कंपनियों के ब्रांड प्रमोशन से भी जुडें हैं। वह बोट, सिन डेनिम, गल्फ ऑयल इंडिया, ड्रीम 11, एमेजॉन एलेक्सा, रिलायंस रिटेल और एसजी क्रिकेट जैसे कई ब्रांड से जुड़े हुए हैं। इन कंपनियों से वह विज्ञापन के जरिए करोड़ों कमाते हैं।

पंड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। जिस तरह से पंड्या ने टीम में आते ही अपनी जगह बना ली, उसी तरह उनकी नेट वर्थ भी तेजी से बढ़ी। उनका यहां तक का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। पंड्या को एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने के लाखों मिलते हैं जबकि आईपीएल में गुजरात टाइटंस के जब वो कप्तान थे तब उनका वेतन 15 करोड़ था। अभी वह इससे अधिक रकम में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हैं।

समित द्रविड़ को तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिलेगा

एजेंसी ■ पुडुचेरी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को अब यहां 26 सितंबर को यूथ वनडे सीरीज के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। शुरुआती दोनो ही मैचों में समित टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में इंडिया अंडर 19 टीम ने जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की है। ऐसे में तीसरे मैच में भी टीम में बदलाव होने की संभावना कम ही है। सीरीज का तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 30 सितंबर से टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

डेविस कप टेनिस के लिए स्पेन ने नडाल और अल्काराज़ को शामिल किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

स्पेन ने अगले माह होने वाले डेविड कप टेनिस के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें स्टार खिलाड़ियों राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को भी शामिल किया है। स्पेन को 19 से 24 नवंबर के बीच मलागा में नीदरलैंड्स के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलना है। वहीं इटली टीम की कमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर संभालेंगे। सिनर 2012-13 के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास करेंगे। स्पेन की टीम पर इस मुकाबले में सभी की नजरें रहेंगी। नडाल, जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के बाद से खेल नहीं खेला है, और यूएस ओपन तथा लेवर कप से नाम वापस ले लिया था। वहीं दूसरी ओर अल्काराज़ ने इस सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीते हैं और वह अच्छी लय में हैं। अर्जेंटीना की टीम में सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी जैसे अच्छे खिलाड़ी शामिल हैं। डेविस कप में दो अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। अमेरिका की टीम में टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल रहेंगे। वहीं जर्मनी और कनाडा के बीच मुकाबला भी कठिन होगा। जर्मनी की टीम का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, जबकि कनाडा की टीम में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

गेंदबाज

क्लब मे शामिल ये स्पिनर और कोई नहीं भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन

तेज गेंदबाजों के इस विशिष्ट क्लब में शामिल एक मात्र स्पिनर हैं अश्विन

एजेंसी ■ मुम्बई

विश्व क्रिकेट में करीब एक दर्जन गेंदबाज ऐसे भी हैं जिन्होंने मैच के की पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया हैं। इसमें एक स्पिनर को छोड़कर बाकि सभी तेज गेंदबाज हैं। एंडी रॉबर्ट्स , पेड्रो कॉलिंस और डेल स्टेन जैसे तेज गेंदबाजों के इस क्लब मे शामिल ये स्पिनर और कोई नहीं भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन हैं। अश्विन ने चेन्नई में 5 फरवरी 2021 को इंग्लैंड की दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए पहले ओवर की पहली ही बॉल पर रॉरी बर्न्स को आउट किया और अंतिम गेंद पर 10वें विकेट के तौर पर उतरे जेम्स एंडरसन को पेवेलियन भेजा था। वहीं सबसे पहले ये कारनामा वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज बॉलर एंडी रॉबर्ट्स ने किया था। उन्होंने दिसंबर 1974 में भारत के खिलाफ कलकत्ता टेस्ट में पारी की पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया था। वहीं वेस्टइंडीज के ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पेड्रो कॉलिंस ने 3 बार पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया है। उन्होंने तीनों ही बार बांग्लादेश के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की और इस दौरान उनकी पहली बॉल पर आउट होने वाला बल्लेबाज भी एक ही था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन के नाम दो बार ये उपलब्धि है। इस प्रकार के गेंदबाजों की सूची में भारतीय स्पिनर आर अश्विन का शामिल होना बड़ी बात है क्योंकि पारी का पहला ओवर अधिकतर तेज गेंदबाज ही फैंकते हैं। इस कारण अश्विन के अलावा सूची में सभी तेज गेंदबाज शामिल हैं।कॉलिंस शुरुआत में फुटबॉल खेलते थे लेकिन बाद में उन्होंने कैरेबियन द्वीप के उस दौर के अन्य युवाओं की तरह क्रिकेट को चुना। अच्छी गति से गेंदबाजी करने के साथ ही वे स्विंग कराने में भी माहिर थे, इस कारण दिग्गज बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना आसान नहीं होता था. इसके बावजूद फिटनेस कारणों से कॉलिंस का करियर लंबा नहीं चल सका और 1999 से 2006 के बीच 32 टेस्ट व 30 एकदिवसीय ही वे खेल सके। कॉलिस ने सबसे पहले बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2002 के ढाका टेस्ट में पारी की पहली और आखिरी बॉल पर विकेट लिया।

रहाणे को क्रिकेट अकादमी बनाने महाराष्ट्र सरकार ने आवंटित की जमीन

एजेंसी ■ मुम्बई

क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे अब महाराष्ट्र में एक आधुनिक खेल अकादमी बना सकेंगे। महाराष्ट्र सरकार ने इस अकादमी के लिए उन्हें जमीन भी आवंटित कर दी है। ये जमीन वही है जो पहले अकादमी बनाने के लिए पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को दी गयी थी पर वह तय समय तक काम शुरु नहीं कर पाये जिसके बाद सरकार ने जमीन का आवंटन रद्द कर दिया था। वहीं अब महाराष्ट्र कैबिनेट ने बांद्रा की ये जमीन रहाणे को अकादमी बनाने दे दी है। सरकार के बयान के अनुसार बांद्रा रिक्लेमेशन में 2,000 वर्ग मीटर की भूमि रहाणे को तीस साल के लिए लीज पर दी जाएगी। यही भूमि गावस्कर को साल 1988 में एक इनडोर क्रिकेट सेंटर के लिए आवंटित की गई था पर कोई काम नहीं होने के कारण सरकार ने इसे 2022 में वापस ले लिया था। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी ने पहले एक प्रस्ताव पारित कर रहाणे को यह प्लॉट देने की सिफारिश की थी और इसी प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। रहाणे ने जमीन के आवंटन के लिए सरकार को धन्यवाद भी दिया है। गौरतलब है कि साल 2011 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से रहाणे ने खेल के तीनों ही प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए 195 मैचों और 251 पारियों में 35.95 की औसत से 15 शतक और 51 अर्द्धशतक के साथ 8,414 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 188 रन रहा।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले नेताओं ने एक-दूसरे पर तीखी बयानबाजी शुरू कर दी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता इम्तियाज जलील ने भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ बयान दिया है। उन्होंने भाजपा विधायक राणे के लिए टिंगू शब्द का प्रयोग कर कहा, ओवैसी साहब के पजामे का साइज टिंगू के पजामे के साइज से बड़ा है।

उत्तर प्रदेश के सभी विभागों के खाली पदों पर सरकार करेगी नियुक्ति

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा-जल्द भेजें अधियाचन, स्थानीय स्तर पर मिलेंगे मौके

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं के संबंध में सभी आयोग के अध्यक्षों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी विभागों में खाली पदों का भर्ती प्रस्ताव (अधियाचन) जल्द संबंधित आयोग को भेजा जाए। आयोग इससे जुड़ी भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू करें। मुख्यमंत्री ने किसी भी विभाग की तरफ से भर्ती प्रक्रिया को लेकर कोई प्रस्ताव लंबित न रखने की हिदायत भी दी है। मुख्यमंत्री ने वर्तमान में की जा रही सभी भर्तियों के संबंध में जानकारी ली और सभी बोर्ड व आयोगों को निर्देश दिया कि खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व समय से पूरा कराया जाए। पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष ने हाल में ही आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया व संचालन के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। उन्होंने हाल में हुई उप्र पुलिस भर्ती की परीक्षा की उदाहरण देते हुए सभी भर्ती आयोगों को भी इसी मॉडल को अपनाने को कहा है। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के संबंध में सभी बोर्ड व आयोग के अध्यक्ष मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक करें। परीक्षा में ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व सीसीटीवी का प्रयोग करें। अफवाह रोकने पर पूरा ध्यान दिया जाए।

गठित हो स्थानीय स्तर पर बोर्ड

सीएम योगी ने कहा कि चिकित्सा और तकनीकी विभागों में स्थानीय स्तर पर बोर्ड गठित करके जल्द भर्ती की जाए। सभी भर्ती प्रक्रियाओं में आरक्षण के नियमों का पालन हर हाल में सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ई-अधियाचन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। सभी विभाग इसका प्रयोग कर अपना-अपना भर्ती प्रस्ताव भेजें। जिन विभागों में नियुक्ति की जानी है, वहां से तत्काल अधियाचन आयोग को भेजकर नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा कराया जाए।

चयन में सावधानी बरतें

योगी ने कहा कि ट्रांसपोर्ट, एजेंसी व परीक्षा केंद्रों के चयन की प्रक्रिया में सावधानी बरतें। गोपनीयता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अधिकृत एजेंसी के साथ चयन बोर्ड व आयोग का एमओयू भी करें। बैठक में उप्र लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, उप्र अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के अध्यक्ष, उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष, विद्युत सेवा आयोग के अध्यक्ष, उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष, उप्र सहकारी संस्थागत सेवा मंडल के अध्यक्ष आदि अधिकारी उपस्थित थे।

किसी भी प्राइवेट संस्था को परीक्षा केंद्र न बनाया जाए

सीएम ने सभी बोर्ड व आयोग से कहा कि सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समय से पूरा करने के लिए क्वेश्चन बैंक तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी प्राइवेट संस्था को परीक्षा केंद्र न बनाया जाए। केवल राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाए। परीक्षा केंद्र का चयन जिलाधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में किया जाए।

ब्रीफ न्यूज

तेज रफ्तार बस ने साइकिल सवार छात्र को कुचला, मौत

सुल्तानपुर। तेज रफ्तार निजी बस ने मंगलवार सुबह नेमपुर-दोस्तपुर रोड पर कामतागंज बाजार के पास साइकिल सवार छात्र को रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौत से नाराज ग्रामीणों ने चालक को बंधक बनाकर बस में तोड़फोड़ की। उधर, नाराज छात्रों ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर जाम लगा दिया। जाम खुलवाने के लिए आए पुलिस और प्रशासनिक अमले पर छात्रों व ग्रामीणों ने पथराव भी किया। दोस्तपुर के पसियापारा गांव का लवकुश (14) रामदेव सिंह इंटर कॉलेज कामतागंज में कक्षा आठ का छात्र था। वह साइकिल से स्कूल पढ़ने जा रहा था। कामतागंज बाजार के पास तेज रफ्तार निजी बस ने छात्र को कुचल दिया।

छात्रसंघ बहाली को लेकर छात्र नेताओं ने निकाली दंडवत यात्रा

गोरखपुर। गोरखपुर विवि में छात्रसंघ बहाली को लेकर छात्र नेताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बहाली की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने सुबह इंदिरा बाल बिहार से विश्वविद्यालय मुख्य गेट तक दंडवत यात्रा निकाली। वहां से प्रशासनिक भवन स्थित कुलपति कार्यालय पहुंचे। वहां वीसी से मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद परिसर में धक्का मुक्की करने के साथ वीसी से मुलाकात के लिए छात्रनेताओं को दल आगे दफ्तर में जाने और मिलने के लिए दबाव बनाने लगे। इसी बीच पुलिस की टीम भी सूचना पाकर मौके पर पहुंच गई। छात्रनेताओं को मनाने और कार्यालय से बाहर जाने के बीच छात्रनेताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की शुरू हो गई।

उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लगेगा सेंसर

देहरादून। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद अब उनकी निरंतर निगरानी होगी। इसके लिए उपचारित क्षेत्र में सेंसर लगाए जाएंगे, जिससे वहां भूमि में होने वाली हलचल की जानकारी पहले से मिलेगी। नैनीताल की नैना पीक से यह शुरुआत हो रही है। इसके लिए उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र ने तैयारी शुरु कर दी है। हर वर्षाकाल में अतिवृष्टि के चलते भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति होती है। यद्यपि, संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का उपचार भी हो रहा है, लेकिन कुछ समय ठीक रहने के बाद ये फिर सक्रिय होते हैं। यह देखकर सरकार अब भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार के बाद उनकी निरंतरता में निगरानी पर विशेष जोर दे रही है। इसमें आधुनिक तकनीकी का समावेश होगा।

योगी सरकार का नया आदेश- जनता की सेहत से नहीं होगा खिलवाड़

ढाबा-रेस्तरां के कर्मचारियों का होगा सत्यापन, नाम लिखना अनिवार्य

खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावटखोरों पर होगा एक्शन, अब शेफ-वेटर को मास्क व ग्लव्स लगाना होगा

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट पाए जाने पर रेस्टोरेंट व ढाबा संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश जारी कर दिया है। खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट को लेकर मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कई दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स है। यह सब स्वीकार नहीं किया जाएगा। अब ऐसे ढाबों, होटलों और रेस्टोरेंट में खान-पान के प्रतिष्ठानों की सघन जांच होगी। साथ ही प्रतिष्ठानों में काम करने वाले हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन भी होगा।

गंदी या मिलावट पाए जाने पर संचालक की खैर नहीं..

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की चीजों की शुद्धता-पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए हैं। जिसके अनुसार खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा। अब शेफ हों या वेटर सभी को मास्क और ग्लव्स लगाना होगा। साथ ही होटल/ रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाना भी अनिवार्य होगा। निर्देश के अनुसार अब अपशिष्ट आदि गंदी चीजों की मिलावट पाए जाने पर संचालक/प्रोपराइटर पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम की तरफ से दिए गए प्रमुख निर्देश

- हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक है।
- ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी जरूरी है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए।
- खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिए। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।
- ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा।
- खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने व सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इस्राइल जाने वाले कामगारों का कौशल निखारेगी सरकार

बोलचाल के लिए सिखाई जा रही अंग्रेजी

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

इस्राइल जाने वाले कामगारों को राज्य सरकार इस बार एक पेशेवर की तरह तैयार कर रही है। उन्हें न सिर्फ बेसिक अंग्रेजी का कोर्स कराया जा रहा है, बल्कि उनके कौशल को प्रमाणित भी किया जा रहा है। इस पहल से दुनिया भर में यूपी के कामगारों के लिए दरवाजे खुलेंगे। चुने गए निर्माण श्रमिकों को न्यूनतम 1.37 लाख रुपए वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। इस्राइल की पॉपुलेशन, इमीग्रेशन और बॉर्डर अथॉरिटी (पीआईबीए) श्रमिकों का चयन करेगी। 25 से 45 वर्ष की उम्र के बीच फेम वर्क, शटरिंग कारपेंटर और सिरेमिक टाइल श्रमिकों की मांग फिर इस्राइल ने की है। पहले चरण में गए करीब पांच हजार कामगारों के बाद इस बार दस हजार के लिए भर्ती खोली गई है। लाखों रुपए की नौकरी पाने के लिए यूपी के कामगारों में मची होड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 21 सितंबर को पंजीकरण के लिए पोर्टल खोला गया था। महज तीन दिन में 6200 से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इस बीच कामगारों को बेसिक अंग्रेजी सिखाने के लिए प्रत्येक जिले के नोडल आईटीआई में इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स शुरू कर किए गए हैं।

पहली बार कामगारों के काम का प्रमाणीकरण

इस बार कामगारों को आरपीएल (रिकगनिशन ऑफ प्रायर लर्निंग) प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ये 30 घंटे का प्रशिक्षण है जिसे पूरा कर कामगार को उसके कौशल का सर्टिफिकेट देगा। आरपीएल का मतलब पूर्व शिक्षण की मान्यता है। ये एक ऐसी प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति के मौजूदा कौशल, ज्ञान और अनुभव का मूल्यांकन करती है। आरपीएल लोगों को उन चीजों को दोबारा सीखने से बचने में मदद कर सकता है जिन्हें वे पहले से जानते हैं। पूर्व अनुभव या कौशल वाले व्यक्ति आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित होने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

राहुल गांधी की आरक्षण नीति छलकपट वाली

मायावती बोलीं- सत्ता में रहते नहीं करवाई जातीय जनगणना

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी आरक्षण की नीति छलकपट वाली है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस व राहुल गांधी की एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं बल्कि दोगली एवं छलकपट की है।

अपने देश में इनके वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन व इसे 50 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाने की वकालत तथा विदेश में जाकर इनके आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। इनके इस दोहरे मापदण्ड से लोग सचेत रहें। यह भी सच है कि केन्द्र में इनकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मण्डल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। साथ ही, बीएसपी के संघर्ष से एससी और एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को भी कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अभी तक लम्बित है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में इनकी सरकार ने कोर्ट में सही से पैरवी नहीं की। इस आरक्षण विरोधी कांग्रेस व अन्य पार्टियों से भी ये लोग सजग रहें। साथ ही, केन्द्र में रही कांग्रेसी सरकार द्वारा जातीय जनगणना नहीं कराना और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठाना, यह सब ढोंग नहीं तो और क्या है।

स्वागत को तैयार लैंडमार्क, सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता

कानपुर की धरती पर उतरे क्रिकेट के सितारे

एजेंसी ■ कानपुर

कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच के लिए भारत और बांग्लादेश दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों का शहर आना शुरू हो गया है। एयरपोर्ट पर सबसे पहले टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शहर पहुंच चुके हैं। यूपीसीए के मीडिया मैनेजर मो. फहीम ने बताया कि 27 सितम्बर से होने वाले टेस्ट के लिए खिलाड़ी अलग-अलग चरणों में आ रहे हैं। इसमें कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली और रिषभ पंत इंडिगो फ्लाइट से सबसे पहले एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद रोहित शर्मा, केएल राहुल, शुभमन गिल और अभिषेक नायर इसी कंपनी की फ्लाइट से मुंबई से पहुंचेंगे। टीम इंडिया के शेष खिलाड़ी और बंग्लादेश टीम एक साथ आएगी। टेस्ट मैच के हॉस्पिटैलिटी अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि पहले दोनों ही टीमों का सामान सुबह 11 बजे वाली फ्लाइट से आया है।

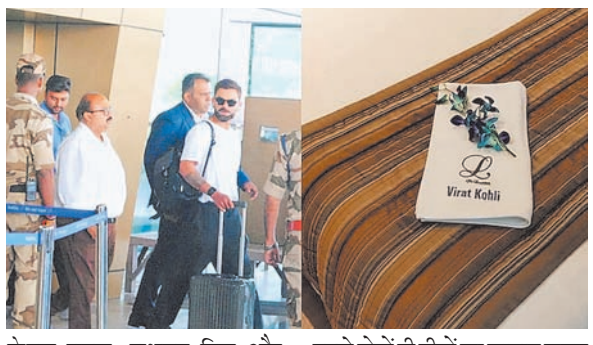

स्वागत को तैयार है लैंडमार्क

भारत और बांग्लादेश की टीमों के स्वागत के लिए होटल लैंडमार्क में तैयारी पूरी कर ली गई हैं। भारत और बांग्लादेश के लिए वेलकम लिखा हुआ है। उनके आगमन पर तिलक लगाकर और शंखनाद से स्वागत किया जाएगा। सभी खिलाड़ियों को स्वागत के मौके पर रुद्राक्ष की माला पहनाई जाएगी।

कस्टमाइज टॉवेल तैयार

खिलाड़ियों के नाम और फोटो के अनुसार उनके लिए टॉवेल और पिलो कवर भी कस्टमाइज कराए गए हैं। पूरे होटल को भारतीय और बांग्लादेश की टीमों की पसंद के अनुसार ही तैयार सा किया गया है। यही नहीं, खिलाड़ियों का स्वागत कोकोनट की वेलकम ड्रिंक से होगा।

शंख एयर शंख एयर हाई डिमांड और सीमित सीधी उड़ान विकल्प वाले क्षेत्रों पर फोकस करेगी

इंडिगो को चुनौती देगी यूपी की पहली एयरलाइन

एविएशन मिनिस्ट्री से मिली मंजूरी, 60 फीसदी हिस्सेदारी

एयरलाइन का इरादा उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों में कनेक्टिविटी को बढ़ाना

सत्ता सुधार ■ लखनऊ/नई दिल्ली

घरेलू विमानन कंपनियों की लिस्ट में एक और नया नाम शामिल हो गया है, शंख एयर। इस एयरलाइन को ऑपरेशन शुरू करने के लिए एविएशन मिनिस्ट्री से इजाजत मिल गई है। यह उत्तर प्रदेश की पहली विमानन कंपनी होगी। इसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में है। हालांकि, शंख एयर को आधिकारिक तौर पर उड़ान शुरू करने के लिए एविएशन रेगुलेटर-नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से मंजूरी लेनी होगी। शंख एयर के चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा हैं। शंख एयर की वेबसाइट के अनुसार, एयरलाइन हाई डिमांड और सीमित सीधी उड़ान विकल्पों वाले क्षेत्रों पर फोकस करेगी। उसका इरादा उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों में कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। फिलहाल, एविएशन सेक्टर में 60 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी के साथ इंडिगो का दबदबा है। अगर शंख एयर अपने तय प्लान के मुताबिक आगे बढ़ती है, तो इससे इंडिगो कुछ अहम रूट पर अपने यात्री खो सकती है।

तेजी से बढ़ रहा एविएशन सेक्टर

इंडिगो समेत देश के अधिकतर विमानन कंपनियां तेजी से विस्तार की रणनीति अपना रही हैं। एयर इंडिया काफी जल्दी विस्तारा के साथ मर्जर करने वाली है, जो फिलहाल टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस के सह-स्वामित्व में है। एयरएशिया इंडिया को भी एयर इंडिया खरीद रही है और इसे अपनी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मर्ज कर रही है। इससे एयर इंडिया का फ्लीट और मार्केट शेयर काफी बढ़ जाएगा।

तिरुपति प्रकरण से लिया सबक! मंदिरों में अब बदलेगी प्रसाद की व्यवस्था

अब पंचमेवा, फल, बताशा और रामदाना का होगा प्रसाद

एजेंसी ■ वाराणसी

तिरुपति बालाजी मंदिर की घटना के बाद अब देश भर के मंदिरों में प्रसाद की व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी है। श्री काशी विद्वत परिषद सनातनी हिंदुओं की आस्था के अनुसार ही प्रसाद चढ़ाने और ग्रहण करने की व्यवस्था करने की तैयारी में है। अखाड़ा परिषद, अखिल भारतीय संत समिति और सरकार के सहयोग से प्रसाद की नई व्यवस्था लागू की जाएगी। अब मंदिरों में पंचमेवा, फल, बताशा और रामदाना के प्रसाद चढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी। द्वादश ज्योर्तिलिंग, देवी मंदिरों और देश भर के सभी छोटे-बड़े देवालयों में प्रसाद अर्पण करने में बड़ा बदलाव होगा। भगवान को शुद्ध और सात्विक प्रसाद अर्पण हो, इसके लिए काशी विद्वत परिषद ने सनातनी परंपरा और पुराणों के अनुसार भगवान को सात्विक भोग चढ़ाने का खाका तैयार किया है। इसके तहत अब मंदिरों में भगवान को पंचमेवा, फल, बताशा और रामदाना चढ़ाने की पुरानी व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इसमें न तो किसी तरह की मिलावट की आशंका रहेगी और न ही किसी तरह की गड़बड़ी हो सकेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गहोई बाटिका सीता सागर ताल के सामने मां पीताम्बरा रोड, दतिया से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2005/16546 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।